@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
शनिवार, 30 नवंबर 2024

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 20 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

गांव-गांव में तैयार किए जाएंगे कट्टर हिंदू: धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री

झांसी, 29 नवंबर। बागेश्वर धाम से निकाली गई सनातन हिंदू एकता यात्रा का शुक्रवार को ओरछा में समापन हुआ। इस अवसर पर यात्रा की अगुवाई कर रहे पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने कहा कि गांव-गांव जाकर कट्टर हिंदू तैयार किए जाएंगे। हिंदू के न रहने पर हिंदुस्तान भी नहीं रहेगा। न भारतीय संस्कृति रहेगी और न ही परंपराएं बचेंगी। शुक्रवार को नौवें दिन यात्रा की शुरुआत ओरछा तिगैला से हुई। यहां से आठ किलोमीटर का सफर पूरा कर यात्रा भगवान रामराजा सरकार के मंदिर पहुंची। यहां पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने भगवान की विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर ध्वज चढ़ाया और यात्रा में शामिल रहे लोगों के लिए मंगल कामना की। समापन के मौके पर पं. धीरेंद्र कृष्ण ने कहा कि विभिन्न परिस्थितियों के चलते तमाम सीधे-साधे लोग उन तक नहीं पहुंच पाते हैं। ऐसे में इस यात्रा में एक संकल्प लिया है कि वे बीच-बीच में गांव-गांव जाएंगे और वहां वे लोगों से दक्षिणा नहीं लेंगे, बल्कि यह वचन लेंगे कि उन्हें आखिरी सांस तक अपने धर्म में बने रहना है। इस दरम्यान उन्होंने हिंदू राष्ट्र का संकल्प भी दोहराया। साथ ही उन्होंने कहा कि जाति-पाति और छुआछूत का भेद मिटाने के उद्देश्य से यात्रा निकाली गई थी। यात्रा का यह क्रम आगे भी निरंतर जारी रहेगा। आखिरी दिन यात्रा में लगभग पांच लाख लोगों के शामिल होने का अनुमान जताया जा रहा है। भारी संख्या में झांसी के लोग भी यात्रा का हिस्सा बने। इनमें से तमाम श्रद्धालु ऐसे भी रहे, जो 21 नवंबर से लगातार यात्रा का हिस्सा बने रहे। छोटे-छोटे बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक यात्रा में शामिल रहे। यात्रा में महिलाएं भी सभी के साथ उत्साह के साथ कदमताल करती नजर आईं। 158 किमी की यात्रा के दौरान कई जगह रात्रि विश्राम हुआ। यात्रा मार्ग में जगह-जगह पुष्प वर्षा कर यात्रा के स्वागत का क्रम बना रहा। धर्माचार्यों के अलावा जनप्रतिनिधि और फिल्म अभिनेता भी यात्रा का हिस्सा बने रहे। सनातन हिंदू एकता के समापन के मौके पर शुक्रवार को तुलसी पीठाधीश्वर रामभद्राचार्य महाराज भी ओरछा पहुंचे।

महाराष्ट्र-हरियाणा चुनावों में पार्टी के प्रदर्शन पर समीक्षा

सिम्मी कौर बब्बर

नई दिल्ली, 29 नवंबर। महाराष्ट्र, झारखंड और हरियाणा में हुए चुनावों में पार्टी के प्रदर्शन पर विचार-विमर्श करने और आगामी दिल्ली चुनावों की तैयारियों की समीक्षा के लिए शुक्रवार को कांग्रेस कार्य समिति की बैठक हुई। यह बैठक मौजूदा संसद सत्र के दौरान हो रही है। इस बैठक में अदाणी मुद्दे पर सरकार को घेरने के तरीकों पर भी चर्चा होने की संभावना है। अदाणी मुद्दे और संभल में हिंसा पर विपक्ष के अवरोधों के कारण शीतकालीन सत्र की शुरुआत के बाद चौथे दिन भी संसद की कार्यवाही नहीं चल पाई। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे इस बैठक की अध्यक्षता की। राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा, केसी वेणुगोपाल और जयराम रमेश जैसे शीर्ष नेता इस बैठक में शामिल हुए। कांग्रेस कार्य समिति दिल्ली में चुनावों के साथ-साथ अगले साल बिहार विधानसभा चुनावों की तैयारियों और गठबंधन पर विचार-विमर्श करने के लिए भी तैयार है। महाराष्ट्र और हरियाणा चुनावों में कांग्रेस की हार पर मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रतिक्रिया दी। कार्य समिति की बैठक में उन्होंने कहा, एकता की कमी, चुनावों में एक-दूसरे के खिलाफ बयान हमें नुकसान पहुंचा

रहे हैं, इस पर सख्त अनुशासन की जरूरत है। उन्होंने आगे कहा, राज्य के चुनावों में उम्मीद से कम प्रदर्शन हमारे लिए एक चुनौती है। विधानसभा चुनावों के लिए एक साल पहले से तैयारी की आवश्यकता है। मतदाता सूची की जांच करनी होगी। खरगे ने कहा, ईवीएम ने मतदान प्रक्रिया को संदिग्ध बना दिया है। चुनाव आयोग को स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करना चाहिए। हमारे पक्ष में चुनावी माहौल जीत की गारंटी नहीं देता। हमें माहौल को नतीजों में बदलना सीखना होगा। जीत की रणनीति बनाने और पार्टी को मजबूत करने के लिए कड़ी मेहनत करनी चाहिए। खरगे ने कहा, सभी को यह सोचना चाहिए कि कांग्रेस पार्टी की जीत में ही हम सबकी जीत है और हार में हम सबकी हार है। पार्टी की ताकत से ही हमारी ताकत है। उन्होंने कहा, कई बार हम खुद अपने सबसे बड़े शत्रु बन जाते हैं। हम खुद अपने बारे में नकारात्मक बातें करेंगे और ये कहेंगे कि हमारा कोई विमर्श नहीं है तो मैं पूछता हूं कि विमर्श बनाना और उसको जनता तक पहुंचाना किसकी जिम्मेदारी है? यह हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है। जो विमर्श हमने राष्ट्रीय स्तर पर तय किया था, वो अभी भी लागू है। हमें हर हालत में चुनाव लड़ने के तरीकों को बेहतर बनाना होगा, क्योंकि समय बदल गया है। चुनाव लड़ने के तरीके बदल गए हैं। बता दें कि महाविकास अघाड़ी (जिसमें कांग्रेस भी शामिल है) को महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में हार का सामना करना पड़ा, लेकिन झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के नेतृत्व वाले पार्टी गठबंधन ने झारखंड में जीत हासिल की। हरियाणा में भी कांग्रेस को भाजपा के हाथों हार का सामना करना पड़ा। कांग्रेस ने शुक्रवार को चुनाव आयोग के समक्ष गंभीर विसंगतियों को उठाया। इसके साथ ही उन्होंने सबूत पेश करने के लिए व्यक्तिगत सुनवाई की भी मांग की।

चुनावी हार से गुस्साए विपक्षी देश के खिलाफ कर रहे साजिश: पीएम मोदी

नरेश मल्होत्रा

भुवनेश्वर, 29 नवंबर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को ओडिशा के भुवनेश्वर में भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आंदोलन हमेशा से होते रहे हैं। लेकिन पिछले कुछ समय में आप सभी ने एक बहुत बड़ा बदलाव देखा होगा। संविधान की भावना को कुचला जा रहा है। लोकतंत्र की गरिमा को नकारा जा रहा है। सत्ता को अपना जन्मसिद्ध अधिकार मानने वाले लोग पिछले एक दशक से केंद्र की सत्ता खो चुके हैं। वे लोगों से इस बात के लिए भी नाराज हैं कि उनके अलावा किसी और को आशीर्वाद दिया जा रहा है। वे इतने गुस्से में हैं कि वे देश के खिलाफ साजिश कर रहे हैं। पीएम ने कहा कि उन्होंने देश को गलत दिशा में ले जाने के लिए लोगों को गुमराह करना शुरू कर दिया है। झूठ और अफवाहों की उनकी दुकान पिछले 75 सालों से चल रही है। उन्होंने अब अपने मिशन को और तेज कर दिया है। उनकी गतिविधियां अपने देश से प्यार करने वाले लोगों के लिए बहुत बड़ी चुनौती बन रही है। उन्होंने कहा कि मैं सभी को बताना चाहता हूं कि हमें सतर्क रहना है और लोगों को जागरूक करते रहना है। हमें हर झूठ को उजागर करना है। सत्ता के भूखे इन लोगों ने जनता से सिर्फ झूठ बोला है। वे हर बार एक बड़ा झूठ लेकर आते हैं। 2019 में जो चौकीदार उनके लिए चोर था, 2024 तक आते-आते वो ईमानदार हो गया और एक बार भी चौकीदार को चोर नहीं कह पाए। इनका मकसद सिर्फ यही है कि किसी तरह देश की जनता को गुमराह करके सत्ता पर कब्जा किया जाए। प्रधानमंत्री ने कहा कि विपक्षी दल दिन-रात भाजपा के बारे में गलत सूचना फैलाते रहते हैं। लेकिन जनता खुद भाजपा को आशीर्वाद देने के लिए

मैदान में आती है। चुनाव से कुछ महीने पहले बड़े-बड़े राजनीतिक विशेषज्ञ ओडिशा में भाजपा को पूरी तरह से खारिज कर रहे थे। लेकिन जब नतीजे आए तो सभी हैरान रह गए। क्योंकि ओडिशा के लोगों के लिए भाजपा की केंद्र सरकार के कार्य और दिल्ली में बैठे हुए भी ओडिशा के लोगों के साथ अपनापन का जो नाता रहा, वो ओडिशा के घर-घर पहुंच चुका था। पीएम ने कहा कि पहले ओडिशा, फिर हरियाणा, अब महाराष्ट्र। यही बीजेपी की विशेषता है। यह भाजपा कार्यकर्ताओं का सामर्थ्य है। महाराष्ट्र चुनाव, हरियाणा चुनाव और देशभर में हुए उपचुनाव के नतीजों ने पूरे देश में जो विश्वास भर दिया है, वो मुझे आपकी आंखों नजर आ रहा है। उन्होंने कहा कि पांच दिन पहले मुझे दिल्ली में ओडिशा पर्व के शानदार समारोह में शामिल होने का अवसर मिला था। ओडिशा पर्व में उड़िया विरासत और गौरव के वो भव्य दर्शन, ओडिशा के लोगों का स्नेह और अपनापन मेरे लिए बहुत ही यादगार पल हैं। प्रधानमंत्री बोले कि आज केंद्र की भाजपा सरकार ओडिशा के गौरव को और ओडिशा को बड़ी प्राथमिकता दे रही है। ओडिशा में हमारी सरकार बनते ही माताओं-बहनों के लिए कई बड़े कदम उठाए गए हैं। हमने सुभद्रा योजना शुरु की। ये योजना महिला सशक्तीकरण की पहचान बनेगी। मुझे खुशी है कि भाजपा के प्रयासों से ओडिशा की आदिवासी बेटी द्रौपदी मुर्मू जी आज देश की राष्ट्रपति हैं। इससे पूरे देश के आदिवासी समाज का गौरव बढ़ा है। मुर्मू जी के देश के सर्वोच्च पद पर आसीन होने से हर वर्ग की बेटियों में आत्मविश्वास बढ़ा है। एक आदिवासी बेटी की ये यात्रा आने वाली कई पीढ़ियों तक प्रेरित करेगी।

जो सरकार कहेगी हम करेंगे: राजीव शुक्रला

नई दिल्ली, 29 नवंबर। चैंपियंस ट्रॉफी को लेकर भारत और पाकिस्तान के बीच जारी गतिरोध के बीच शुक्रवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आसीसी) ने सभी बोर्ड की बैठक बुलाई। इसमें टूर्नामेंट के कार्यक्रम और वेन्यू पर चर्चा हुई। इस बैठक के बाद बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्रला का बयान आया। उन्होंने बताया कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के साथ बातचीत जारी है। आईसीसी पूरी कोशिश कर रहा है। हम पहले ही यह कह चुके हैं जो सरकार कहेगी हम करेंगे। अगले साल चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन होना है, लेकिन आईसीसी ने अब तक इस टूर्नामेंट के कार्यक्रम का एलान नहीं किया है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) पहले ही भारतीय टीम को पाकिस्तान की यात्रा पर भेजने से इनकार कर चुका है। वहीं, पीसीबी भी अब तक हाइब्रिड मॉडल के लिए राजी नहीं हुआ है। इस गतिरोध के बीच आईसीसी ने शुक्रवार को सभी बोर्ड की बैठक बुलाई, जिसमें चैंपियंस ट्रॉफी के कार्यक्रम और वेन्यू पर चर्चा हुई। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पहले दिन कोई फैसला नहीं लिया जा सका। ऐसे में आईसीसी ने शनिवार को एक बार फिर बैठक बुलाई है। चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी पाकिस्तान के पास है। बीसीसीआई पहले ही भारतीय टीम को पड़ोसी मुल्क की यात्रा पर भेजने से इनकार कर चुका है। इसकी जानकारी बीसीसीआई की तरफ से आईसीसी को दी जा चुकी है। वहीं, आईसीसी ने भी पीसीबी को इसकी सूचना दे दी है। जवाब में पीसीबी ने आईसीसी से ईमेल के जरिए बीसीसीआई से लिखित में यात्रा न करने के कारण पूछे हैं। भारतीय टीम के पाकिस्तान की यात्रा नहीं करने पर चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन हाइब्रिड मॉडल में हो सकता है। हालांकि, पीसीबी के चेयरमैन मोहसिन नकवी पहले ही इस सुझाव को खारिज कर चुके हैं। हालांकि, कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि अगर पीसीबी हाइब्रिड मॉडल के लिए राजी हो जाता है तो टूर्नामेंट का आयोजन यूएई में हो सकता है।

ईवीएम पर उठे सवालों को सुप्रीम कोर्ट ने किया खारिज

कौमी संवाददाता

नई दिल्ली, 29 नवंबर। इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) को लेकर उठ रहे सवालों को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट और विभिन्न हाई कोर्ट में लगभग 42 याचिकाएं दायर की गई। केंद्र सरकार ने शुक्रवार को लोकसभा में इसकी जानकारी दी। ईवीएम से छेड़छाड़ और हैकिंग को रोकने के लिए केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल से सवाल किया गया। उन्होंने बताया कि ईवीएम एक स्टैंडअलोन मशीन है। इसमें कोई रेडियो फ्रीक्वेंसी संचार क्षमता नहीं है। केंद्रीय मंत्री ने कहा, चुनाव आयोग के अनुसार, ईवीएम एक स्टैंडअलोन मशीन है। इसमें कोई रेडियो फ्रीक्वेंसी संचार क्षमता नहीं है। यह वायरलेस, ब्लूटूथ और वाई-फाई के माध्यम से संचार नहीं कर सकती है। लिखित में जवाब देते हुए केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा, किसी भी हेरफेर को रोकने के लिए मशीन को इलेक्ट्रॉनिक रूप से संरक्षित किया गया है। इसमें कई

तकनीकी सुरक्षा विशेषताएं शामिल हैं। हरियाणा विधानसभा चुनाव के बाद कांग्रेस ने ईवीएम की विश्वसनीयता पर सवाल उठाया था। उन्होंने दावा किया था कि ईवीएम की बैटरी में अलग-अलग स्तर की चार्जिंग से अलग-अलग नतीजे मिलते हैं। चुनाव आयोग ने शिकायत खारिज करते हुए कहा कि कांग्रेस केवल संदेह का धुंआ उठा रही है। कांग्रेस कार्य समिति को संबोधित करते हुए पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि ईवीएम ने मतदान प्रक्रिया को संदिग्ध बना दिया है।

वापस लिया राज्य वक्फ बोर्ड को 10 करोड़ रुपये देने का आदेश

मुंबई, 29 नवंबर। महाराष्ट्र सरकार ने शुक्रवार को राज्य वक्फ बोर्ड को मजबूत करने के लिए 10 करोड़ रुपये देने के प्रस्ताव को वापस ले लिया। यह जानकारी राज्य की मुख्य सचिव सुजाता सौनिक ने दी। राज्य सरकार ने एक प्रस्ताव दिया था, जिसमें वित्तीय मदद के रूप में राज्य के वक्फ बोर्ड को 10 करोड़ रुपये देने की बात कही गई थी। मुख्य सचिव ने पुष्टि की कि यह प्रस्ताव वापस ले लिया गया है। यह सरकारी प्रस्ताव (जीआर) 28 नवंबर को जारी किया गया था। इसके तहत वित्तीय वर्ष 2024-25 में महाराष्ट्र राज्य वक्फ बोर्ड को मजबूत करने के लिए 20 करोड़ रुपये निर्धारित किए गए थे। इसमें से दो करोड़ रुपये छत्रपति संभाजीनगर वक्फ बोर्ड मुख्यालय को वितरित किए गए थे। वक्फ विधेयक को अगस्त में लोकसभा में पेश किया गया था। तब से यह विवादों में घिरा हुआ है। इस विधेयक में वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन में महत्वपूर्ण संशोधन प्रस्तावित हैं, जिसमें वक्फ अधिनियम का नाम बदलकर एकीकृत वक्फ प्रबंधन, सशक्तिकरण, दक्षता और विकास अधिनियम करने का सुझाव है।

इसरो ने तैयार किया भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन का ढांचा

नई दिल्ली, 29 नवंबर। इसरो भारतीय अंतिरक्ष स्टेशन के साथ अंतरिक्ष में शुरुआती चरण में तीन अंतरिक्ष यात्रियों को भेजने की योजना बना रहा है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के अनुसार, बीएएस का उद्देश्य अंतरग्रहीय अनुसंधान, जीवन विज्ञान और चिकित्सा अध्ययन समेत कई वैज्ञानिक प्रयासों को सुविधाजनक बनाना है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन (बीएएस) के लिए योजनाओं की घोषणा की है, जो भारत की अंतरिक्ष अन्वेषण क्षमताओं में एक महत्वपूर्ण कदम है। वहीं इसरो के अनुसार, बीएएस का वजन 52 टन है और यह शुरू में तीन लोगों के चालक दल के लिए बनाया जाएगा, भविष्य में इस क्षमता को छह तक बढ़ाने की योजना है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना का अनावरण बंगलूरू में यू आर राव सैटेलाइट सेंटर में कन्नड़ तकनीकी सेमिनार के दौरान किया गया। इस सेमिनार के दौरान, इसरो ने अंतरिक्ष में स्थायी आवास बनाने के महत्व पर प्रकाश डाला, जो लंबी अवधि के मिशनों को सक्षम करेगा और अनुसंधान क्षमताओं को बढ़ाएगा। स्टेशन से मानव स्वास्थ्य पर सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण के प्रभावों को समझने और अन्य ग्रहों पर जीवन का समर्थन करने वाली तकनीकों को विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की उम्मीद है। इसके अतिरिक्त, भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन अंतरिक्ष पर्यटन और अंतरिक्ष संसाधनों के दोहन के लिए एक मंच के रूप में काम करेगा, जो अंतरिक्ष अन्वेषण के अधिक वाणिज्यिक अनुप्रयोगों की ओर एक महत्वपूर्ण बदलाव को भी चिह्नित करेगा। भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन के साथ, इसरो न केवल वैज्ञानिक ज्ञान को आगे बढ़ाने का लक्ष्य रखता है, बल्कि वैज्ञानिकों और खोजकर्ताओं की नई पीढ़ी को प्रेरित भी करना चाहता है।

कई राज्यों में स्वास्थ्यकर्मियों पर हिंसा के खिलाफ हैं कानून: अनुप्रिया पटेल

सौरभ शर्मा

नई दिल्ली, 29 नवंबर। केंद्र सरकार ने शुक्रवार को संसद को बताया है कि, कई राज्यों ने स्वास्थ्यकर्मियों के खिलाफ हिंसा से निपटने के लिए पहले ही कानून बना लिए हैं, जबकि गंभीर अपराधों को भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के तहत पर्याप्त रूप से कवर किया गया है, इसलिए स्वास्थ्यकर्मियों के खिलाफ अपराधों से निपटने के लिए अलग से केंद्रीय कानून की जरूरत नहीं है। लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में स्वास्थ्य राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने कहा कि संवैधानिक प्रावधानों के अनुसार, स्वास्थ्य और कानून और व्यवस्था राज्य के विषय हैं। अनुप्रिया पटेल ने कहा, इसलिए, स्वास्थ्य पेशेवरों के खिलाफ हिंसा को रोकने के लिए उचित कार्रवाई करने के लिए घटनाओं और संभावित परिस्थितियों पर ध्यान देना संबंधित राज्य या केंद्र शासित प्रदेश की प्राथमिक जिम्मेदारी है। बीएनएस और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) के प्रावधानों के तहत राज्यों की तरफ से इसे उचित तरीके से निपटाया जाना चाहिए, ताकि चिकित्सा पेशेवर हिंसा के डर के बिना अपने पेशेवर कार्यों का निर्वहन कर सकें। मंत्री ने बताया कि कई राज्यों ने पहले ही स्वास्थ्य पेशेवरों के खिलाफ हिंसा को संबोधित करने के लिए कानून बनाए हैं। अनुप्रिया पटेल ने कहा,

चूंकि राज्य कानूनों में दिन-प्रतिदिन के छोटे-मोटे अपराधों से निपटने के लिए पर्याप्त प्रावधान हैं और गंभीर अपराधों को बीएनएस, 2023 के तहत निपटाया जा सकता है, इसलिए स्वास्थ्य पेशेवरों के खिलाफ अपराधों से निपटने के लिए एक अलग केंद्रीय कानून की आवश्यकता नहीं है। हालांकि, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (एमओएचएफडब्ल्यू) ने सभी केंद्रीय सरकारी अस्पतालों और संस्थानों, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थानों और मेडिकल कॉलेजों को एक सलाह जारी की है कि वे सुनिश्चित करें कि चिकित्सा पेशेवरों पर हिंसा की घटना के छह घंटे के भीतर एफआईआर दर्ज की जाए। अनुप्रिया पटेल ने कहा कि स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने सभी राज्यों को चिकित्सा पेशेवरों की सुरक्षा बढ़ाने और उन्हें सुरक्षित कार्य वातावरण प्रदान करने के लिए तत्काल उपाय करने की सलाह दी है। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में एक प्रशिक्षु डॉक्टर के साथ कथित दुष्कर्म और हत्या का संज्ञान लेते हुए, सुप्रीम कोर्ट ने चिकित्सा पेशेवरों की सुरक्षा, काम करने की स्थिति और कल्याण और अन्य संबंधित मामलों से संबंधित चिंता के मुद्दों को दूर करने के लिए प्रभावी सिफारिशें तैयार करने के लिए एक राष्ट्रीय टास्क फोर्स (एनटीएफ) का गठन किया है। इस पर अनुप्रिया पटेल ने कहा कि एनटीएफ ने पहले ही अपनी रिपोर्ट शीर्ष अदालत को सौंप दी है।

भारत ने फिर उठाया बांग्लादेशी हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों का मुद्दा: रणधीर जायसवाल

तेजिन्दर कौर बब्बर

नई दिल्ली, 29 नवंबर। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने शुक्रवार को कहा कि भारत बांग्लादेश सरकार के सामने लगातार मजबूती से यह मुद्दा उठा रहा है कि वहां के हिंदू और अन्य अल्पसंख्यकों को धमकियों और लक्षित हमलों का सामना करना पड़ रहा है। मंत्रालय ने कहा कि बांग्लादेश की अंतरिम सरकार को अपने सभी अल्पसंख्यकों की सुरक्षा की जिम्मेदारी निभानी चाहिए। मंत्रालय ने कहा, हम बांग्लादेश में कट्टरपंथी भाषा के बढ़ते इस्तेमाल, हिंसा की बढ़ती घटनाओं और उकसावे के मामलों पर चिंता व्यक्त करते हैं। इन घटनाओं को सिर्फ यह नहीं माना जा सकता कि मीडिया बढ़ा-चढ़ाकर बता रहा है। मंत्रालय ने बांग्लादेश सरकार से फिर अपील की कि वह अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी जरूरी कदम उठाए। बांग्लादेश में प्रमुख हिंदू चेहरे चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी पर मंत्रालय ने कहा, जहां तक व्यक्तियों के खिलाफ मामलों का सवाल है, हम जानते हैं कि कानूनी प्रक्रियाएं जारी हैं। हम उम्मीद करते हैं कि यह प्रक्रियाएं मामले को न्यायसंगत, निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके निपटाएंगी और सभी आरोपियों के कानूनी अधिकारों का पूरा सम्मान सुनिश्चित करेंगी।

बांग्लादेश सम्मिलित सनातनी जागरण जोत संगठन के प्रवक्ता चिन्मय कृष्ण दास को सोमवार को ढाका के हजरत शाहजलाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से गिरफ्तार किया गया था और उन पर देशद्रोह का आरोप लगाया गया। मंगलवार को चटगांव की एक अदालत ने उन्हें जमानत देने से इनकार किया और जेल भेज दिया। दास समर्थकों और सुरक्षाकर्मियों के बीच झड़प में एक वकील की मौत हुई। चिन्मय बांग्लादेश में पहले अंतरराष्ट्रीय कृष्ण चेतना सोसायटी (इस्कॉन) के प्रवक्ता रह चुके हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, भारत से बांग्लादेश को वस्तुओं की आपूर्ति बिना रुकावट के जारी है और दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार लगातार जारी है। भारतीय क्रिकेट टीम के पाकिस्तान दौरे के बारे में पूछे जाने पर जायसवाल ने कहा, बीसीसीआई ने एक बयान जारी किया है, जिसमें कहा गया है कि वहां सुरक्षा को लेकर चिंताएं हैं। इसलिए इसकी संभावना कम है कि भारतीय टीम वहां जाएगी। इससे पहले, बांग्लादेश के वित्तीय अधिकारियों ने एक आदेश के बाद इस्कॉन से जुड़े सत्रह लोगों के बैंक खातों पर एक महीने तक की रोक लगाई। इन लोगों से तीन कामकाजी दिनों के भीतर अपने लेन-देन की जानकारी संबंधित बैंकों को सौंपने को कहा गया है।

सांसदों, संसद को लेकर जनता चिंतित: ओम बिरला

नई दिल्ली, 29 नवंबर। संसद में अदाणी समूह से जुड़े आरोपों और संभल हिंसा समेत कई मुद्दों पर विपक्ष का हंगामा जारी है। इस वजह से शुक्रवार को लगातार चौथे दिन गतिरोध बना रहा। ऐसे में लोकसभा और राज्यसभा को एक-एक बार के स्थगन के बाद पूरे दिन के लिए स्थगित कर दिया गया। हंगामे के कारण दोनों ही सदनों में प्रश्नकाल और शून्यकाल नहीं चल पाए। सोमवार से शुरू हुए संसद के शीतकालीन सत्र के पहले ही दिन से अदाणी समूह से जुड़े आरोपों, संभल हिंसा, महंगाई और बेरोजगारी जैसे मुद्दों को लेकर विपक्ष सरकार पर दबाव बनाए हुए है। इस वजह से दोनों सदनों में गतिरोध कायम है। इस बीच राज्यसभा में विपक्षी सांसदों की लगातार नारेबाजी के बीच सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा कि इसकी सराहना नहीं की जा सकती। हम बहुत खराब मिसाल कायम कर रहे हैं। हमारे काम जनता-केंद्रित नहीं हैं। हम अप्रासंगिकता की ओर बढ़ रहे हैं। सदन की कार्यवाही सोमवार, 2 दिसंबर को सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित की जाती है। वहीं, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सदन में विपक्षी सदस्यों के हंगामे के बीच शुक्रवार को कहा कि देश की जनता सांसदों एवं संसद के बारे में चिंतित है तथा वह चाहती है कि सदन की कार्यवाही चले। उन्होंने यह टिप्पणी प्रश्नकाल के दौरान विपक्षी सदस्यों से सदन की बैठक चलने देने की अपील करते हुए की।

भारत फिर बना संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना आयोग का सदस्य, कमिशन में 6000 भारतीय सैनिक दे रहे सेवाएं

एजेंसी

न्यूयॉर्क. भारत को 2025-2026 के लिए संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना आयोग के सदस्य के रूप में फिर से चुना गया है। आयोग में भारत का वर्तमान कार्यकाल 31 दिसंबर को समाप्त हो रहा था। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन ने बृहस्पतिवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स पर एक पोस्ट में कहा, ''भारत को 2025-2026 के लिए संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना आयोग (PBC) के लिए फिर से चुना गया है। संस्थापक सदस्य और संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना में प्रमुख योगदानकर्ता के रूप में भारत वैश्विक शांति और स्थिरता की दिशा में काम करने के वास्ते PBC के साथ अपना जुड़ाव जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध है।

न्यूयॉर्कड्ड PBC में 31 सदस्य देश हैं जो संयुक्त राष्ट्र महासभा, सुरक्षा परिषद और आर्थिक एवं सामाजिक परिषद से चुने जाते हैं। संयुक्त राष्ट्र प्रणाली में शीर्ष वित्तीय योगदान देने वाले देश और शीर्ष सैन्य योगदान देने वाले देश भी इसके सदस्य हैं। भारत संयुक्त राष्ट्र शांति सेना में वर्दीधारी कर्मियों के रूप में सबसे बड़े योगदानकर्ताओं में से एक है। संयुक्त राष्ट्र के अभियानों के तहत वर्तमान में भारत के लगभग 6,000 सैन्य और पुलिसकर्मी अबेई, मध्य अफ्रीकी गणराज्य, साइप्रस, कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य, लेबनान, पश्चिम एशिया, सोमालिया, दक्षिण सूडान और पश्चिमी सहारा में तैनात हैं।

मैक्रों ने पहली बार कबूला- 1944 में फ्रांसीसी सैनिकों ने अफ्रीकी सैनिकों का किया नरसंहार

एजेंसी

दुनिया. फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने बृहस्पतिवार को सेनेगल के प्राधिकारियों को लिखे एक पत्र में पहली बार माना है कि 1944 में फ्रांसीसी सेना द्वारा पश्चिम अफ्रीकी सैनिकों की हत्या नरसंहार थी। मैक्रों का यह बयान सेनेगल की राजधानी डकार के बाहरी इलाके में स्थित मछुआरों के गांव थियारोये में द्वितीय विश्व युद्ध में हुई हत्याओं की 80वीं बरसी की पूर्व संध्या पर आया है। फ्रांस के 1940 में हुए युद्ध के दौरान फ्रांसीसी सेना की तरफ से लड़ने वाले पश्चिम अफ्रीका के 35 से 400 सैनिकों को फ्रांसीसी सैनिकों ने ही एक दिसंबर 1944 को मार डाला था।फ्रांस के लोगों ने इसे अवैतनिक वेतन के मुद्दे पर हुआ विद्रोह बताया था। पश्चिमी अफ्रीका के लोग तिरालेउर्स सेनेगलैस नाम की एक इकाई के सदस्य थे, जो फ्रांसीसी सेना में औपनिवेशिक पैदल सेना की एक टुकड़ी थी। इतिहासकारों के अनुसार, नरसंहार से कुछ दिन पहले भुगतान न किए गए वेतन को लेकर विवाद था, लेकिन एक दिसंबर को फ्रांसीसी सैनिकों ने पश्चिम अफ्रीकी सैनिकों को घेर लिया और गोली मारकर उनकी हत्या कर दी।

कनाडा के सख्त वीजा नियमों के बीच न्यूज़ीलैंड ने खोले खुले दिल से द्वार, भारतीय छात्रों के लिए खास ऑफर

एजेंसी

दुनिया. जहां कनाडा और ऑस्ट्रेलिया ने अपने पोस्ट-स्टडी वर्क वीजा (PSWV) नियम सख्त कर दिए हैं, वहीं न्यूज़ीलैंड ने अंतर्राष्ट्रीय छात्रों को लुभाने के लिए अपने नियम आसान कर दिए हैं। अब छात्रों को वीजा पाने के लिए मास्टर डिग्री पूरी करने की जरूरत नहीं होगी। सस्ती पढ़ाई, कम रहने का खर्च और सरल वीजा प्रक्रिया के कारण न्यूज़ीलैंड अब अंतरराष्ट्रीय छात्रों के लिए एक लोकप्रिय विकल्प बनता जा रहा है।

न्यूज़ीलैंड वीजा के लिए नए नियम

पहले, पोस्टग्रेजुएट डिप्लोमा (30 सप्ताह का कोर्स) करने वाले छात्रों को वर्क वीजा के लिए मास्टर डिग्री पूरी करनी पड़ती थी।

अब छात्र अपने पोस्टग्रेजुएट डिप्लोमा के आधार पर ही PSWV के लिए आवेदन कर सकते हैं। इससे शिक्षा से नौकरी तक जाने का सफर आसान हो गया है। छात्रों को रोजगार और स्थायी निवास (रेजिडेंसी) के लिए अतिरिक्त शर्तें पूरी नहीं करनी पड़ेंगी।

भारत के छात्रों के लिए खास फायदा

- न्यूज़ीलैंड के पीएचडी प्रोग्राम्स की फीस 7,000-8,500 सालाना।
- रहने का खर्च 18,000-27,000 सालाना।
- 2023 में न्यूज़ीलैंड में 69,000 अंतरराष्ट्रीय छात्रों ने दाखिला लिया, जिसमें 11त्न भारतीय छात्र थे।
- न्यूज़ीलैंड के इन नए नियमों से भारतीय छात्रों को पढ़ाई के साथ-साथ रोजगार पाने का आसान मौका मिलेगा।

क्यों कम हो रहा है कनाडा का आकर्षण?

कनाडा में 2021 से छात्रों के दाखिले में 70त्न की गिरावट आई है। 2025 तक और कमी होने की उम्मीद है। सख्त नियमों और लंबी प्रक्रिया के कारण छात्र कनाडा की बजाय दूसरे विकल्पों की ओर देख रहे हैं।

भिजीत ज़वेरी (कैरियर मोसेक, फाउंडर) का कहना है कि न्यूज़ीलैंड के नए नियम छात्रों को स्थिरता और बेहतर अवसर देते हैं। यह देश अब शिक्षा और नौकरी के लिए एक बेहतर विकल्प बन गया है।

हिजबुल्लाह चीफ नसरल्लाह की दो महीने पहले हुई थी मौत, अब क्यों हो रहा अंतिम संस्कार?

एजेंसी

दुनिया.हिजबुल्लाह लीडर हसन नसरल्लाह और हाशिम सफीद्दीन दो महीने पहले इजराइली हमले में मारे गए थे. लेकिन यह समूह अब जाकर इन दोनों नेताओं के अंतिम संस्कार की तैयारी कर रहा है.लेबनान की राजधानी बेरूत में जमीन के नीचे बने हिजबुल्लाह हेडक्वार्टर पर इजराइल ने बंकर बस्टर बम से हमला किया, 27 सितंबर को हुए इस हमले में 3 दशक से हिजबुल्लाह की कमान संभाल रहे हसन नसरल्लाह की मौत हो गई.

2 महीने बाद होगा अंतिम संस्कार

वहीं इस हमले के करीब एक हफ्ते बाद इजराइल सेना एक और हमले में नसरल्लाह के उत्तराधिकारी माने जाने वाले हाशिम सफीद्दीन की भी मौत हो गई. इन दोनों लीडर्स की मौत के करीब 2 महीने बाद हिजबुल्लाह सार्वजनिक तौर पर उनके अंतिम संस्कार की तैयारी कर रहा है.

अंतिम संस्कार में क्यों हुई देरी?

दरअसल 23 सितंबर से इजराइल ने लेबनान में 'फुल-फ्लेज्ड वॉर' का ऐलान करते हुए भीषण हमले शुरू कर दिए थे. इसके कुछ दिनों बाद ही इजराइली सेना ने ग्राउंड ऑपरेशन की शुरुआत कर दी. इस दौरान इजराइली सेना लगातार बेरूत समेत दक्षिणी लेबनान पर जबरदस्त बमबारी कर रही थी. इसी के चलते हिजबुल्लाह लीडर नसरल्लाह और हाशिम सफीद्दीन का अंतिम संस्कार नहीं हो सका था.सूत्रों के मुताबिक उन्हें अस्थायी तौर पर किसी सीक्रेट जगह पर दफना दिया गया था,

क्योंकि हिजबुल्लाह को डर था कि अगर सार्वजनिक तौर पर अंतिम यात्रा निकाली गई तो इजराइली सेना उसे निशाना बना सकती है.उस दौरान हिजबुल्लाह सूत्रों ने कहा था कि जब मुल्क के हालात थोड़े ठीक होंगे तब संगठन के इन वरिष्ठ लीडर्स का सार्वजनिक तौर पर अंतिम संस्कार किया जाएगा. अब जबकि लेबनान में युद्धविराम का ऐलान हो गया है, ऐसे में हिजबुल्लाह ने हसन नसरल्लाह और उनके उत्तराधिकारी माने जाने वाले हाशिम सफीद्दीन के अंतिम संस्कार की तैयारी शुरू कर दी गई है.

हिजबुल्लाह ने किया जीत का दावा

हिजबुल्लाह के राजनीतिक परिषद के डिप्टी चीफ महमूद कमाती ने बताया है कि नसरल्लाह और सफीद्दीन के अंतिम संस्कार की तैयारियां चल रही हैं. बेरूत आधारित अल-मयदीन न्यूज नेटवर्क की रिपोर्ट के मुताबिक, कमाती ने ज़ोर देकर कहा है कि लेबनान के हिजबुल्लाह रेजिस्टेंस मूवमेंट ने न केवल लेबनान से बल्कि पूरे पश्चिमी एशिया से यहूदी शासन के आक्रमण को नाकाम करने में सफलता हासिल की है.

16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर बैन, ऑस्ट्रेलिया में पास हुआ कानून

एजेंसी

दुनिया. प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानी के नेतृत्व वाली ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने एक ऐतिहासिक कानून पारित किया है. इसमें सोशल मीडिया यूजर्स की न्यूनतम आयु 16 वर्ष निर्धारित करदी गई है. यह कानून बुधवार को ऑस्ट्रेलियाई संसद के निचले सदन में पारित किया गया था, और गुरुवार को सीनेट ने द्विदलीय समर्थन के साथ विधेयक पारित किया.ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानी और संचार मंत्री मिशेल रोलैंड ने बताया कि यह निर्णय युवा लोगों, माता-पिता और देखभाल करने वालों, शिक्षाविदों और बाल विकास विशेषज्ञों के साथ-साथ समुदाय, उद्योग और नागरिक संगठनों के साथ व्यापक परामर्श के बाद लिया गया है.

अलग-अलग क्षेत्र के लोगों से ली गई सलाह

संचार मंत्री मिशेल रोलैंड ने कहा था, न्यूनतम आयु 16 वर्ष निर्धारित करने का हमारा निर्णय विशेषज्ञों, माता-पिता और युवा लोगों के साथ व्यापक परामर्श पर आधारित है. यह विकास के एक महत्वपूर्ण दौर में युवाओं द्वारा अनुभव किए जाने वाले नुकसान को कम करने के बीच संतुलन बनाता है.

32 मिलियन डॉलर का जुर्माना

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पीएम अल्बानीज ने कानून के बारे में बोलते हुए कहा कि यह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर 16 वर्ष से कम उम्र के किसी भी व्यक्ति को अकाउंट बनाने से रोकने के लिए उचित कदम उठाने की ज़िम्मेदारी डालता है. आयु संबंधी आवश्यकताओं को लागू करने में व्यवस्थित विफलताओं के लिए निगमों पर 49.5 मिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (लगभग 32 मिलियन) तक का जुर्माना.

रूसी हमलों से अंधेरे में डूबा यूक्रेन; पुतिन ने कहा- अब हाइपरसोनिक मिसाइल अटैक करेंगे, जेलेंस्की ने पश्चिमी देशों से मांगी मदद

एजेंसी

दुनिया. रूस ने गुरुवार रात यूक्रेन पर अब तक के सबसे बड़े हमलों में से एक को अंजाम दिया, जिससे पूरा देश बिजली संकट में डूब गया। इन हमलों में रूस ने 91 मिसाइलें और 97 ड्रोन का इस्तेमाल किया। यूक्रेन की ऊर्जा संरचना को निशाना बनाकर किए गए इस हमले के बाद 10 लाख से अधिक लोग अंधेरे में रहने को मजबूर हो गए। रूस ने इस हमले को यूक्रेन द्वारा अमेरिकी ॠष्टरूस्र मिसाइलों के इस्तेमाल का जवाब बताया। ये बैलिस्टिक मिसाइलें लंबी दूरी तक हमला करने में सक्षम हैं और हाल ही में यूक्रेन ने इन्हें रूसी क्षेत्रों पर हमले के लिए इस्तेमाल किया था। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने इन हमलों को पश्चिमी हथियारों का खतरनाक उपयोग करार दिया और कहा कि रूस इसका कड़ा जवाब देगा। इस हमले से पहले, पुतिन ने कजाखस्तान की राजधानी अस्ताना में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि रूस यूक्रेन के निर्णय लेने वाले केंद्रों और कीव पर नई हाइपरसोनिक मिसाइलों का इस्तेमाल करने पर विचार कर सकता है। इस धमकी के कुछ घंटों बाद ही रूस ने यूक्रेन के ऊर्जा ग्रिड और ईंधन भंडारण केंद्रों पर हमला किया। रूसी हमलों में यूक्रेन की ऊर्जा प्रणाली को मुख्य रूप से निशाना बनाया गया। यूक्रेन के अधिकारियों ने बताया कि अधिकांश मिसाइलें और ड्रोन बिजली उत्पादन और वितरण केंद्रों को तबाह करने के लिए दागे.

'आ रहे हैं ट्रंप...' बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार के खिलाफ आया अमेरिका से बयान

एजेंसी

दुनिया. बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हो रहे अत्याचार को लेकर अमेरिका की ओर से बड़ा बयान सामने आया है, ट्रंप के धार्मिक सलाहकार रहे, स्ष्टद्धक्रस्न के पूर्व कमिश्नर जॉनी मूर ने कहा है कि मौजूदा अमेरिकी सरकार का बांग्लादेश पर ज्यादा ध्यान ही नहीं है.उन्होंने कहा कि भले ही बाइडेन प्रशासन बांग्लादेश के हालातों को नजरअंदाज़ कर रहा हो लेकिन मुख्य तथ्य ये है कि अमेरिका में सरकार बदलने जा रही है, और एक ऐसी सरकार होगी जिसकी बेजोड़ विदेश नीति होगी.

मूर ने कहा कि ट्रंप व्हाइट हाउस में वापसी कर रहे हैं और अमेरिकी मूल्यों से लबरेज उनकी टीम एक बेहतर भविष्य के लिए काम करेगी.

बांग्लादेश हिंसा पर अमेरिका का बड़ा बयान

दरअसल मूर से बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा के बीच अमेरिका के रुख के बारे में पूछा गया था? उनसे ये पूछा गया था कि ऐसी स्थिति में ट्रंप सरकार बाइडेन सरकार की तुलना में क्या अलग करेगी? इस पर उन्होंने कहा कि दुनिया में ऐसी कोई चुनौती नहीं है, जिसे सुलझाया नहीं जा सके.मूर ने कहा कि इस समय दुनियाभर में 50 से अधिक जंग चल रही हैं और मैं हैरान हूं कि मौजूदा अमेरिकी सरकार का बांग्लादेश पर ध्यान ही नहीं है. उन्होंने कहा कि मैं आपको यकीन दिलाता हूं कि ट्रंप के पहले कार्यकाल में धार्मिक स्वतंत्रता मानवाधिकारों में शीर्ष प्राथमिकता थी.

भारत, अमेरिका का ज़रूरी

सहयोगी- मूर

यह कई मायनों में हमारी विदेशी नीति का केंद्र थी. इस बार भी आपको ऐसा ही देखने को मिलेगा. ट्रंप की टीम भारत को एक ज़रूरी सहयोगी के तौर पर देखती है, लिहाजा आगामी ट्रंप सरकार में आपको अमेरिका और भारत के बीच ऐसा सहयोग देखने को मिलेगा, जो अभी तक नहीं देखने को मिला था.

बांग्लादेश में क्यों हो रहा विवाद?

बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार के तख्तापलट के बाद अल्पसंख्यकों खास तौर पर हिंदुओं के खिलाफ हिंसा हुई, इस मामले में हिंदू संगठन न्याय की मांग कर रहे थे. पिछले महीने 25 अक्टूबर को हिंदुओं के अधिकारों की रक्षा की मांग को लेकर चटगांव में एक रैली निकाली गई थी, चिन्मय दास समेत 19 लोगों पर आरोप है कि उन्होंने इस रैली के दौरान बांग्लादेश के राष्ट्रीय ध्वज का अपमान किया.

परमाणु शक्ति पर रूस की राह चला ईरान, E3 की मीटिंग से पहले बता दिए मंसूबे

दुनिया. ईरान के परमाणु प्रोग्राम को लेकर IAEA ने बोर्ड ऑफ गवर्नर्स की बैठक में निंदा प्रस्ताव पास किया था, इस प्रस्ताव के पास होने से पहले ही ईरान लगातार अपनी परमाणु नीति में बदलाव की चेतावनी दे रहा लेकिन ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी (E3) ने तेहरान की धमकियों को नज़रअंदाज़ कर दिया था.शुक्रवार को ईरान इन E3 देशों के साथ परमाणु प्रोग्राम को लेकर बातचीत करने जा रहा है, लेकिन इससे पहले विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने एक बार फिर तेहरान की चेतावनी को दोहराया है. अराघची ने कहा है कि अगर यूरोपीय देशों ने NSC में दोबारा ईरान पर प्रतिबंध लगाए तो वह अपनी परमाणु नीति में बदलाव कर सकता है.

'परमाणु नीति में बदलाव कर सकता है ईरान'

द गार्जियन की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान के विदेश मंत्री ने कहा है कि 'अगर यूरोपीय देश संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में ईरान पर फिर से प्रतिबंध लगाते हैं, तो ईरान के भीतर

परमाणु बहस परमाणु हथियार हासिल करने की संभावना की ओर बढ़ सकती है.'उन्होंने कहा कि, 'ईरान में और ज़्यादातर लोगों के बीच यही बहस चल रही है कि हमें इस नीति को बदलना चाहिए या नहीं, क्योंकि परमाणु सिद्धांत को लेकर अब तक अपनाई गई नीति असल में नाकाफी साबित हुई है.

E3 के साथ अहम बैठक से पहले चेतावनी

जिनेवा में 29 नवंबर को ईरान और तीन यूरोपीय शक्तियों के बीच होने वाली आगामी बैठक का ज़िक्र करते हुए, अराघची ने इसे अनिवार्य रूप से एक 'विचार-मंथन सत्र' कहा, जिसमें यह पता लगाने की कोशिश की जाएगी कि क्या मौजूदा गतिरोध से बाहर निकलने का कोई रास्ता निकाला जा सकता है.

कनाडा में भारतीय राजनयिकों की ऑडियो-वीडियो निगरानी, सरकार ने राज्यसभा में दी जानकारी

एजेंसी

दुनिया. कनाडा और भारत के रिश्ते लगातार बिगड़ते जा रहे हैं. वैंकुवर में भारतीय वाणिज्य दूतावास के अधिकारियों ने हाल ही में जानकारी देते हुए बताया कि कनाडा सरकार द्वारा उन्हें बताया गया था कि उनकी आडियो-वीडियो निगरानी की जा रही थी. उनकी निजी बातचीत को भी सुना जा रहा है. यह जानकारी गुरुवार को केंद्र सरकार द्वारा राज्यसभा में दी गई. भारत ने इस पर कड़ा विरोध जताया है, क्योंकि यह सभी कूटनीतिक प्रावधानों का उल्लंघन है.विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने राज्यसभा में एक लिखित जवाब में यह भी कहा, स्थिर द्विपक्षीय संबंधों के लिए एक-दूसरे की चिंताओं, क्षेत्रीय अखंडता और संप्रभुता का सम्मान आवश्यक है. भारत सरकार ने 2 नवंबर 2024 को इस मुद्दे पर नई दिल्ली में कनाडाई उच्चायोग के समक्ष कड़ा विरोध दर्ज कराया, क्योंकि ये कार्रवाई सभी राजनयिक प्रावधानों का घोर उल्लंघन थी.

क्या है भारत सरकार का स्टेंड?

विदेश राज्यमंत्री ने कहा कि टेक्नोलॉजी की बातों का हवाला देकर, कनाडाई सरकार इस तथ्य को जायज नहीं ठहरा सकती है, कि वह उत्पीड़न और धमकी में शामिल हैं. हमारे राजनयिक और कांसुलर कर्मी पहले से ही उग्रवाद और हिंसा के माहौल में काम कर रहे हैं.उन्होंने आगे कहा साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग में कहा था, कि कनाडा सरकार की तरफ से यह कदम कूटनीतिक मानकों के खिलाफ है और इससे स्थिति और बिगड़ती है. कनाडाई सरकार की यह कार्रवाई स्थिति को खराब करती है, और स्थापित राजनयिक मानदंडों और प्रथाओं के साथ गलत है.

हिंसक घटनाओं को रोकने की मांग

कनाडा में भारतीय राजनयिकों की सुरक्षा के सवाल पर राज्यमंत्री ने कहा, भारत सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए कनाडाई पक्ष के साथ लगातार जुड़ी हुई है, कि हमारे राजनयिक कर्मियों और संपत्तियों को हर समय पर्याप्त सुरक्षा प्रदान की जाए. भारत ने कनाडा से यह भी अनुरोध किया है कि वह भारतीय नेताओं और राजनयिकों के खिलाफ जारी धमकियों और हिंसक घटनाओं को रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाए.

राजनयिकों की सुरक्षा में असमर्थता जताई

गृह राज्य मंत्री ने कनाडा के साथ रिश्तों पर जानकारी देते हुए बताया कि कनाडा में भारतीय राजनयिकों और वाणिज्यिक संपत्तियों की सुरक्षा के मामले में कनाडा सरकार ने हाल ही में अपनी असमर्थता जताई है. इसके अलावा, कनाडा ने भारतीय राजनयिकों को वाणिज्य दूतावास और पासपोर्ट सेवाओं की आपूर्ति.

'हमारी मिसाइल जो खरीदेगा खुश हो जाएगा', पुतिन ने दी इस घातक हथियार की गारंटी

एजेंसी

दुनिया. रूस की ओरेशनिक मिसाइल की खूब चर्चा हो रही है. यह वही मिसाइल है जिसे 21 नवंबर को यूक्रेन के निप्रो पर पहली बार इस्तेमाल किया गया था. तब कहा गया था कि रूस ने इस जंग में पहली बार यूक्रेन पर इंटरकॉन्टिनेंटल मिसाइल दागी है जो परमाणु हमला करने में सक्षम है.हाल ही में पुतिन ने अपनी ओरेशनिक मिसाइल की तारीफ करते हुए साफ कर दिया है कि ओरेशनिक मास डिस्ट्रक्शन वाला हथियार नहीं है, बल्कि यह पश्चिमी देशों की मिसाइलों से हो रहे उस हमले का जवाब है जो रूसी क्षेत्र पर हो रहे हैं. पुतिन ने कजाकिस्तान में कलेक्टिव सिक्योरिटी ट्रीटी ऑर्गेनाइजेशन (CSTO) की बैठक के दौरान ओरेशनिक कई नई खूबियों का ज़िक्र किया जिनका अंदाजा किसी को नहीं था.

पुतिन ने की 'ओरेशनिक' की तारीफ

पुतिन ने कहा है कि दुनिया में ओरेशनिक का कोई मुकाबला नहीं है और मुझे भरोसा है कि आने वाले

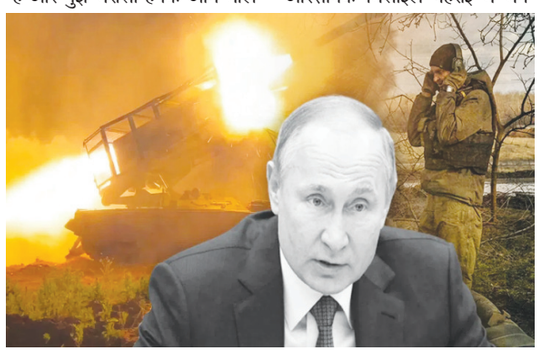

समय में भी कोई इसके आसपास नहीं होगा. ओरेशनिक से हुए धमाके की जगह पर हर चीज छोटे-छोटे टुकड़ों में बिखर जाएगी. उन्होंने बताया कि भले ही ओरेशनिक मास डिस्ट्रक्शन वाला हथियार नहीं है, लेकिन इसकी तुलना परमाणु हथियारों के इस्तेमाल से की जा सकती है. खास बात ये है कि ओरेशनिक मिसाइल गहराई में बने बेहद सुरक्षित ठिकाने को तबाह करने में सक्षम है.

सूर्य जैसी गर्मी पैदा कर सकती है ओरेशनिक

रूस की मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पुतिन का ये हथियार बेहद ताकतवर है और सूर्य जैसी गर्मी पैदा कर सकता है. ओरेशनिक के हमले से करीब 4000 डिग्री सेल्सियस का तापमान होगा, जो विस्फोट के केंद्र में आने वाली किसी भी इमारत को पूरी तरह से नष्ट कर सकता है.

ओरेशनिक में 6 वॉरहेड हैं और ध्वनि से 10 गुना तेज़ इसकी रफ्तार है.

पुतिन ने दुनिया में तबाही लाने वाली इस मिसाइल की खासियत बताते हुए कहा है कि इसे फिलहाल मौजूद किसी भी एयर डिफेंस सिस्टम से इंटरसेप्ट नहीं किया जा सकता.

पुतिन ने दी इस बात की गारंटी

पुतिन ने बताया कि रूस अपनी किंझल सुपरसोनिक मिसाइलों का भी प्रोडक्शन बढ़ा रहा है. उन्होंने दावा किया कि भविष्य में हमें ऐसी कई मिसाइलें देखने को मिलेंगी और रूस की ये मिसाइलें किसी भी 'कस्टमर' को निराश नहीं करेंगी.

लंदन में क्यों बंद होने जा रहा एक हजार साल पुराना फिश और मीट मार्केट?

एजेंसी

दुनिया.लंदन के दो प्रमुख फिश और मीट मार्केट आने वाले सालों में बंद होने जा रहे हैं. इसी के साथ 11वीं शताब्दी यानी मेडिवल समय की परंपराएं खत्म हो जाएंगी. जानकारी के मुताबिक यह दोनों बाज़ार शहर के केंद्र में 11वीं शताब्दी से किसी न किसी रूप में मौजूद हैं.राजधानी की गवर्निंग बॉडी सिटी ऑफ लंदन कॉर्पोरेशन ने बिलिंग्सगेट फिश और स्मिथफील्ड मीट मार्केट को संचालित करने की अपनी ज़िम्मेदारियों को खत्म करने के लिए संसद में एक विधेयक पेश करने वाली है.

महंगाई के कारण रिलोकेट नहीं करेगा कॉर्पोरेशन

दरअसल पहले इस फिश और मीट मार्केट को लंदन के ठीक पूर्व में डेगनहम में एक नई जगह पर स्थानांतरित करने की योजना बनाई जा रही थी लेकिन बाद में कॉरपोरेशन ने इन बाज़ारों को रिलोकेट नहीं करने का फैसला किया.रिपोर्ट्स के

मुताबिक, कॉर्पोरेशन ने बढ़ते खर्च के कारण इसे स्थानांनतरित करने से पीछे हटने का फैसला लिया क्योंकि हाल ही में महंगाई बढ़ी है और निर्माण लागत में भी वृद्धि देखने को मिल रही है.

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

US की पावर से छटपटा रहा चीन, अब बना दिया ये रहस्यमयी 'हथियार'

एजेंसी

दुनिया. अब चीन के उस प्लान का खुलासा हुआ है, जिसके जरिए राष्ट्रपति शी जिनपिंग और उनकी सेना अमेरिकी वर्चस्व को समाप्त करना चाहती है. चीन अपनी विस्तारवादी नीति के तहत समुद्र में हर फ्रंट पर अमेरिका को घेरना चाहता है. इसके लिए ड्रैगन तेजी से अपनी समुद्र शक्ति बढ़ा रहा है. चीन ने अब ऐसा रहस्यमयी एयरक्राफ्ट कैरियर बना लिया है, जो दुनिया में अपनी तरह का पहला एयरक्राफ्ट कैरियर है.अमेरिका की समुद्र शक्ति को चुनौती देने के लिए चीन छटपटा रहा है. अमेरिकी नौसेना को पीछे छोड़ने के लिए ड्रैगन पूरी ताकत लगा रहा है. जिनपिंग अमेरिकी वर्चस्व को समाप्त करने के लिए वो सब कुछ कर रहे हैं, जो उनके वश में है. अमेरिकी नेवी को टक्कर देने के लिए चीन अब नए प्लान पर काम कर रहा है. उसने रहस्यमयी एयरक्राफ्ट कैरियर बना लिया है.

चीन ने एयक्राफ्ट किस मकसद से बनाया?

चीन के प्लान का खुलासा एक तस्वीर से हुआ है. तस्वीर से पता चला है कि चीन खतरनाक एयरक्राफ्ट कैरियर बना रहा है. तस्वीर से साफ है कि एयरक्राफ्ट कैरियर की बनावट और आकार बहुत अलग है. ये चीन के दूसरे एयरक्राफ्ट करियर से बिल्कुल अलग है. चीन ने एयरक्राफ्ट कैरियर का निर्माण किस मकसद के लिए किया है, इसे अभी राज रखा है.

चीन ने रहस्यमयी सैटेलाइट भी अंतरिक्ष में भेजे

चीन के रहस्यमयी एयरक्राफ्ट कैरियर के बारे में अभी ज्यादा कुछ पता नहीं चल सका है, लेकिन रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि चीन जो कुछ कर रहा है वो अमेरिका को चुनौती देने के लिए कर रहा है. दरअसल-अमेरिका के मुकाबले चीन की समुद्र शक्ति कहीं नहीं ठहरती है. चीन अमेरिका के वर्चस्व को खत्म कर सुपरपावर बनना चाहता है. यही वजह है कि वो अपनी नौसेना की शक्ति को अमेरिकी नेवी से ज्यादा ताकतवर बनाना चाहता है. चीन यहीं नहीं रुका, उसने 2 रहस्यमयी सैटेलाइट भी अंतरिक्ष में भेज दिए हैं. इसी के साथ ही PLA की नौसेना व एयरफोर्स ने समुद्र और आसमान से हमले का अभ्यास कर रही है.

प्रेग्नेंट महिला को डिलीवरी के लिए मिली 6 महीने की जमानत, जानें क्या है पूरा मामला

नई दिल्ली। बॉम्बे हाईकोर्ट की नागपुर बेंच ने एक गर्भवती महिला को छह महीने की जमानत दी है. इस महिला को ड्रग्स मामले में गिरफ्तार किया गया था. अदालत ने कहा कि जेल के माहौल में बच्चे का जन्म होना न केवल मां बल्कि बच्चे के स्वास्थ्य और सम्मान को भी प्रभावित करेगा. जस्टिस उर्मिला जोशी-फाल्के की पीठ ने 27 नवंबर को सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया. इसके साथ ही उन्होंने कहा कि कैदियों को भी सम्मान का अधिकार है, और जेल में बच्चे का जन्म कई गंभीर प्रभाव डाल सकता है.

सुरभि सोनी, को अप्रैल 2024 में नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटांसेस (ह्ष्ठक्क्र) मामले में गिरफ्तार किया गया था. महाराष्ट्र की गोंदिया रेलवे सुरक्षा बल ने एक ट्रेन में छापेमारी के दौरान पांच लोगों से मादक पदार्थ जब्त किए थे, जिनमें सोनी भी शामिल थीं. इस पर अभियोजन पक्ष ने दावा किया कि आरोपियों के पास से 33 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ, जिसमें से सात किलोग्राम सोनी के सामान से मिला. हालांकि गिरफ्तारी के समय वह दो महीने की गर्भवती थी.

जेल के अस्पताल मेंडिलीवरी संभव

सोनी ने मानवीय आधार पर जमानत के लिए हाईकोर्ट का रुख किया, ताकि वह जेल के बाहर बच्चे को जन्म दे सके. हालांकि, अभियोजन पक्ष ने इसका विरोध करते हुए कहा कि आरोपी के पास से व्यावसायिक मात्रा में गांजा मिला है और जेल में उनकी डिलीवरी के लिए उचित व्यवस्था की जाएगी. हालांकि इसके बावजूद अदालत ने माना कि जेल में सरकारी अस्पताल में डिलीवरी संभव है, लेकिन इसे मानवीय दृष्टिकोण से देखना भी जरूरी है.

जांच पर क्या पड़ेगा असर?

अदालत ने कहा कि 'जेल में गर्भावस्था के दौरान बच्चे का जन्म न केवल मां बल्कि बच्चे पर भी प्रभाव डाल सकता है. हर व्यक्ति को सम्मान का अधिकार है, जिसमें कैदी भी शामिल हैं.' अदालत ने यह भी कहा कि मामले में आरोपियों के खिलाफ प्रथम दृष्टया सामग्री मौजूद है, लेकिन सोनी को जमानत देने से जांच पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा क्योंकि जांच पहले ही पूरी हो चुकी है और आरोप पत्र दाखिल किया जा चुका है.

हम चाहते हैं एनकाथ शिंदे डिप्टी सीएम बनें, उनका सरकार में रहना जरूरी: उदय सामंत

नई दिल्ली। महाराष्ट्र में सीएम पद को लेकर सियासी हलचल तेज है. इस बीच शिंदे गुट के विधायक उदय सामंत ने बड़ा बयान दिया है. महायुति में नाराजगी के सवाल पर उन्होंने कहा कि कोई नाराजगी नहीं है. एकनाथ शिंदे की तबीयत ठीक न होने के चलते वो अपने घर गए हैं. जरूरत पड़ेगी तो तुरंत वापस आ जाएंगे. कल सम्मानपूर्वक मीटिंग हुई है. 60 विधायकों ने मिलकर यह संदेश एनकाथ शिंदे को दिया है कि हम चाहते हैं वो डिप्टी सीएम बनें. इसका फैसला खुद एकनाथ शिंदे करेंगे.

विधायक उदय सामंत ने कहा कि एकनाथ शिंदे का सरकार में रहना जरूरी है. लाडली बहन योजना वो लेकर आए थे. इसलिए उनका सरकार में रहना जरूरी है. हमारी इच्छा है कि शिंदे सरकार का हिस्सा बने रहें. महायुति की आगे की रणनीति पर उन्होंने कहा कि एक बार फिर से देवेंद्र फडणवीस, एकनाथ शिंदे और अजित पवार की मीटिंग होगी

लॉरेंस बिश्नोई को जेल में BJP का संरक्षण है क्या?

नई दिल्ली। दिल्ली की कानून व्यवस्था के मुद्दे पर पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल शुक्रवार को विधानसभा में केंद्र सरकार पर जमकर हमला बोला. उन्होंने कहा किदिल्ली में बदहाल होती कानून-व्यवस्था पर गृह मंत्री अमित शाह चुप क्यों हैं. हम जो फिल्मों में देखते थे, वो आज दिल्ली में हो रहा है. खुलेआम गोलियां चल रही हैं. राजधानी में हुई वारदातों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि गुजरात की जेल में बंद लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने दहशत फैला रखी है. वो गुजरात की जेल में बंद है और वहां से धमकियां दे रहा है. ये कैसे हो रहा है, समझ नहीं आ रहा. अमित शाह कर क्या रहे हैं. इनसे दिल्ली संभल नहीं रही है. आज दिल्ली को गैंगस्टर्स कैपिटल के नाम से जाना जा रहा है. अरविंद केजरीवाल ने कहा, आज हर व्यापारी और महिलाएं डरी हुई हैं. व्यापारियों को धमकी देकर पैसे मांगे जा रहे हैं. व्यापारी दिल्ली छोड़कर बाहर जा रहे हैं. बच्चे बेरोजगार हो रहे हैं. बेरोजगार बच्चे गैंगस्टर्स के लिए काम करने पर मजबूर हैं. लॉरेंस बिश्नोई को साबरमती की जेल में क्या बीजेपी का संरक्षण मिला है? अमित शाह को जवाब देना होगा कि अपराधी इतना बेखौफ क्यों हैं. दिल्ली के पूर्व सीएम ने कहा, गृह मंत्री अमित शाह जीरो टॉलरेंस की बात करके बस दिखावा करते हैं. वो दिखावा करने के लिए अधिकारियों के साथ मीटिंग करते हैं. एनसीआरबी का डेटा कहता है कि पिछले एक साल में अपहरण की घटनाएं बढ़ी हैं. बिश्नोई, भाऊ जैसे दर्जनभर गैंग दिल्ली में सक्रिय हैं. सभी को पता है कि दिल्ली में क्या चल रहा है. बस अमित शाह को नहीं पता है कि क्या हो रहा है. उन्होंने कहा, गैंगस्टर खुलेआम दिल्ली पुलिस को चुनौती दे रहे हैं. दिल्ली की जनता किससे सुरक्षा मांगे. दिल्ली की जनता कहां जाए. आखिर दिल्ली में चल क्या रहा है. गैंगस्टर्स ने अपने इलाके बांट रखे हैं. अमित शाह से मैं कहना चाहता हूं कि जीरो टॉलरेंस के खोखले वादों से कुछ नहीं चलेगा.

हिंदू धर्म इतना नाजुक भी नहीं...त्योहार में हाथियों की परेड पर कोर्ट की बड़ी टिप्पणी

नई दिल्ली। केरल के कोच्चि में वृश्चिकोत्सवम 2025 उत्सव में हाथियों के परेड कराए जाने पर हाईकोर्ट ने सख्त टिप्पणी की है. कोर्ट ने कहा कि उत्सवों को दौरान हाथियों का परेड कराया जाना जरूरी है? बिना परेड के क्या धार्मिक प्रथाओं का अस्तित्व नहीं होगा या फिर वो खत्म हो जाएंगी? दरअसल, परेड के दौरान हाथियों के बीच 3 मीटर की दूरी के नियम को सरल करने के लिए हाईकोर्ट में कोचीन देवस्वोम बोर्ड की तरफ से अपील की गई थी. कोर्ट ने इस मामले में ढील देने से मना कर दिया है. केरल हाईकोर्ट ने इस मामले में मौखिक टिप्पणी की है. कोर्ट ने कहा कि हाथियों की परेड कराना एक जरूरी धार्मिक प्रक्रिया कैसे हो सकती है?

इस मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति ए के जयशंकरन नांबियार और गोपीनाथ की बेंच ने किया है. त्रिपुनिथुरा के पूर्णाथ्रयीसा मंदिर में वृश्चिकोत्सवम 2025 के लिए कोर्ट की तरफ से कुछ गाइड लाइन जारी की गई थी.

इसी गाइड लाइन में छूट की मांग की गई थी. कोर्ट की तरफ से जारी की गई गाइड लाइन में हाथियों के परेड के दौरान कम से कम 3 मीटर की दूरी रखने को कहा गया था. कोर्ट ने कहा कि हाथियों की सुरक्षा के लिए दिशा निर्देश जारी किए गए थे. हाथियों के कल्याण के लिए ये दिशा- निर्देश आवश्यक था.

केरल हाईकोर्ट ने हाथियों के परेड में दूरी कम करने को लेकर टिप्पणी की है. कोर्ट ने कहा कि हाथियों के परेड के दौरान कम से कम 3 मीटर की दूरी का होना आवश्यक है. न्यायमूर्ति ए के जयशंकरन नांबियार और गोपीनाथ की बेंच ने इस मामले में सुनवाई की है.

प्रूफ दें हाथियों के बिना नहीं होगी प्रथाएं पूरी

केरल हाईकोर्ट ने कहा कि इस मामले में देवस्वोम बोर्ड को यहा साबित करना होगा कि हाथियों के बिना धार्मिक प्रथाओं पर प्रभाव पड़ता है या फिर वो पूरी तरह से समाप्त हो जाती हैं. बिना इसे साबित किए हाथियों के परेड का आवश्यक धार्मिक प्रथा होने का कोई सवाल ही नहीं उठता.

इस मामले में हाथी विशेषज्ञ और वन्यजीव के विज्ञानी ने डॉ. पी.एस. ईसा ने ऑनलाइन माध्यमों के जरिए बताया है कि त्योहारों में हाथियों का इस्तेमाल या उन्हें बंदी बनाया जाना कथित तौर पर उन्हें तनाव से देता है और वो इससे काफी पीड़ित हैं.

इसी वजह से हाथियों में आक्रामकता का व्यवहार देखा जा सकता है. उन्होंने कहा कि हाथियों में आमतौर आक्रामकता तब देखी जा सकती है, जब कई जानवारों को एक-दूसरे के पास खड़े करने के लिए जबरदस्ती की जाती है. इस मामले में कोर्ट के दिशा-निर्देश में साफ किया गया है कि दो हाथियों के बीच पेट की दूरी में कम से कम 3 मीटर की दूरी बनाया रखना जरूरी है. ये वैज्ञानिक रूप भी जरूरी है. व्यवहारिक तौर पर भी हाथियों को इससे आसानी मिलती है.

राजस्थान सरकार को पटियाला हाउस कोर्ट ने दी बड़ी राहत, बीकानेर हाउस की कुर्की पर लगाई रोक

दिल्ली में स्थित बीकानेर हाउस को कुर्क करने के पिछले आदेश पर रोक लगाई है. कोर्ट ने नोखा नगर पालिका को कोर्ट में देय राशि स्रष्ठक्रके रूप में कोर्ट में जमा करने का निर्देश दिया है. मामले की अगली सुनवाई 7 जनवरी को होगी.

नई दिल्ली। दिल्ली में स्थित बीकानेर हाउस को कुर्क करने के आदेश के मामले में दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट से राजस्थान सरकार को बड़ी राहत मिली है. पटियाला हाउस कोर्ट ने बीकानेर हाउस को कुर्क करने के आदेश पर अंतरिम रोक लगा दी है. कोर्ट ने नोखा नगर पालिका को कोर्ट में देय राशि स्रष्ठक्र के रूप में कोर्ट में जमा करने का निर्देश दिया है. मामले की अगली सुनवाई 7 जनवरी को होगी.

कुर्की के आदेश के बाद राजस्थान सरकार ने बीकानेर हाउस को अटैच करने के आदेश पर अंतरिम रोक लगाने की मांग की थी. राजस्थान सरकार ने कहा कि नोखा नगर पालिका के पास बीकानेर हाउस का मालिकाना हक नहीं है, कोर्ट को गलत जानकारी दी गई थी. राजस्थान सरकार के पास बीकानेर हाउस का मलिकाना हक है. नोखा नगर पालिका ने देय राशि जमा करने के लिए एक हफ्ते का समय मांगा है. नोखा नगर पालिका ने कहा कि वह पूरी देय राशि चुकाने के लिए तैयार हैं. नोखा नगर पालिका ने कहा कि वह बैंक गारेंटी स्रष्ठक्र कोर्ट में जमा करने के लिए भी तैयार हैं.

आदेश के मुताबिक ऐतिहासिक और प्रशासनिक रूप से महत्वपूर्ण बीकानेर हाउस फिलहाल राज्य सरकार के नियंत्रण में ही रहेगा. इससे सरकारी कार्यों में कोई बाधा नहीं आएगी.

विवाद के बाद कोर्ट ने दिया था कुर्की का आदेश

दिल्ली में बीकानेर भवन का मालिकाना हक नोखा म्यूनिसिपल काउंसिल के पास है. नोखा नगर पालिका और एक कम्पनी इनवायरो इन्फ्रा इंजीनियर्स प्राइवेट लिमिटेड के बीच 50 लाख रुपए के एक विवाद में कोर्ट ने भवन को 21 नवंबर को कुर्क करने के आदेश दिए थे.

कुर्की के आदेश के बाद हरकत में आई थी सरकार

दिल्ली का बीकानेर हाउस करीब 7.5 एकड में फैला हुआ है, बीकानेर हाउस राजस्थान से जुड़ा है, क्योंकि यह पहले बीकानेर राज्य के महाराजा का निवास था, लेकिन अब यह अब राजस्थान सरकार की आधिकारिक इमारत है.

पिछले दिनों कोर्ट के कुर्की के आदेश के बाद राजस्थान सरकार हरकत में आई थी. बीकानेर हाउस में राजस्थान का आवासीय आयुक्त एवं मुख्यमंत्री कार्यालय सहित कई अन्य प्रमुख कार्यालय चल रहे हैं.

दिल्ली विधानसभा सत्र के पहले ही दिन हंगामा, बीजेपी ने किया वॉकआउट

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा का शीतकालीन सत्र शुक्रवार से शुरू हो गया है. सत्र के शुरू होते ही कुछ ही मिनटों बाद हंगामा देखने को मिला और बीजेपी के विधायकों ने सदन से वॉकआउट किया. बीजेपी ने इस बात पर विरोध जताया कि तीन दिन के सत्र में प्रश्नकाल नहीं रखा गया है. इसकी वजह ये है कि विधायक सरकार से सवाल न पूछ सकें. दिल्ली विधानसभा का ये मौजूदा कार्यकाल का आखिरी सत्र है. आम आदमी पार्टी सदन में अपनी सरकार की उपलब्धियां गिनाएगी.

सदन की कार्यवाही 3 दिसंबर तक चलेगी. आम आदमी पार्टी के विधायक कुलदीप ने 10 हजार बस मार्शलों की नियुक्ति को लेकर मुद्दा उठाया. वहीं, अरविंद केजरीवाल शाम 4 बजे दिल्ली विधानसभा में बोलेंगे.

नेता प्रतिपक्ष विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि अरविंद केजरीवाल के आदेश पर बस मार्शल को हटाया गया, वो बताए क्यों इनको हटाया, लगाया भी इन्होंने था और हटाया भी. इन्होंने हमारे प्रस्ताव को स्वीकार किया और पारित किया. हमने सीएम से समय लिया और वहां पर भीड़ इक्कठा कर ली गई है. बस मार्शल समझ रहे हैं कि उनके साथ गंदी राजनीति की जा रही है. सत्ता में यह लोग हैं और यह विपक्ष से कह रहे हैं, सीएम आतिशी का हम सम्मान करते हैं.

दलित विरोधी है AAP सरकार- बीजेपी

उन्होंने कहा कि सीएम ने बैठक में प्रस्ताव रखा और सीएम व एलजी वहां मौजूद थे. सीएम ने प्रस्ताव में कहा कि एक कमेटी बनाए जो इनकी नियुक्ति को लेकर चर्चा करेगी. यह दलित विरोधी सरकार है. बस मार्शल को रिजर्वेशन नहीं दिया गया. 24 अक्टूबर को स्त्र ने पत्र निकाला और कहा गया कि मैं बस मार्शल को पक्का करने के लिए तैयार हूं, इसकी प्रक्रिया शुरू हो. बस मार्शल बेरोजगार न रहें, इनको तब तक 4 महीने के लिए जॉब शुरू करें, प्रदूषण को लेकर इनकी नियुक्ति हो.

मोदी के मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने किस बात के लिए राहुल गांधी की तारीफ की?

नरेंद्र मोदी की सरकार में मंत्री राजस्थान के कद्दावर नेता गजेन्द्र सिंह शेखावत आज टीवी 9 भारतवर्ष के चर्चित पांच संपादकों से संवाद वाले कार्यक्रम में शामिल हुए. यहां उन्होंने राहुल गांधी, सचिन पायलट से लेकर प्रियंका गांधी तक पर खुलकर बात की.

नई दिल्ली। टीवी 9 भारतवर्ष के चर्चित कार्यक्रम 5 संपादकों के साथ संवाद और मुकाबले में आज नरेंद्र मोदी सरकार में पर्यटन और संस्कृति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत शामिल हुए. शेखावत ने यहां छात्र राजनीति के प्रसंग, एबीवीपी के शुरुआती दिन से लेकर सांसद और मंत्री बनने तक की बातें की. साथ ही, कुछ चौंकाने वाले जवाब भी दिए.

शेखावत ने ये भी बताया कि वह किस तरह राजस्थानी गानों से जोड़कर अपने लिए नारे बना देते थे. मसलन ङ्क आयो रे आयोजज्जू आयो की काफी चर्चा रही. बातचीत के बीच एक मौका ऐसा आया जब शेखावत ने मुक्त कंठ से विपक्ष के नेता और रायबरेली से सांसद राहुल गांधी की तारीफ की.

जब शेखावत ने राहुल गांधी की तारीफ की!

शेखावत को राहुल गांधी से जुड़े कुछ वीडियो दिखाए गए जिसमें वे अलग-अलग साहसिक खेलों में हिस्सा लेते दिखाई देते हैं. शेखावत से जब इस पर टिप्पणी की मांग हुई तो उन्होंने कहा ङ्क राहुल गांधी ने जिस तरह टाइक्वाडों, जूडो, डाइविंग, डीप सी डाइविंग के लिए वीडियो पोस्ट किए. वे

भारत में इस तरह के साहसिक खेलों के प्रति रूचि में बढ़ोतरी करते हैं और मैं इसके लिए उनकी प्रशंसा करता हूं.

प्रियंका गांधी के सांसद चुने जाने पर दी बधाई

इसी हफ्ते संसद के शीतकालीन सत्र में कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने एक सांसद के तौर पर शपथ ली. प्रियंका केरल के वायनाड में हुए उपचुनाव में चार लाख से भी ज्यादा वोटों के अंतर से सांसद चुनी गई हैं.

प्रियंका गांधी की राजनीति में इस नई सियासी पारी को शेखावत कैसे देखते हैं, इस सवाल के जवाब में उन्होंने गांधी को शुभकामना दी.

शेखावत ने कहा ङ्क कांग्रेस दोराहे पर खड़ी नजर आती है, खासकर संसद की बहसों में वो अनगाइडेड मिसाइल की तरह घूमती दिखाई देती है, ऐसे में मैं अपेक्षा करता हूं कि उनके आने का प्रभाव कुछ पड़ेगा.

सचिन पायलट को लोकप्रिय नेता कहा

रैपिड फायर राउंड में शेखावत से सवाल पूछा गया कि परिवारवादी नेता वैभव गहलोत हैं या पिर दुष्यंत सिंह? इस पर शेखावत ने कहा निश्चित तौर पर वैभव गहलोत परिवारवादी नेता हैं. एक लंबी यात्रा के बाद किसी को अगर कोई जिमेदारी मिलती है तो उसे परिवारवादी नेता के तौर पर नहीं देखना चाहिए. ऐसा कहते हुए उन्होंने दुष्यंत सिंह की तरफदारी की. वहीं, अशोक गहलोत की तुलना में उन्होंने सचिन पायलट को अधिक लोकप्रिय नेता बताया.

ED अधिकारी अंकित तिवारी को स्ष्ट से राहत, जमानत शर्त में छूट रहेगी बरकरार, जानें क्या है पूरा मामला

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारी अंकित तिवारी की जमानत राहत को बरकरार रखी है. कोर्ट ने अंकित तिवारी की जमानत शर्त में छूट बरकरार रखी. ईडी अधिकारी अंकित तिवारी पर तमिलनाडु में कथित रिश्वत लेने का आरोप है. इस मामले में अंकित तिवारी को पिछले साल दिसंबर में गिरफ्तार किया गया था.

वहीं, मद्रास हाईकोर्ट से जमानत याचिका खारिज होने के बाद ईडी अधिकारी ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था. अंकित तिवारी को इसी साल मार्च में सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिली थी. जिसमें कोर्ट ने अंकित तिवारी को जमानत शर्तों में छूट दी थी. अंकित को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए कोर्ट में पेश होने की इजाजत दी गई थी. वहीं, कोर्ट ने इसे बरकरार रखा है.

जमानत की शर्त में छूट के लिए SC का किया था रुख

ईडी अधिकारी अंकित तिवारी मध्य प्रदेश के रहने वाले हैं. ऐसे में कोर्ट ने उन्हें वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए तमिलनाडु कोर्ट में पेश होने की इजाजत दी. पिछली सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने अंकित तिवारी को तमिलनाडु से मध्य प्रदेश जाने की इजाजत दी थी. इससे पहले मार्च में सुप्रीम कोर्ट ने शर्त लगाई थी कि अंकित जमानत के वक्त तमिलनाडु से बाहर नहीं जाएंगे. वहीं, अंकित तिवारी ने जमानत की शर्त में छूट के लिए फिर से सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था. उसमें कोर्ट ने अंकित पर कई तरह की पाबंदियां लगाई थीं. मसलन, तिवारी पर केस से जुड़े किसी भी गवाह से संपर्क करने पर रोक लगा दी गई थी. साथ ही, बिना इजाजत के तमिलनाडु से बाहर जाने पर भी रोक लगा दी गई थी. इसके साथ अंकित को अपना पासपोर्ट जमा करने को कहा गया था.

NAME CHANGE
I, Manoj S/o-Mahavir parsad R/o House no-U-15 1st Floor,Budh Vihar, Phase -1, Budh vihar North West Delhi -110086 have changed my name from Manoj to Manoj kumar for all future purposes.

NAME CHANGE
I Arun Kumar, S/o Ram Singh Garg, R/o H No. B-1/197, Near Geeta Bhawan, Yamuna Vihar, North, East Delhi, Delhi - 110053 have changed my name to Arun Garg for all future purposes.

NAME CHANGE
I Fahila Khan Wife of Harendra Singh Khokhar R/o 22 Gali No-10 New Gobind Pura Krishna Nagar Gandhi Nagar East Delhi Delhi-12005 Have Change My Name from Fahila Khan to Alisha Khokhar for All Future Purposes.

NAME CHANGE
I, JAY GOPAL / JAI GOPAL SACHDEVA S/O MATWAL CHAND residing at H NO-6/200, GEETA COLONY, GANDHI NAGAR, DELHI-110031 have changed my name to JAI GOPAL for all future purpose.

NAME CHANGE
I, NEERU SACHDEVA W/O SUMIT MENDIRATTA residing at A-454, SECTOR-46, NOIDA, UTTAR PRADESH-201301 have changed my name to NEERU MENDIRATTA for all future purpose.

NAME CHANGE
I, MAMTA KUMARI MALANI W/O PARMA NAND MALANI residing at H NO-57, STATE BANK COLONY, G.T. KARNAL ROAD, DR. MUKHERJEE NAGAR, DELHI-110009 have changed my name to MAMTA MALANI for all future purpose.

NAME CHANGE
I, DAKSHITA SRIVASTAV D/O NITIN SRIVASTAVA residing at JA-51 F HARI NAGAR BEHIND SWARAG ASHRAM MANDIR NEW DELHI-110064 have changed my name to DAKSHITA SRIVASTAVA for all future purpose.

PUBLIC NOTICE
I, VIJAY KUMAR RAI S/O SHRI LAKH PUJAN RAI R/O RZ-84, PHASE-2, D-BLOCK, DURGA VIHAR. NAJAFGARH, DINDAR PUR, SOUTH WEST DELHI, DELHI-110043 declare that name of my minor Daughter has been wrongly written as GUNGUN in my minor Daughter SONAKSHI RAI, aged 10 years in her Aadhar Card bearing No. 4630 8177 6838. The actual name of my minor Daughter is SONAKSHI RAI

NAME CHANGE
I, P CHINNAPAPA Mother of No. 16116272F Rank-NK Name- ELAYARAJA C R/o VPO-NAGANATHI, TEH-VELLORE, DIST-VELLORE, (TAMILNADU)-632113 have changed my name from P CHINNAPAPA to CHINNAPAPPA for all future purposes. And in my son service record my date of birth wrongly mentioned is 01/07/1963 instead of 23/02/1958. Vide affidavit dated 29/11/2024 executed before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE
I, CHINNAPPAN NA Father of No. 16116272F Rank-NK Name- ELAYARAJA C R/o VPO-NAGANATHI, TEH-VELLORE, DIST-VELLORE, (TAMILNADU)-632113 have changed my name from CHINNAPPAN NA to CHINNAPPAN ARUNAGIRI for all future purposes. And in my son service record my date of birth wrongly mentioned is 01/07/1955 instead of 25/10/1954. Vide affidavit dated 29/11/2024 executed before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE
I, KAJAL is legally spouse of No. 2810735L Rank-SEP Name- SAWANT SHRIKANT MAHADEV R/O AT KOREGOAN, POST-TEMBHU, TEH-KARAD, DIST-SATARA, PIN- 415110, have changed my name from KAJAL to KAJAL SHRIKANT SAWANT for all future purposes. Vide affidavit No IN-DL93664787538650W dated 28.11.2024 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, No-2610979P Rank-HAV Name- UTTAM WAGRALKAR Father of SHRAVANI U W Residing at VILL-KANGARALI KH, PO-KANGARALI KH, TEH & DIST- BELAGAVI, KARNATAKA-590010 have changed my minor daughter's name from SHRAVANI U W to SHRAVANI UTTAM WAGRALKAR for all future purposes vide Affidavit dated 29/11/2024 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE
I hitherto known as RENU AHUJA alias SIMMI ARORA D/O RAM PARKASH AHUJA W/O JAGDISH ARORA R/O WZ-993, GURUDWARA ROAD, RANI BAGH, SARASWATI VIHAR, DELHI-110034 have changed my name and shall hereafter be known as SIMMI ARORA.

NAME CHANGE
I, BAIJNATH SHARMA Father of No 15786381M, Rank-NK, Name- MUKESH KUMAR residing at VPO-SARSI, TEH-PALIGANJ, DIST-PATNA, BIHAR-801110, have changed my name from BAIJNATH SHARMA to BAIJNATH SINGH for all future purposes vide Affidavit dated 29/11/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, RINTU KUMARI wife of No-15786381M, Rank-NK, Name- MUKESH KUMAR residing at VPO-SARSI, TEH-PALIGANJ, DIST-PATNA, BIHAR-801110, have changed my name from RINTU KUMARI to RINTU DEVI for all future purposes vide Affidavit dated 29/11/2024 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, PRACHI D/O VIRENDER KUMAR R/O JHUGGI NO-164, P-1, BLOCK SULTAN PURI, NORTH WEST DELHI-110086 declare that name of my father has been wrongly written as VIRENDER in my 10th and 12th class educational documents. The actual name of my father is VIRENDER KUMAR which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, KOMAL SHANKAR MUCHANDIKAR Wife of No-2610979P Rank-HAV Name- UTTAM WAGRALKAR Residing at VILL -KANGARALI KH, PO-KANGARALI KH, TEH & DIST- BELAGAVI, KARNATAKA-590010 have changed my name from KOMAL SHANKAR MUCHANDIKAR to KOMAL UTTAM WAGRALKAR for all future purposes and in my husband's service records my date of birth wrongly mentioned as 31/07/1989 instead of my correct date of birth as 31/07/1990 Vide Affidavit dated 29/11/2024 before Notary Public Delhi

NAME CHANGE
I, No-2610979P Rank-HAV Name- UTTAM WAGRALKAR Father of SANYUKTA Residing at VILL-KANGARALI KH, PO-KANGARALI KH, TEH & DIST- BELAGAVI, KARNATAKA-590010 have changed my minor daughter's name from SANYUKTA to SANYUKTA UTTAM WAGRALKAR for all future purposes and in my service records my minor daughter's date of birth wrongly mentioned as 26/07/2014 instead of her correct date of birth as 18/04/2014 vide Affidavit dated 29/11/2024 before Notary Public Delhi.

PUBLIC NOTICE
Information is given to general public at large that our client Sh. Pankaj Jain S/o Late Sh. Sudershan Kumar Jain is the owner of Freehold Commercial Portion of First Floor Bearing Pvt No. 107 and 108 Without Roof/Terrace Rights, having its area 390 sq. ft approx. Being Part of Built-up Property Bearing no. MPL no. 2861 to 2864, Situated at Wake Mohalla Shahgarj, Vill Muqabil, G.B. Road, Delhi. 110006. By Virtue of Relinquishment Deed Dated 29.08.2024 As Doc no. 2024/24/I/8891, Book no.1, Vol no. 21247, Pages- 171 to 190, SRO-Asaf Ali Road., now our client is declaring that that any other Person does not have any right over the said property, and same has been finance by ECL Finance Ltd. Branch: Pusa Road, New Delhi If any person is having objection right of claim against the said property, contact to undersigned along with supporting documents within 07 days from the date of publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained.
[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

NAME CHANGE
I, PRADIPA is legally spouse of No. 2809968A Rank-SEP Name- SAWANT SHEKHAR CHANDRAKANT R/O VILL-KALAMBIST, POST-KALAMBIST, TEH-SAWANTWADI, DIST-SINDHUDURG, PIN 416531,have changed my name from PRADIPA to PRADIPA SHEKHAR SAWANT for all future purposes. Vide affidavit No IN-DL93665991613683W dated 28.11.2024. before Public Notary Delhi.

PUBLIC NOTICE
Information is given to general public at large that our client Mr. Ajay Sharma S/o Mr. Virendra Kumar Sharma is the owner of Freehold Residential House no. 122, area measuring 100 Sq. Yds., i.e., 83.61 Sq. Meter, Situated at Mohalla Sarvodaya Nagar, in the Village Pilkhuwa, Pargana Dasna, Teshil Dhaulana & District Hapur Uttar Pradesh. By Virtue of Will dated 19.05.2016 duly registered in SR-Dhaulanna, as doc no. 135, vol no. 27, book no. 3, page no. 323-332, dated 19.05.2016. in the chain documents below mentioned documents not available i.e. Probate Order of Will dated 19.05.2016 now our client is declaring that that any other Person does not have any right over the said property, and same property sold too be Mr. Chetan Bhardwaj and same has been finance by Piramal Capital & Housing Finance Ltd. Branch: Rohini, Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained
[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

NAME CHANGE
I, Ranjana kumari W/o-Amar Nath Jha R/o Village khatuaha bahuar Patti po: khairi samastipur bihar -848117 have changed my name from Ranjana kumari to Ranjana Devi for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Anjali Rawat W/O Surender Singh Rawat R/O RZH-719,Gali No -14, Near Canadey Public School Rajnagar Part -2,Palam Delhi -110077, have changed the name of my minor daughter namely Divyanshi aged-07 years and she shall hereafter be known as Divyanshi Rawat

सार्वजनिक सूचना
सार्वजनिक को सूचित किया जाता है कि श्रीमती राजकुमारी पत्नी श्री राज कुमार (दुकान का नाम श्री दुर्गा क्लॉथ हाउस के नाम से जाना जाता था), मकान नंबर 479, क्षेत्रफल 84.09 वर्ग गज, खसरा नंबर 262-मि. और 263-मि., पुराना विजय नगर, मवाई गाँव, परगना लोनी, तहसील और जिला गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश में स्थित है की मालकिन है। श्रीमती रामरति, श्रीमती कांता, श्रीमती यशोदा और श्रीमती पुष्पा ने 13.05.1971 को श्री प्यारे लाल गिल से एक बिक्री विलेख के माध्यम से संपत्ति का सामूहिक रूप से क्रय किया था। इसके बाद, इन्होने संपत्ति का विभाजन एक विभाजन विलेख के माध्यम से किया। इसके बाद, श्रीमती रामरति और उनके पुत्र श्री राज कुमार ने 18.12.2008 को एक बिक्री विलेख के द्वारा संयुक्त रूप से स्वामित्व वाली संपत्ति को श्रीमती राजकुमारी पत्नी श्री राज कुमार को बेच दिया। इस संपत्ति का वित्तपोषण सम्मान फिनसर्व लिमिटेड (formerly known as इण्डियाबुल्स कमर्शियल क्रेडिट लिमिटेड) द्वारा किया जाएगा, शाखा गुड़गाँव, हरियाणा।यदि कोई व्यक्ति उपरोक्त संपत्ति के कब्जे में पाया जाता है या किसी प्रकार की आपत्ति है, तो कृपया इस नोटिस की तारीख से 07 दिन के भीतर मूल संपत्ति दस्तावेज के साथ नीचे दिए गए पते पर संपर्क करें। ऐसा न करने पर, उपरोक्त बिक्री पत्र के अनुसार दावा विषय संपत्ति के संबंध में शून्य और अमान्य माना जाएगा।
[ASHWANI KUMAR] Advocate
Chamber No. 122,
Tehsil Compound, Ghaziabad, U.P.

NAME CHANGE
I, PALLAVI is legally spouse of No. 2809556Y Rank-L/NK Name- SABLE ATUL SHIVAJI Rio A/P CHOROCHI, ??? KAVTHE MAHANKAL, DIST SANGLI, STATE - MAHARASHTRA, PIN-416403 have changed my name from PALLAVI to SABLE PALLAVI ATUL and my date of birth from 24/04/1998 to 24/04/1997 for all future purposes. Vide affidavit No IN-DL93669309346595W dated 28.11.2024. before Public Notary Delhi.

PUBLIC NOTICE
Information is given to general public at large that our client Mr. Sunil Kumar Singh & Mrs. Sumeta Singh are the owner of Freehold Residential Dwelling Unit No. 202 on Second Floor, area 550 Sq. Ft (Flat) Residential plot bearing no. 41-R, measuring 200 Sq. yds. situated in the residential colony know as New Colony, Gurugram, Within M.C. Area Gurugram, Tehsil Gurugram and Distt. Gurugram, Haryana. by Virtue of Sale deed dated 16.8.2024 as Doc No. 6188, book no.1, on 16.8.2024, SR-Gurugram, in the Chain Documents below mentioned not available with the seller i.e. death certificate of Late Raj Kaushalya & Probate order of WILL dated 24.02.1994 now our client is declaring that any other person does not have any right over the said property, and same property is Finance by Piramal Capital & Housing Finance Ltd. Branch: Shahdara, Delhi. If any person(s) has any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained
[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

पानीपत के पुरानी शुगर मिल के दो भाप इंजन बनेंगे ऐतिहासिक धरोहर

पानीपत. पानीपत की 18 हजार क्विंटल पेराई क्षमता की पुरानी शुगर मिल संयुक्त पंजाब के दौरान 1956 में चालू हुई थी और डाहर में 50 हजार पेराई क्षमता का नया मिल चालू होने पर अप्रैल, 2022 में इसको बंद कर दिया।

पुराना शुगर मिल लगातार 67 सालों तक गन्ने की पेराई करके बेशक अब बंद हो गया हो, लेकिन पानीपत के पुराने मिल में 350-350 हार्स पॉवर के लगे रेलवे वाले दो भाप इंजन अभी भी इतिहास संजोये हुए हैं।

हालांकि रेलवे में तो आधुनिकीरण के चलते पुराने भाप इंजनों के स्थान पर वर्षों पहले डीजल व इलेक्ट्रिक इंजनों ने जगह ले ली है, लेकिन पानीपत की पुरानी शुगर मिल में इन दो भाप इंजनों ने अप्रैल, 2022 तक लगातार 67 सालों तक अपनी सेवाएं दी हैं। शुगर मिल प्रबंधन अब इन दो भाप इंजनों को ऐतिहासिक धरोहर बनाकर युवा पीढ़ी के लिए एक यादगार बनाने जा रहा है।

इन दोनों भाप इंजनों पर अब पेंट आदि करवाकर नये डाहर शुगर मिल में एडमिनिस्ट्रेटिव व टेक्निकल ब्लाक के बाहर फाउंडेशन बनाकर रखा जाएगा।

बता दें कि पुराने शुगर मिल की सारी पुरानी मशीनरी व स्क्रेप बेची जा चुकी है, पर इन दोनों भाप इंजनों को पुराने शुगर मिल से लाकर अब नये डाहर शुगर मिल के ग्राउंड में रखा गया है।

हरियाणा के यमुनानगर, यूपी के पीलीभीत में ऐतिहासिक धरोहर के रूप में रखे हैं भाप इंजन

पानीपत मिल के चीफ इंजीनियर राजकुमार ने बताया कि पहले एशिया के कुछ पुराने शुगर मिलों में भाप इंजनों का प्रयोग होता था। रेलवे के इंजन तो कोयले से स्टीम बनकर चलते थे, लेकिन शुगर मिल में गन्ने की खोई से बॉयलर में स्टीम बनती थी और उसी स्टीम से ये भाप इंजन चलते थे।

पानीपत के पुराने मिल में लगे ये दोनो भाप वाले इंजन स्कोडा कंपनी के हैं और वर्ष 1954-55 में इनको चैकोस्लोवाकिया से मंगवाया गया था। इन इंजनों से मिल के रोलर चलते थे और उनसे गन्ने की पेराई होती थी। हरियाणा के यमुनानगर व यूपी के पीलीभीत प्राइवेट मिलों में भी भाप इंजन होते थे, लेकिन इन इंजनों पर रखरखाव का खर्च बहुत ज्यादा होने पर उन मिलों ने तो बहुत पहले ही मोडिफिकेशन करवा लिया। हालांकि यमुनानगर व पीलीभीत मिलों में ऐसे ही भाप इंजनों को अब ऐतिहासिक धरोहर के रूप में संजो कर रखा गया है।

क्या कहते हैं शुगर मिल के एमडी

मिल के एमडी मनदीप कुमार ने बताया कि इन दोनों भाप इंजनों ने पानीपत के पुराने शुगर मिल में अप्रैल, 2022 तक लगातार 67 सालों तक अपनी सेवाएं दी हैं। ये दोनों स्टीम इंजन पुराने शुगर मिल की ऐतिहासिक धरोहर हैं। इन दोनों इंजनों को नयी डाहर शुगर मिल में एडमिनिस्ट्रेटिव व टेक्निकल ब्लाक के बाहर ऐतिहासिक धरोहर के रूप में स्थापित करेंगे ताकि युवा पीढ़ी इन इंजनों को देखकर याद रखें कि इन ऐतिहासिक धरोहर भाप इंजनों द्वारा भी कभी शुगर मिल में गन्ने की पेराई होती थी।

अग्रोहा मेडिकल कॉलेज में बनेगा कैंसर अस्पताल

हिसार. प्रदेश सरकार महाराजा अग्रसेन मेडिकल कॉलेज अग्रोहा को नए आयाम देने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने घोषणा की कि कॉलेज में कैंसर अस्पताल के निर्माण को तेज़ी से पूरा किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि अग्रोहा को राखीगढ़ी की तर्ज पर विकसित किया जाएगा, जिससे इसके ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व को वैश्विक स्तर पर प्रस्तुत किया जा सके।मुख्यमंत्री ने यह बातें कॉलेज के सावित्री जिंदल खेल परिसर और सीताराम जिंदल महिला छात्रावास के उद्घाटन समारोह में कहीं। उन्होंने कॉलेज के विकास के लिए 31 लाख रुपये का अनुदान देने की घोषणा करते हुए कॉलेज की मांगों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने का आश्वासन दिया। नायब सैनी ने कहा कि अब इमरजेंसी ड्यूटी वाले डॉक्टरों को सरकारी गाड़ी दी जाएगी। यह गाड़ी डॉक्टर को घर से अस्पताल लाएगी और फिर वापस घर भी छोड़ेगी।

अग्रोहा को ऐतिहासिक धरोहर बनाने की योजना - मुख्यमंत्री ने कहा कि अग्रोहा का इतिहास बहुत गौरवशाली है। इसे राखीगढ़ी की तर्ज पर विकसित करने के लिए जल्द खुदाई शुरू होगी। यह कदम न केवल इसके ऐतिहासिक महत्व को उजागर करेगा बल्कि क्षेत्र को पर्यटक स्थल के रूप में भी बढ़ावा देगा। नायब सैनी ने कहा कि हिसार एयरपोर्ट का काम अंतिम चरण में है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जल्द इसका उद्घाटन करेंगे। यह एयरपोर्ट क्षेत्र के व्यापार, पर्यटन और रोजगार के लिए एक महत्वपूर्ण कड़ी साबित होगा। इसके अलावा, हिसार में इंडस्ट्रियल कॉरिडोर बनने से औद्योगिक गतिविधियां तेज़ होंगी। कार्यक्रम में हिसार विधायक और कॉलेज की चेयरपर्सन सावित्री जिंदल ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा सरकार चिकित्सा क्षेत्र में ऐतिहासिक बदलाव ला रही है। उन्होंने इस मौके पर मुख्यमंत्री द्वारा दिए गए सहयोग की सराहना की। इस अवसर पर लोक निर्माण मंत्री रणवीर गंगवा, विधायक रणधीर पनिहार, पूर्व सांसद डीपी वत्स और अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे। कार्यक्रम का समापन कॉलेज के महासचिव पवन गर्ग द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ।

राजस्थान और पंजाब को भी होगा लाभ

कैंसर अस्पताल के निर्माण को प्राथमिकता देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह अस्पताल हरियाणा, राजस्थान और पंजाब के मरीजों को उच्च गुणवत्ता की स्वास्थ्य सुविधाएं देगा। उन्होंने अग्रोहा मेडिकल कॉलेज की सराहना करते हुए कहा कि यह स्वास्थ्य सेवाओं में राज्य का अग्रणी संस्थान बनकर उभरा है।

गाजे बाजे के साथ आई बारात, मगर दुल्हन की बहन से हुई दूल्हे की शादी, कहानी में गजब का ट्विस्ट

हरियाणा. हरियाणा के पानीपत में 28 नवंबर को एक घर में शादी की तैयारियां चल रही थीं. पिछले दिन रात को दुल्हन हाथों में मेहंदी लगाकर सो गई. लेकिन अगले दिन जब बारात आने वाली थी तो दुल्हन कहीं भाग गई.

माता-पिता उसे ढूंढने लगे. पता चला दुल्हन अपने ही ताऊ के बेटे संग भाग गई है. यह जानकर दुल्हन के माता-पिता के पैरों तले जमीन खिसक गई. उन्होंने दूल्हे के परिवार को पूरी बात बताई. साथ ही इसका समाधान भी निकाला. बारात तय समय पर आई और दूल्हे की शादी भी हुई, मगर किससे चलिए जानते हैं.

मतलौडा थाना क्षेत्र के गांव में एक परिवार रहता है. इस घर में रहने वाली एक बेटी की शादी 28 नवंबर को तय हुई. दुल्हन के पिता की मानें तो 27 नवंबर को मेहंदी की रस्म हुई. रात को दुल्हन मेहंदी लगाकर मां के साथ सो गई. सुबह तीन बजे मां

की नींद खुली तो बेटी बगल में ही सोई थी. फिर साढ़े चार बजे पिता हलवाई को सामान देने के लिए उठे. तब पाया कि बेटी घर में नहीं है.उन्होंने बेटी को ढूंढना शुरू किया. लेकिन वो कहीं नहीं मिली. तब तक पूरा परिवार भी जाग गया. सभी दुल्हन को ढूंढने में लग गए. लेकिन उसका कुछ भी अता-पता न चल सका. इसके बाद दुल्हन के पिता पड़ोस में रहने वाले अपने भाई के यहां गए. दुल्हन के पिता और उनके भाई के बीच में बोलचाल काफी समय से बंद है. दुल्हन के पिता ने बताया- मेरे भाई का बेटा हमारी बेटी पर गलत नीयत रखता था. इसलिए हमारी उन लोगों से बोलचाल बंद है. हमें पता चला कि वही हमारी बेटी को भगाकर ले गया है.

दुल्हन की रिश्तेदार से शादी

दुल्हन के पिता ने यह बात अपने होने वाले समधी को बताई. बारात तब तक निकल चुकी थी. फिर इसका एक समाधान निकाला गया. दुल्हन ने पिता ने अपने ही एक रिश्तेदार की बेटी से दूल्हे की शादी करवाने की बात कही. दोनों परिवार इस बात के लिए राजी हो गए. फिर तय समय पर बारात आई और दुल्हन की रिश्तेदार से दूल्हे की शादी करवाई गई. यह अनोखी शादी अब पूरे इलाके में चर्चा का विषय बनी हुई है.

भाभी और भतीजे के खिलाफ केस दर्ज

उधर, दुल्हन के पिता ने अपनी भाभी नन्ही और भतीजे दीपक पर बेटी भगाने का आरोप लगाकर शिकायत दर्ज करवाई है. पुलिस फिलहाल उनकी तलाश कर रही है. वहीं, दीपक की मां ने सारे आरोपों को गलत बताया है.

खेल विभाग करवा रहा आयोजन, मंत्री ने अफसरों को दिए तैयारियों के निर्देश

चंडीगढ़. खेल विभाग द्वारा कुरुक्षेत्र में 12 दिसंबर को 'हरियाणा केसरी' और 'हरियाणा कुमार' के चयन के लिए एक बड़ा दंगल आयोजित किया जाएगा। इस आयोजन के लिए तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। खेल मंत्री गौरव गौतम ने बृहस्पतिवार को चंडीगढ़ में विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक की। इस दौरान पूर्व स्पीकर ज्ञानचंद गुप्ता भी मौजूद रहे।

गौरव गौतम ने अधिकारियों को आयोजन को शानदार बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पहलवानों के ठहरने और खाने-पीने की व्यवस्था अच्छी होनी चाहिए। वे इस आयोजन की निगरानी करेंगे। खेल विभाग के अधिकारियों ने बताया कि प्रदेश में 1500 खेल नर्सरियां चल रही हैं, जहां खिलाड़ियों को अच्छा खुराक भत्ता मिल रहा है। मंत्री ने कहा कि हरियाणा के खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ओलंपिक, विश्व चैंपियनशिप, एशियन और कामनवेल्थ खेलों में पदक जीतकर प्रदेश का नाम रोशन कर रहे हैं। आगामी ओलंपिक में भी हरियाणा के खिलाड़ी देश के लिए अधिक पदक जीतने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। हरियाणा की खेल नीति देश में सर्वश्रेष्ठ है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी जिला और ब्लाक स्तर के खेल स्टेडियमों में खेल उपकरण समय पर भेजे जाएं ताकि खिलाड़ी अच्छे से अभ्यास कर सकें। साथ ही, स्टेडियमों की सफाई और मरम्मत का कार्य शीघ्र पूरा किया जाए। खेल मंत्री ने यह भी कहा कि खिलाड़ियों को उनके खुराक भत्ते और कैश अवार्ड समय पर मिलें।

प्रदूषण नियंत्रण के लिए डीपीआर को मंजूरी, सिटी बस सेवाओं के विस्तार पर चर्चा

गुरुग्राम. प्रदेश सरकार ने वायु प्रदूषण से निपटने के लिए वित्त पोषित 'हरियाणा स्वच्छ वायु परियोजना' के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) के प्रारूप को मंजूरी दे दी है। इसके बाद, जीएमडीए कार्यालय में हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (एचएसपीसीबी) के अध्यक्ष पी. राघवेंद्र राव की अध्यक्षता में एक बैठक आयोजित की गई, जिसमें गुरुग्राम और फरीदाबाद में सिटी बस सेवाओं को और मजबूत करने के उपायों पर चर्चा की गई।

इस परियोजना का उद्देश्य प्रदूषण से निपटना और राज्य में सतत विकास को बढ़ावा देना है। यह परियोजना विश्व बैंक द्वारा वित्त पोषित की जा रही है और इसके पहले चरण के लिए 3,600 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। गुरुग्राम और फरीदाबाद को प्राथमिक फोकस क्षेत्र के रूप में चुना गया है।

बैठक में जीएमडीए और एफएमडीए के अधिकारियों ने सिटी बस सेवाओं के विस्तार के लिए मौजूदा योजनाओं पर चर्चा की। जीएमडीए ने सेक्टर 48 में नया बस डिपो बनाने के अलावा 154 नए बस क्यू शेल्टर बनाने की योजना बनाई है। फरीदाबाद में भी 310 बस क्यू शेल्टर विकसित किए जाएंगे। ई-बसों के बेड़े को बढ़ाने के लिए जीएमडीए और एफएमडीए दोनों शहरों में 400 नई ई-बसों की खरीद की योजना बना रहे हैं। एचएसपीसीबी के अध्यक्ष ने कहा कि ई-बसों की चार्जिंग की सुविधा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक बिजली आपूर्ति की योजना बनानी चाहिए।

हिंदुस्तान कृषि प्रधान देश, दुनिया में सबसे ज्यादा उपजाऊ भूमि : श्याम सिंह

करनाल. कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री, मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी हरियाणा सरकार श्याम सिंह राणा ने महाराणा प्रताप उद्यान विश्वविद्यालय करनाल के प्रथम स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में बतौर मुख्य अतिथि बोलते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पानीपत में आयोजित कार्यक्रम में करीब 65 एकड़ में करीब 400 करोड़ रुपये की लागत बनने वाले एमएचयू के मेन कैंपस का शिलान्यास करेंगे, जो करनाल के लिए एक बड़ी सौगात होगी।

कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने महाराणा प्रताप उद्यान विश्वविद्यालय करनाल के कुलपति डॉ. सुरेश मल्होत्रा को एमएचयू के प्रथम स्थापना दिवस की बधाई देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कृषि में बागवानी के महत्व को भलीभांति जानते हैं। यही वजह है कि प्रधानमंत्री ने हरियाणा को देश की सातवीं बागवानी यूनिवर्सिटी उपहारस्वरूप दी हैं, जो किसानों के लिए वरदान साबित होगी। गेहूं और धान की परपरांगत खेती करने से किसानों को मुनाफा नहीं हो रहा है, साथ ही प्राकृतिक संसाधनों का अत्याधिक दोहन हो रहा है।

इसके चलते देश प्रदेश में पानी की गंभीर समस्या दिखाई देने लगी

है। इसके अलावा गेहूं और धान की खेती से मानव गंभीर बीमारियों की चपेट में आने लगा है। इसको देखते हुए दूर दृष्टिवेत्ता प्रधानमंत्री मोदी मोटे अनाजों की खेती करने के लिए किसानों को प्रोत्साहित कर रहे हैं ताकि लोग मोटे अनाजों से बने खाद्यान्नों का प्रयोग करें। कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि हिंदुस्तान कृषि प्रधान देश है और दुनिया में सबसे ज्यादा उपजाऊ भूमि है। उन्होंने बेरोजगारी की समस्या पर बोलते हुए कहा कि देश में कृषि क्षेत्र ही एक ऐसा क्षेत्र हैं, जो देश में बेरोजगारी की समस्या को जड़ से मिटा सकता है।

कृषि मंत्री ने कहा कि यूनिवर्सिटी के नाम की प्रपोजल स्वयं उन्होंने दी थी, जिस पर बागवानी विश्वविद्यालय का नाम वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप रखा गया। उन्हें उम्मीद है कि आने वाले दिनों में एमएचयू देश ही नहीं, पूरे विश्व में मॉडल यूनिवर्सिटी बनकर उभरेगा। एमएचयू के कुलपति डॉ. सुरेश मल्होत्रा ने कार्यक्रम में पहुंचने पर कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा, विशिष्ट अतिथि इंद्री विधायक रामकुमार कश्यप को स्मृति चिन्ह और शॉल ओढ़ाकर स्वागत किया। कृषि मंत्री ने विभिन्न विधाओं जैसे खेलकूद प्रतियोगिताओं आदि में यूनिवर्सिटी का नाम रोशन करने वाले विद्यार्थियों को प्रमाणपत्र और ट्राफी देकर सम्मानित किया।

जाट कॉलेज में विशेष व्याख्यान का आयोजन

रोहतक. भारतीय सेना में करिअर विषय पर जाट कॉलेज में बृहस्पतिवार को विशेष व्याख्यान के माध्यम से युवाओं को सेनाओं को ज्वाइन करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। सेना के हिसार कैंट द्वारा सप्त शक्ति स्टूडेंट आउटरीच कैंपेन के तहत मेजर रघुविंद्र सिंह शेखावत विद्यार्थियों से रूबरू हुए। मेजर शेखावत का कॉलेज प्राचार्या डॉ. शबनम राठी, डॉ. रामिंद्र हुड्डा और एनसीसी ऑफिसर लेफ्टिनेंट डॉ. विवेक दांगी ने स्वागत किया। मंच संचालन डॉ. जसमेर सिंह ने किया। इस कार्यक्रम में एनसीसी के कैडेट्स ने अह्म भागीदारी निभाते हुए सेनाओं में करिअर को लेकर सवाल भी पूछे। मेजर शेखावत ने कैडेट्स को समझाया कि मिलिट्री सेवाओं में प्रवेश के लिए कैसे तैयारी करें और कब और कौन सी परीक्षा देकर

सेनाओं में करिअर बना सकते हैं। उन्होंने बताया कि 12वीं के बाद विद्यार्थी एनडीए की परीक्षा की तैयारी करके सेना में अच्छे पदों पर जा सकते हैं। उन्होंने एसएसबी पर भी विस्तारपूर्वक जानकारी देते हुए विद्यार्थियों द्वारा पूछे गए सवालों के जवाब दिए। प्राचार्या डॉ. शबनम राठी ने मेजर शेखावत का धन्यवाद किया। एक्स सर्विस मेन लीग के प्रदेश प्रवक्ता कैप्टन जगबीर मलिक ने बताया कि सेना अनुशासन के साथ-साथ हमें जीने का तरीका भी सिखाती है। इस अवसर पर डॉ. रामिंद्र हुड्डा, डॉ. विवेक दांगी, दो जसमेर मलिक डॉ. उषा छिल्लर, डॉ. सुशीला डबास, कैप्टन जगबीर मलिक, हिसार कैंट से रिसालदार, वजीर सिंह सहित सभी एनएसएस व एनसीसी के वालिंटियर्स उपस्थित रहे।

राज्यसभा सीट के लिए भाजपा नेताओं ने दिल्ली में शुरू की लॉबिंग

चंडीगढ़. हरियाणा में राज्यसभा की एक सीट पर भाजपा के कई दिग्गज नेताओं की नजर है। कृष्ण लाल पंवार के इस्तीफे के बाद यह सीट रिक्त हुई है। इस सीट का कार्यकाल लगभग चार वर्षों का होगा। भाजपा ने पंवार को इसराना से विधानसभा चुनाव लड़वाया था, जिसमें वे विजयी रहे और अब नायब सरकार में विकास एवं पंचायत मंत्री हैं।

खाली सीट को भरने के लिए चुनाव आयोग ने उपचुनाव का कार्यक्रम घोषित कर दिया है। भाजपा के कई वरिष्ठ नेता राज्यसभा जाने के लिए लॉबिंग कर रहे हैं। पार्टी प्रदेशाध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली का नाम भी चर्चाओं में है। 2019 में बड़ौली ने राई हलके से विधानसभा चुनाव जीता था, लेकिन इस बार भाजपा ने उन्हें टिकट नहीं दिया और कृष्णा गहलोत को मैदान में उतारा। ऐसे में बड़ौली के समर्थक आशा व्यक्त कर रहे हैं कि पार्टी उन्हें राज्यसभा भेजने का निर्णय ले सकती है। बड़ौली संघ पृष्ठभूमि से हैं और ब्राह्मण कोटे से उन्हें राज्यसभा में भेजे जाने की संभावना है। पूर्व सांसद कुलदीप बिश्नोई भी राज्यसभा जाने की इच्छुक हैं।

उन्हें इस बार लोकसभा का टिकट नहीं दिया गया था, जबकि उनके बेटे भव्य बिश्नोई को आदमपुर से चुनाव लड़वाया गया था। हालांकि वे कांग्रेस के चंद्रप्रकाश से हार गए। अब कुलदीप बिश्नोई राज्यसभा के लिए सक्रिय हैं और बृहस्पतिवार को उन्होंने दिल्ली में पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा और केंद्रीय मंत्री अमित शाह और मनोहर लाल खट्टर सहित अन्य नेताओं से मुलाकात की।

इसके अलावा, करनाल से सांसद रहे संजय भाटिया और सिरसा से सांसद रही सुनीता दुग्गल भी राज्यसभा में अपनी जगह बनाने के लिए सक्रिय हैं।

रेवाड़ी के चार एसएचओ सस्पेंड, ज्वैलर से लूट के मामले में गिरी गाज

रेवाड़ी. बावल के ज्वैलरी शोरूम में पिस्तौल से गोली मारकर हुई लूट के मामले में लापरवाही बरतने पर चार थाना एसएचओ पर गाजी गिरी है। उन्हें पदों से निलंबित कर दिया गया है और इन चारों एसएचओ का मुख्यालय पुलिस लाइन रेवाड़ी कर दिया गया है। जिला पुलिस अधीक्षक गौरव राजपुरोहित ने इनके खिलाफ विभागीय जांच के आदेश भी दिये हैं। लूट के इस मामले की जांच का जिम्मा डीएसपी मुख्यालय को सौंप दिया गया है।

निलंबित किये गए थाना प्रभारियों में बावल थाना के प्रभारी लाजपत, सिटी थाना के सुरेन्द्र सिंह, मॉडल टाउन थाना के मुकेश चन्द व रोहड़ाई थाना प्रभारी भगवत प्रसाद शामिल हैं। इन सभी प्रभारियों को निलंबित करने से पूर्व जिला पुलिस अधीक्षक गौरव राजपुरोहित ने कारण बताओ नोटिस जारी किये थे। लेकिन रोहड़ाई थाना के प्रभारी भगवत प्रसाद के अलावा बाकी तीनों थाना प्रभारियों ने कारण बताओ नोटिस का जवाब देना भी उचित नहीं समझा। भगवत प्रसाद द्वारा दिया गया जवाब भी संतोषजनक नहीं पाया गया।

बता दें कि 11 नवम्बर को बावल के कोमल ज्वैलर्स नामक शोरूम में बाइकों पर सवार होकर आये बदमाशों दिनदहाड़े लूटपाट की वारदात को अंजाम

दिया था। बदमाशों ने शोरूम मालिक प्रीतम सोनी को डराया धमकाया और उनके बेटे हितेन्द्र सोनी को गोली मारकर घायल कर दिया था। बदमाश शोरूम से अपने साथ 5 लाख रुपये के आभूषण व 30 हजार रुपये की नगदी ने ले गए थे। इस लूट से व्यापारियों व ज्वैलर्स में भारी रोष व दहशत छा गई। बदमाशों को पकडने् का पुलिस पर दबाव लगातार बढ़ता जा रहा था। वारदात को सीसीटीवी फुटेज भी पुलिस को उपलब्ध करा दिया था। जिला पुलिस अधीक्षक राजपुरोहित ने बदमाशों को पकडने् के लिए पुलिस की 5 टीमें गठित की थी। भारी भागदौड़ के बाद तीन दिन पूर्व दो बदमाश पुलिस के हत्थे चढ़ गये थे। इनकी पहचान गुरुग्राम हाजीपुर के वेदपाल उर्फ छोटू व रोहतक सूर्य नगर के सचिन के रूप में हुई है। इन्हें रिमांड पर लेकर कड़ी पूछताछ की जा रही है। इस वारदात में कुल चार बदमाश शामिल थे। शेष दो की तलाश की जा रही है। शोरूम लूट को अंजाम देकर जब बदमाश फरार हुए तो ये जिला के चार थाना क्षेत्रों से गुजरे और पुलिस को चकमा देकर निकल गए। आरोप है कि लूट होते ही विभाग द्वारा सभी थानों के लिए वीटी फ्लैश कर दी गई थी। यानि सभी थाना क्षेत्रों को सूचना दे दी गई थी। इसके बाद भी उक्त चार थाना प्रभारियों ने लापरवाही बरती और अपने-अपने थाना क्षेत्र में नाकेबंदी नहीं की। जिसके चलते बदमाश रेवाड़ी से फरार हो गए। वारदात का मास्टरमाइंड वेदपाल है और उसे हत्या के मामले में उम्रकैद की सजा हो चुकी है। वह पैरोल पर आकर फरार चल रहा था।

होडल नगर परिषद में शामिल होने के 10 साल बाद भी सुविधाओं को तरसा गांव गढ़ी

होडल. नगर परिषद होडल में शामिल किए गए गढ़ी गांव को दस साल बाद भी नगर परिषद द्वारा परिसीमन कर न जोड़े जाने के कारण नागरिकों को विकास कार्यों के लिए परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उल्लेखनीय है कि गढ़ी गांव में पहले ग्राम पंचायत थी। नगर पालिका होडल को नगर परिषद बनाने पर 2014 में गढ़ी गांव की पंचायत को समाप्त कर इसे होडल नगर परिषद में शामिल किया गया था। गांव में अंतिम सरपंच के रूप में मास्टर मनोहर लाल की पत्नी मूर्ति देवी ने अपना कार्य किया था।

नगर परिषद में शामिल होने के बाद इस गांव के नागरिकों को दो पार्षदों को नगर परिषद के लिए चुनने के लिए मतदान का अधिकार तो मिल गया है, लेकिन नगर परिषद परिसीमन को इस गांव को शामिल कर मंजूरी के लिए सरकार को नहीं भेजा गया है। होडल नगर परिषद में शामिल होने के बाद जहां गढ़ी गांव में विकास कार्यों को पंख लगने चाहिए थे, लेकिन परिसीमन न होने के कारण गांव में विकास कार्य नहीं हो पा रहे हैं। ग्रामीणों को बिजली भी अभी तक ग्रामीण फीडर से ही मिल रही है। ग्रामीणों को राजनेताओं व अधिकारियों द्वारा शहरी फीडर से जोड़ने की अनेकों बार घोषणा की गई है। गांव में बिजली की लाइन को भी बिछा दिया गया है लेकिन अभी तक ग्रामीणों को शहरी फीडर से नहीं जोड़ा गया है।

दो पार्षदों व नगर परिषद उप प्रधान मनीषा के नगर परिषद में चुनने के बाद भी गांव में विकास के नाम पर एक भी ईंट नहीं लग पाई है। गांव में खेल स्टेडियम अधूरा पड़ा है। गांव के मेन मार्गों का कार्य भी नहीं हो पा रहा है।

गांव में पीने के पानी की पाइप लाइन जगह-जगह से टूट जाने के कारण गांव के हरिजन मोहल्ले, बबुआ मोहल्ले में गंदा पानी आने के कारण नागरिकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

बीमा कंपनी अधिकारी बताकर लाखों की ठगी के मामले में छह गिरफ्तार

रोहतक. पुलिस ने बीमा कम्पनी का अधिकारी बताकर एक युवक से लाखों रुपये की ठगी में शामिल छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। साइबर थाना प्रभारी महेश कुमार ने बताया कि गांव टिटौली निवासी अनिल ने शिकायत दर्ज कराई थी कि उसने पीएनबी बैंक के माध्यम से मैटलाइफ की दो बीमा पॉलिसी करवा रखी हैं। पॉलिसी पूरी होने पर 2026 मे उसे पूरे रुपये मिलने थे। इसी बीच आनंद नाम के युवक का उसके पास फोन आया जिसने स्वयं को लोकपाल बीमा कार्यालय का कर्मचारी बताते हुए अनिल को कहा कि उनकी कम्पनी मैटलाइफ कम्पनी से ऊपर है। युवक ने अनिल को पॉलिसी आईडी बताई। आनंद ने अनिल को बताया कि उसकी बीमा पॉलिसी में पॉलिसी एजेंट ने अपनी आईडी लगाई हुई है जिस कारण उसे 2026 में बीमा पॉलिसी की कोई राशि नही मिलेगी। युवक ने अनिल को आईडी बदलवाने बारे कहकर अनिल से सारे डॉक्यूमेंट व्हाटसअप के जरिये मंगवा लिये। इस दौरान अनिल से फीस के नाम एक लाख 49 हजार रूपये भी खाते में ट्रांसफर करवा लिए।

पीड़ित ने बताया कि इसके

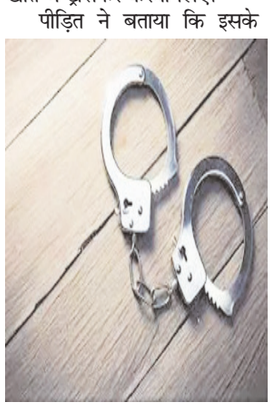

बाद एक महिला ने फोन कर कहा कि बीमा पॉलिसी के रुपयों में टैक्स लगेगा और टैक्स के रुपये भरने पर पॉलिसी के रुपये समय से पहले मिल जायेंगे और जमा न करने पर पॉलिसी के रुपये नहीं मिलेंगे। अनिल महिला की बातों में आ गया और उसने कुल 7 लाख 27 हजार 252 रुपये ट्रांसफर करवा दिए। बाद में जब अनिल को शक हुआ तो वह मैटलाइफ बीमा पॉलिसी पहुंचा तो पता चला कि उसके साथ धोखाधड़ी हुई है। पुलिस ने मामले में कारवाई करते हुए आरोपी अजय, निवासी बैंक कॉलोनी रोडमडोली, दिल्ली व मुर्तजा, निवासी गांव इद्रिसपुर (हाल निवासी इकबाल कॉलोनी गाजियाबाद), प्रदीप, निवासी भागीरथी विहार गोकलपुर, दिल्ली (हाल निवासी किरायेदार नजदीक पाइपलाइन चौक गाजियाबाद), मोहम्मद, निवासी पंजीपुर नंगला, उत्तरप्रदेश, रवि निवासी मॉडल टाउन करनाल (हाल निवासी किरायेदार शालीमार गार्डन एक्सटेंशन-2 गाजियाबाद) व लखमी चंद उर्फ रवि त्यागी निवासी जोहरीपुर दिल्ली (हाल निवासी किरायेदार शालीमार गार्डन एक्सटेंशन 2 गाजियाबाद) को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों से वारदात में प्रयुक्त चेक बुक, एटीएम कार्ड व मोबाइल फोन भी बरामद किये हैं।

पुस्तकें पढ़ने से आता है व्यक्तित्व में गुणात्मक परिवर्तन: डॉ. अर्चना मिश्रा

सोनीपत. डॉ. बीआर अंबेडकर नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, राई की कुलपति डॉ. अर्चना मिश्रा ने कहा कि पुस्तकें हमारे आदर्श, मार्गदर्शक या सर्वकालिक शिक्षक के रूप में हमारे जीवन में शामिल होती हैं। पुस्तकें पढ़ने से हमारे व्यक्तित्व में गुणात्मक परिवर्तन आता है। उन्होंने कहा कि पुस्तकें हमारे जीवन की सबसे अच्छी साथी होती हैं। उन्होंने कहा कि पुस्तकें आसपास की दुनिया को समझने, सही और गलत के बीच निर्णय लेने में हमारी मदद करती हैं। डॉ. मिश्रा बृहस्पतिवार को दीनबंधु छोटू राम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (डीसीआरयूएसटी), मुरथल में दो दिवसीय पुस्तकालय मेले के शुभारंभ अवसर पर बोल रही थीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता मेजबान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. श्रीप्रकाश सिंह ने की।

कुलपति प्रो. सिंह ने कहा कि सच में पुस्तकों से गुजरना दुनिया के श्रेष्ठ अनुभवों से गुजरने जैसा है। दुनिया में पुस्तकें पढ़ने से बड़ा सुख शायद ही कोई हो। तभी तो पुस्तकों को सबसे अच्छा मित्र कहा जाता है।

विश्वविद्यालय के पुस्तकालय इंचार्ज प्रो. अशोक शर्मा व पुस्तकालय अध्यक्ष डा. मेहर सिंह ने बताया कि पुस्तक मेले में 40 बुक स्टॉल लगाए गए हैं। अधिकतर स्टालों पर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के पाठ्यक्रमों से संबंधित पुस्तकें शामिल हैं। इसके अतिरिक्त स्टाल पर महापुरुषों की जीवनियों पर आधारित पुस्तकें भी शामिल हैं। पुस्तक मेले में रामायण व भारतीय संस्कृति पर आधारित पुस्तकें भी शामिल हैं। मेले में राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर के प्रकाशक भाग ले रहे हैं। इस अवसर पर विभिन्न संकायों के अधिष्ठाता और विभागाध्यक्ष भी मौजूद रहे।

Startups के लिए Seed Funding, सरकार से कैसे हासिल करें 50 लाख तक का सस्ता लोन?

नई दिल्ली. देश में अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने के लिए छोटे व्यवसायों की जरूरत बढ़ गई है. ऐसे में स्टार्टअप्स की भूमिका बहुत अहम हो जाती है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार ने स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने के लिए कई योजनाएं शुरू की हैं. आज के तमाम युवा स्टार्टअप्स लाना चाहते हैं लेकिन उनके सामने पूंजी एक बड़ी समस्या होती है. ऐसे में केंद्र सरकार की योजना के माध्यम से स्टार्टअप्स के लिए आसान प्रक्रिया से सीड फंडिंग हासिल की जा सकती है.

प्रीतेश लखानी नाम के एक कारोबारी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस संबंध में विस्तार से जानकारी पोस्ट की है. उन्होंने अपनी पोस्ट में बताया है कि उन्हें स्टार्टअप के लिए सरकार से लोन कैसे मिला? उन्हें 5 फीसदी की सालाना ब्याज दर पर 30 लाख रुपये का लोन मिला. यानी हर माह करीब आधा फीसदी से भी कम ब्याज दर पर लोन मिला.

महज 5% ब्याज पर 50 लाख का लोन लें

युवाओं के रोजगार के लिए स्टार्टअप इंडिया सबसे खास मिशन है. स्टार्टअप्स के लिए कोई भी युवा उद्यमी सरकार से 50 लाख रुपये तक की शुरुआती फंडिंग हासिल कर सकता है. स्टार्टअप इंडिया योजना में सरकार से सीड फंडिंग के तौर पर शुरुआती पूंजी दी जाती है. 50 लाख रुपये तक का लोन मिलता है. लोन महज 5 फीसदी सालाना ब्याज पर मिलता है. यानी 50 लाख रुपये के लोन पर आप एक साल में सिर्फ ढाई लाख रुपये ही ब्याज चुकाते हैं.

स्टार्टअप्स के लिए कैसे मिलती है सीड फंडिंग?

स्टार्टअप्स के लिए सीड फंडिंग प्राप्त करने के लिए उसका DPIIT प्रमाणित होना जरूरी है. स्टार्टअप इंडिया की वेबसाइट पर जाएं और रजिस्टर करें. आवेदन भरकर जमा करें. DPIIT सर्टिफिकेट मिलने में कुछ महीने लग सकते हैं. जब तक DPIIT प्रमाणपत्र नहीं मिल जाता, तब तक सीड फंडिंग नहीं मिल सकती. DPIIT सर्टिफिकेट मिलने पर स्टार्टअप इंडिया वेबसाइट के सीडफंड पोर्टल पर लोन के लिए आवेदन करें.

अब आएगी इंश्योरेंस सेक्टर में क्रांति, वित्त मंत्रालय ने रखा ये अनोखा प्रस्ताव

नई दिल्ली. वित्त मंत्रालय ने इंशोयरेंस सेक्टर में क्रांति लाने के लिए नया प्रस्ताव पेश किया है, जिसमें डायरेक्ट फॉरेन इंवेस्टमेंट (एफडीआई) की लिमिट को बढ़ाकर 100 प्रतिशत करने की बात कही गई है. साथ में पेड अप कैपिटल को घटाने और इसके लिए जरूरी लाइसेंस का प्रावधान सुनिश्चित करने जैसे संशोधनों का प्रस्ताव रखा गया है.

अभी क्या है नियम?

ये संशोधन बीमा अधिनियम, 1938 के विभिन्न प्रावधानों में किए जाने के लिए प्रस्तावित किए गए हैं. वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) ने इन पर 10 दिसंबर तक जनता से टिप्पणियां मांगी हैं. सरकार की तरफ से दिए गए प्रस्ताव के मुताबिक, भारतीय बीमा कंपनियों में एफडीआई की सीमा अभी 74 प्रतिशत है, जिसे बढ़ाकर 100 प्रतिशत कर दी जाएगी.

डीएफएस ने बीमा अधिनियम 1938, जीवन बीमा निगम अधिनियम 1956 और बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण अधिनियम, 1999 में प्रस्तावित संशोधनों पर दूसरी बार सार्वजनिक परामर्श मांगा है. वित्त मंत्रालय ने इससे पहले दिसंबर, 2022 में भी बीमा अधिनियम, 1938 और बीमा विनियामक विकास अधिनियम, 1999 में प्रस्तावित संशोधनों पर टिप्पणियां आमंत्रित की थीं. बीमा अधिनियम, 1938 देश में बीमा के लिए विधायी ढांचा प्रदान करने वाला प्रमुख कानून है.

क्या कहती है रिपोर्ट?

रिपोर्ट के मुताबिक, नागरिकों के लिए बीमा की पहुंच और सामर्थ्य सुनिश्चित करने, बीमा उद्योग के विस्तार और विकास को बढ़ावा देने तथा व्यावसायिक प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने के लिए बीमा कानूनों के कुछ प्रावधानों में संशोधन करने का प्रस्ताव है. इस संबंध में, भारतीय बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (इरडा) और उद्योग के परामर्श से इस क्षेत्र को नियंत्रित करने वाले विधायी ढांचे की व्यापक समीक्षा की गई है.

ज्ञापन में कहा गया है कि प्रस्तावित संशोधन मुख्य रूप से बीमाधारकों के हितों को बढ़ावा देने, उनकी वित्तीय सुरक्षा बढ़ाने, बीमा बाजार में अधिक कंपनियों के प्रवेश को सुविधाजनक बनाने, आर्थिक वृद्धि और रोजगार को बढ़ावा देने पर केंद्रित हैं. ऐसे बदलावों से बीमा उद्योग की दक्षता बढ़ाने, कारोबारी सुगमता को बढ़ाने और बीमा पहुंच बढ़ाने में मदद मिलेगी, जिससे 2047 तक सभी के लिए बीमा का लक्ष्य हासिल किया जा सकेगा.

इस बदलाव से क्या होगा फायदा

यह बीमा कारोबार के कामकाज के लिए रूपरेखा प्रदान करता है और बीमाकर्ता, उसके पॉलिसीधारकों, शेयरधारकों और इरडा के बीच संबंधों को विनियमित करता है.

नहीं महंगी होगी आपकी थाली की रोटी, मोदी सरकार ने बनाया शानदार प्लान

अभी हाल ही में भारत सरकार ने देश में महंगाई को नियंत्रित रखने के लिए मूल्य स्थिरीकरण फंड के तहत भारत ब्रांड के लिए दूसरा चरण शुरू किया है. इसका उद्देश्य कम कीमतों पर गेंहू और चावल आम नागरिकों के लिए उपलब्ध कराना है. अब खबर ये आ रही है कि सरकार महंगाई कम करने के लिए एक और नया प्लान बना लिया है.

नई दिल्ली. भारत सरकार ने महंगाई कंट्रोल करने के लिए शानदार प्लान तैयार कर लिया है. अब आम जनता को महंगी थाली को लेकर परेशान नहीं होना पड़ेगा. सरकार ने खाद्य वस्तुओं की कीमतों पर लगाम लगाने घोषणा की है. इसके लिए वह मार्च 2025 तक 25 लाख टन एफसीआई गेहूं बेचने जा रही है. अगर महंगाई कम नहीं होती है तो आम जनता की थाली अभी की तुलना में एक्सपेंसिव हो जाएगी.

क्या है पूरी प्लानिंग?

गेहूं की बिक्री सरकार की खुला बाजार बिक्री योजना (ओएमएसएस) पहल के तहत की जाएगी. इसका प्रबंधन सरकारी स्वामित्व वाली भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) द्वारा, आपूर्ति और कीमतों को नियंत्रित करने के लिए किया जाता है. खाद्य मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि ओएमएसएस के तहत गेहूं के लिए आरक्षित मूल्य उचित एवं औसत गुणवत्ता (एफएक्यू) अनाज के लिए 2,325 रुपए प्रति क्विंटल और यूआरएस (थोड़ी कम गुणवत्ता वाले) अनाज के लिए 2,300 रुपए प्रति क्विंटल तय किया गया है.

31 मार्च, 2025 तक ई-नीलामी के माध्यम से निजी पक्षकारों को गेहूं बेचा जाएगा, जिसमें आटा मिलें,

गेहूं उत्पाद बनाने वाले, प्रसंस्करणकर्ता और अंतिम उपयोगकर्ता शामिल हैं. हालांकि, सरकार ने थोक उपयोगकर्ताओं को एफसीआई गेहूं की बिक्री शुरू करने की तारीख के बारे में जानकारी नहीं दी. पिछले साल, एफसीआई ने ओएमएसएस के तहत थोक उपयोगकर्ताओं को 10 लाख टन से अधिक गेहूं बेचा था.

भारत ब्रांड के बैनर तले सरकार कर रही काम

सरकार ने देश में महंगाई को नियंत्रित रखने के लिए मूल्य स्थिरीकरण कोष के अंतर्गत भारत ब्रांड के लिए दूसरा चरण शुरू किया है. इसके तहत आटे के लिए भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) से 3.69 लाख टन गेहूं और 2.91 लाख टन चावल आवंटित किया है. प्रल्हाद जोशी ने कहा कि भारत ब्रांड के तहत सामान तब तक मिलता रहेगा, जब तक आवंटित किया गया भंडार समाप्त नहीं हो जाता. अगर और अधिक राशन की जरूरत पड़ी तो सरकार के पास पर्याप्त भंडार है. सरकार दोबारा राशन आवंटित कर देगी.

पहले चरण में चावल की कम बिक्री पर मंत्री ने कहा कि सरकार का मकसद कारोबार करना नहीं है. बल्कि सरकार का उद्देश्य ग्राहकों को राहत देना और बाजार में कीमतों को नियंत्रित करना है. अगर बाजार में मांग देखी गई तो सरकार छोटे आकार के पैकट लाने पर विचार करेगी.

दवाइयों के बिजनेस में है मोटा मुनाफा, मेडिकल स्टोर खोलने का ये है प्रोसेस

नई दिल्ली.दवाइयों का रिटेल बिजनेस हमेशा नगदी में होता है. साथ ही दवाइयों के बिजनेस में रिटेल स्टोर वालों को अच्छा खासा मुनाफा भी मिलता है. अगर आप अपने शहर में मेडिकल स्टोर खोलने की प्लानिंग कर रहे हैं तो यहां हम आपको मेडिकल स्टोर में होने वाले मुनाफे और इसे खोलने के तरीके के बारे में विस्तार से बता रहे हैं. जिसके बाद आप आसानी से मेडिकल स्टोर खोल सकते हैं. आपको बता दें मेडिकल स्टोर खोलने के लिए फार्मेसी में डिग्री या डिप्लोमा (B.Pharm या D.Pharm) की आवश्यकता होती है. यदि आपके पास ये डिग्री नहीं है, तो आपको एक योग्य फार्मासिस्ट को नियुक्त करना होगा. मेडिकल स्टोर खोलने के कुछ ऐसे ही नियम हैं.

ड्रग कंट्रोलर ऑफिस से लाइसेंस

मेडिकल स्टोर शुरू करने के लिए आपके पास फार्मेसी की डिग्री या डिप्लोमा होना चाहिए, जिसके बाद आपको स्टेट फार्मेसी काउंसिल और ड्रग कंट्रोलर ऑफिसर से ड्रग लाइसेंस लेना होगा. इसके लिए आपको नीचे बताए गए डॉक्यूमेंट देने होंगे.

फार्मासिस्ट का रजिस्ट्रेशन प्रमाणपत्र.

मेडिकल स्टोर की जगह का नक्शा.

मालिक का आधार कार्ड और पैन कार्ड.

दुकान का किराए का अनुबंध या स्वामित्व प्रमाणपत्र.

त्स्ञ्ज नंबर.

ड्रग लाइसेंस के लिए कैसे करें आवेदन?

ड्रग लाइसेंस के लिए आप ऑफलाइन और ऑनलाइन दोनों तरीकों से आवेदन कर सकते हैं. ऑनलाइन के लिए आपको राज्य सरकार की ड्रग कंट्रोल वेबसाइट पर जाना होगा और ऑफलाइन के लिए आपको ड्रग इंस्पेक्टर के ऑफिस में आवेदन करना होगा. ड्रग लाइसेंस दो तरीके का होता है, इसमें एक रिटेल लाइसेंस होता है और दूसरा होलसेल लाइसेंस होता है.

GST रजिस्ट्रेशन अनिवार्य

GST रजिस्ट्रेशन आवश्यक है ताकि आप टैक्स का भुगतान कर सकें और ग्राहकों को वैध बिल दे सकें. त्स्ञ्ज रजिस्ट्रेशन के लिए 222.द्दह्यह्ल.द्दश1.द्बठ्ठ पर आवेदन करें. इसके अलावा आपको जनरल मेडिसिन, एंटीबायोटिक, पेन किलर, और स्पेशलाइज्ड मेडिसिन का स्टॉक खरीदना होगा और दवाइयों की एक्सपायरी डेट का ध्यान रखना होगा.

मेडिकल स्टोर में इंवेस्टमेंट और प्रॉफिट

मेडिकल स्टोर शुरू करने के लिए 5 से 10 लाख रुपए तक का इन्वेस्टमेंट करना होता है, इसमें दवाइयां, लाइसेंस फीस और सेटअप का खर्च शामिल है. वहीं जब आप दवाइयों की रिटेल सेल करते हैं तो आपको 16 से 25 फीसदी का प्रॉफिट होता है और जब आप दवाइयों की होलसेल करते हैं तो 30 से 40 फीसदी तक का आपको प्रॉफिट होता है.

ब्रांडेड या फ्रैंचाइज़ मॉडल का विकल्प

अगर आप आप खुद का दवाइयों का बिजनेस शुरू नहीं करना चाहते हैं तो आप किसी प्रतिष्ठित ब्रांड की फ्रैंचाइज़ लेकर मेडिकल स्टोर खोल सकते हैं.

रिकॉर्ड पर रिकॉर्ड बना रहा पाकिस्तान का शेयर बाजार, पिछले 25 सालों में ऐसे बदली तस्वीर

नई दिल्ली. पाकिस्तान स्टॉक एक्सचेंज (PSX) ने इतिहास रचते हुए KSE-100 इंडेक्स को 100,000 अंकों के जादुई नंबर के पार पहुंचा दिया है. यह उपलब्धि पाकिस्तान के पास भारत से पहले हाथ लगी है. अभी भारतीय बाजार 90 हजार के नंबर को भी पार नहीं कर पाया है. गुरुवार सुबह इंडेक्स ने 947.32 अंकों (0.95त्न) की तेजी दर्ज की और यह 99,269.25 के पिछले बंद स्तर से बढ़कर 100,216.57 पर पहुंच गया. दिन के अंत में इंडेक्स 813.52 अंकों (0.82त्न) की बढ़त के साथ 100,082.77 पर बंद हुआ. यह ऐतिहासिक बढ़त देश में दो दिनों की राजनीतिक अनिश्चितता के बाद आई है, जिसने बाजार को कुछ समय के लिए अस्थिर कर दिया था.

भारतीय बाजार की हालत खराब?

वहीं दूसरी तरफ भारत की बात करें तो कल सेंसेक्स और निफ्टी दोनों में भारी गिरावट देखने को मिली. सेंसेक्स 1,190 अंकों की कमजोरी के साथ 79,043 पर और निफ्टी 360 अंक गिरकर 23,914 पर बंद हुआ है. भारत में आई गिरावट के पीछे का कारण अमेरिका द्वारा चीन पर टैरिफ लगाने से इंडियन आईटी स्टॉक में आई बिकवाली थी. क्योंकि निवेशकों को इस बात का डर हो गया कि भारतीय आईटी कंपनियों पर भी अमेरिका एक्शन ले सकता है. हालांकि यहां एक

बात ध्यान देने वाली है कि भारतीय आईटी कंपनियों का अधिकांश बिजनेस इंडिया से बाहर के देशों के साथ होता है. अब यहां सवाल ये खड़ा हो रहा है कि भारतीय बाजार में आई बिकवाली के बीच पाकिस्तान का शेयर बाजार रॉकेट क्यों हुआ पड़ा है?

क्यों आई पाकिस्तान के बाजार में तेजी?

टॉपलाइन सिक्योरिटीज के चीफ एग्जीक्यूटिव मोहम्मद सोहेल ने पाकिस्तान के अखबार डॉन से बात करते हुए कहा कि पाकिस्तानी बाजार ने केवल 17 महीनों में 40,000 से 100,000 तक का रिटर्न दिया है. उन्होंने कहा कि यह तेजी आईएमएफ (अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष) से मिले लोन और राजकोषीय अनुशासन का परिणाम है, जिसने निवेशकों के भरोसे को वापस से स्थापित किया है. इसके अलावा महंगाई और ब्याज दरों में तेज गिरावट ने बाजार में नकदी प्रवाह को बढ़ा दिया है.

पिछले 25 सालों में ऐसे बदली बाजार की तस्वीर

सोहेल ने कहा कि भले ही बाजार ऐतिहासिक ऊंचाई पर है, लेकिन इसका पीई रेशियो अभी भी 5× पर कारोबार कर रहा है, जो 7× के औसत स्तर से कम है.

Sebi New Rule: ट्रेडिंग नियमों में हुआ बदलाव, 1 अप्रैल 2025 से लागू होंगे न्यू रूल

नई दिल्ली.बिजनेस डेस्क, नई दिल्ली। बाजार नियामक सेबी (Sebi) ने हाल ही में एक सर्कुलर जारी किया था। इस सर्कुलर के अनुसार शेयर बाजार के दोनों मुख्य स्टॉक एक्सचेंज NSE और BSE को अल्टरनेटिव ट्रेडिंग वेन्यू के तौर पर काम करने का आदेश दिया। सेबी के सर्कुलर के अनुसार अब अगर किसी तकनीकी वजह से ट्रेडिंग रूक जाती है तो उसे शिफ्ट कर दिया जाएगा। यह नियम 1 अप्रैल 2024 से लागू होगा।

क्या कहता है नया नियम

नए नियम के अनुसार अगर बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (BSE) में कोई तकनीकी दिक्कत आने के कारण ट्रेडिंग रुक जाती है तो बीएसई में लिस्टिड शेयर एनएसई में ट्रेड होंगे। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (NSE) में किसी शेयर में कोई दिक्कत आती है तो एनएसई के शेयर बीएसई पर ट्रेड करेंगे।

सेबी ने आदेश दिया है कि दोनों स्टॉक एक्सचेंज अगले 60 दिनों के अंदर एक स्टैंडर्ड ऑपेरिटंग प्रोसेड्यूर

(SOP) जारी करें।

ऑफसेट होंगे **F&O** ट्रेडिंग

सेबी के सर्कुलर के अनुसार एनएसई को बीएसई लिस्टेड शेयरों की रिजर्व लिस्ट बनानी है। इसी तरह बीएसई को भी एनएसई लिस्टेड शेयरों की रिजर्व लिस्ट बनानी होगी। इस लिस्ट बनने के बाद स्न×ह्र ट्रेडिंग में शेयर और इंडेक्स को ऑफसेट किया जा सकेगा।

PAN 2.0: डुप्लीकेट PAN रखना अब संभव नहीं, पकड़े जाने पर मिलेगी ये सजा

नई दिल्ली.PAN 2.0: डुप्लीकेट PAN Card को खत्म करने के लिए सरकार ने PAN 2.0 प्रोजेक्ट शुरू किया है, जिसमें पैन कार्ड धारकों को हाईटेक फीचर वाला नया पैन कार्ड मिलेगा. ऐसे में अब जिन लोगों के पास डुप्लीकेट पैन कार्ड है. उन्हें संभल जाना चाहिए, क्योंकि पैन 2.0 के फीचर्स की वजह से डुप्लीकेट पैन वालों को पकड़ना काफी आसान होगा.

सरकार ने साफ किया है कि PAN 2.0 के लिए किसी को अप्लाई नहीं करना पड़ेगा. सरकार खुद ब खुद लोगों तक नया पैन कार्ड पहुंचाएगी. वहीं जब तक आपको नया हाईटेक पैन कार्ड नहीं मिल जाता है, तब तक आपका पुराना पैन कार्ड वैध रहेगा. आइए जानते हैं डुप्लीकेट पैन कार्ड होने पर क्या सजा मिलती है.

डुप्लीकेट पैन पर मिलेगी ये सजा

अगर आपके पास एक से ज्यादा

पैन कार्ड हैं तो आपका दूसरा पैन कार्ड डुप्लीकेट है. आप इसे सरेंडर नहीं करते हैं तो इनकम टैक्स एक्ट के 272B सेक्शन के अनुसार आपके ऊपर 10 हजार रुपए का जुर्माना लग सकता है. ऐसे में जिन लोगों के पास डुप्लीकेट पैन कार्ड है, उन्हें ह्रस्ठ्ठरु या ञ्जढ्ढढ्ढञ्जस्रु को इसे सरेंडर कर देना चाहिए.

PAN 2.0 में होंगे ये फीचर्स

क्यूआर कोड ङ्क नए पैन कार्ड में स्कैनिंग का फीचर होगा, जिससे जुड़ा एक क्यूआर कोड होगा. क्यूआर कोड से पैन वेरिफिकेशन आसान हो जाएगा और यह पूरा प्रोसेस ऑनलाइन माध्यम के जरिए होगा.

बैंकिंग के लिए आसान इंटरफेस- सभी बैंकिंग और फाइनेंशियल सेवाओं के लिए यह एक मजबूत और आसान इंटरफेस होगा, जिसकी मदद से बैंकों के जरिए लेनदेन करने की प्रक्रिया आसान होगी.

यूनिफाइड पोर्टल- पैन 2.0 में जिस-जिस काम के लिए पैन की जरूरत होती है. उन सभी के लिए एक ही पोर्टल देगा, जिसकी मदद से टैक्सपेयर्स को अपने पैन अकाउंट को मैनेज करने में आसानी होगी.

कॉमन बिजनेस आईडेंटिफायर- कॉर्पोरेट की कंपनियों की ओर से डिमांड आती है कि उनको अलग-अलग तरह के नंबर रखने होते हैं, मगर अब ऐसा नहीं होगा. बिजनेस से जुड़े सभी छोटे-बड़े काम के लिए एक ही पैन का इस्तेमाल किया जाएगा.

साइबर सिक्योरिटी- पैन के जरिए हो रहे फ्रॉडों को ध्यान में रखते हुए. पैन 2.0 को साइबर सिक्योरिटी के फीचर्स के साथ लैस किया जाएगा, जिससे भविष्य में साइबर फ्रॉड को रोकने में मदद मिलेगी.

नौकरियों की आएगी बहार, सरकार ने बनाया ये प्लान, विंटर सेशन में करेगी पेश

नई दिल्ली. संसद का शीतकालीन सत्र चल रहा है, सरकार इस सेशन में कई महत्वपूर्ण बिल पास कराना चाहती है, जिससे देश की इकोनॉमी को रफ्तार मिले और नई नौकरी के अवसर जनरेट हो. सरकारी सूत्रों के अनुसार शीतकालीन सत्र में सरकार तेल क्षेत्र, शिपिंग, रेलवे, विमानन और आपदा प्रबंधन से जुड़े बिल पेश किए हैं, जिनके जरिए देश की इकोनॉमी को तेज रफ्तार मिलेगी और नए नौकरियों के अवसर पैदा होंगे.

नई नौकरी के अवसर होंगे पैदा

सरकार ने रेलवे (संशोधन) विधेयक पेश किया है, इससे कानूनी बाधाओं को कम किया जाएगा और रेलवे के परिचालन को सहूलियत मिलेगी. इसके साथ ही बुनियादी ढांचे और रखरखाव में रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे. तटीय नौवहन विधेयक से निर्यात लागत को कम किया जाएगा, जिससे आने वाले

दिनों में समुद्री रास्तों के जरिए ज्यादा व्यापार हो सके. इन दोनों ही विधेयक से नई नौकरियों के अवसर पैदा होंगे.

आपदा प्रबंधन और एयरोस्पेस हब विधेयक

सरकार ने शीतकालीन सत्र में आपदा प्रबंधन विधेयक पेश किया है, जिसमें शहरी आपदा प्रबंधन प्राधिकरणों को शामिल किया है. इसके जरिए प्रक्रिया प्रणालियों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा. जिससे सुरक्षा बढ़ेगी और इमरजेंसी सेवाओं में रोजगार पैदा होंगे. साथ ही सरकार भारतीय वायुयान विधेयक पेश करेगी, जिसका उद्देश्य भारत को एयरोस्पेस हब के रूप में स्थापित करना है.

एनर्जी सेक्टर में बनेंगे आत्मनिर्भर

सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार प्रधानमंत्री मोदी एनर्जी सेक्टर को पुराने औपनिवेशिक कानूनों से मुक्त करना चाहते हैं और देश को ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाना चाहते हैं. आपको बता दें संसद के शीतकालीन सत्र के पहले हफ्ते में विपक्ष के विरोध के चलते कोई काम नहीं हुआ, लेकिन सरकार अगले सप्ताह से संसद को सुचारू रूप से चलने को लेकर आशावादी है.

मर्चेंट शिपिंग और लैंडिंग बिल

शीलतालीन सत्र में सरकार मर्चेंट शिपिंग बिल 2024 लैंडिंग बिल 2024 को पास कराके समुद्री कानूनों को सुव्यवस्थित करने, उन्हें अधिक कुशल बनाने और अंतरराष्ट्रीय मानदंडों के अनुरूप बनाना चाहती है.

मर्चेंट शिपिंग बिल मामूली उल्लंघनों के लिए आपराधिक दंड को हटाता है, जो कम दंडात्मक, अधिक सहायक नियामक ढांचे की ओर बढ़ने का संकेत देता है. इससे समुद्री क्षेत्र को बढ़ावा मिलना चाहिए और भारत की वैश्विक व्यापार क्षमताओं में वृद्धि होनी चाहिए.

क्या अब एलन मस्क नहीं करेंगे इंडिया में निवेश? स्टारलिंक की एंट्री पर पीयूष गोयल ने कही ये बात

नई दिल्ली.जब से अमेरिकी चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप को जीत मिली है. एलन मस्क की कंपनी के शेयरों में शानदार तेजी देखने को मिल रही है. साथ में एलन मस्क के इंडिया में एंट्री करने की चर्चा भी तेज हो गई है. चुनाव से पहले ये खबर आई थी कि एलन मस्क जल्द भारत का दौरा कर निवेश का ऐलान कर सकते हैं. तब बात नहीं बनी और वह भारत की यात्रा कैंसिल कर चीन चले गए. अब एक बार फिर उनके आने भारत आने को लेकर सरकार के तरफ से जानकारी सामने आई है.

पीयूष गोयल ने कही ये बात

कॉमर्स एंड इंडस्ट्री मिनिस्टर पीयूष गोयल ने कहा है कि अमेरिकी उद्योगपति एलन मस्क की टेस्ला और स्टारलिंक द्वारा भारत में निवेश के संबंध में फिलहाल कोई चर्चा नहीं हुई है. राष्ट्रीय राजधानी में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए गोयल ने कहा कि चूंकि दोनों मुद्दे

अलग-अलग मंत्रालयों द्वारा देखे जा रहे हैं, इसलिए उन्हें व्यक्तिगत रूप से इस बारे में कोई जानकारी नहीं है कि क्या हो रहा है. टेस्ला और स्टारलिंक द्वारा संभावित निवेश के संबंध में पूछे गए प्रश्न का उत्तर देते हुए मंत्री ने कहा कि जहां तक ??मेरी जानकारी है, हमने कोई चर्चा नहीं की है.

ये है वजह

गोयल ने बताया कि ये दोनों विषय अलग-अलग मंत्रालयों द्वारा संभाले जाते हैं. भारी उद्योग मंत्रालय वाहन को देखता है और स्टारलिंक को अंतरिक्ष विभाग द्वारा संभाला जाएगा. इसलिए, मुझे व्यक्तिगत रूप से नहीं पता कि क्या हो रहा है. इससे पहले अप्रैल में, मस्क ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ बैठक सहित भारत की अपनी बहुप्रचारित यात्रा से अंतिम समय में टेस्ला के बहुत भारी दायित्वों का हवाला देते हुए टाल दिया था.

क्या है मस्क का प्लान?

अनुमान लगाया जा रहा था कि वह टेस्ला द्वारा भारत में अपनी मैन्यूफैक्चरिंग यूनिट स्थापित करने और अरबों डॉलर के निवेश की योजना की घोषणा करेंगे, और भारत में जल्द से जल्द टेस्ला इलेक्ट्रिक कारों (ईवी) की बिक्री के भविष्य के बारे में भी बताएंगे. सिर्फ इलेक्ट्रिक कारें ही नहीं, बल्कि वह अपने उपग्रह (सैटेलाइट) इंटरनेट कारोबार इकाई स्टारलिंक के लिए भी भारतीय बाजार पर नजर रख रहे थे.

केंद्रीय दूरसंचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने इसी महीने कहा था कि स्टारलिंक को भारत में सेवाओं के लिए लाइसेंस प्राप्त करने के लिए सभी मानदंडों का पालन करना होगा.

मंत्री ने कहा था कि उपग्रह इंटरनेट सेवा प्रदाता सभी आवश्यकताओं को पूरा करने की प्रक्रिया में है और प्रक्रिया पूरी होने के बाद उन्हें लाइसेंस मिल जाएगा.

भारी गिरावट के बाद झूमा बाजार, सेंसेक्स में आई 700 अंकों से ज्यादा की तेजी

शेयर बाजार में एक फीसदी की भारी गिरावट के बाद सेंसेक्स और निफ्टी दोनों में बंपर रैली देखने को मिल रही है. कल आईटी इंडेक्स में आई बिकवाली ने बाजार को नीचे धकेल दिया था. अब आज शुरुआती कारोबार में बाजार में शानदार तेजी आई है.

नई दिल्ली.शेयर बाजार में एक फीसदी की भारी गिरावट के बाद सेंसेक्स और निफ्टी दोनों में बंपर रैली देखने को मिल रही है. कल आईटी इंडेक्स में आई बिकवाली ने बाजार को नीचे धकेल दिया था. अब आज शुरुआती कारोबार में बाजार में शानदार तेजी आई है. सेंसेक्स732 अंक मजबूत होकर 79,776 पर कारोबार कर रहा है. वहीं निफ्टी 205 अंक चढ़कर 24,119 पर चला गया है. यह रिपोर्ट सुबह 11 बजे तक की है.

इन कंपनियों में आई तेजी

शेयर बाजार में आज लौटी रैली के पीछे एक बड़ा कारण इंटरनेशनल बाजार से मिल रहे पॉजिटिव संकेत हैं. सेंसेक्स के शेयरों में सन फार्मा और भारती एयरटेल में 3त्न की तेजी आई, जबकि एमएंडएम, रिलायंस, एलएंडटी, अडानी पोर्ट्स और जेएसडब्ल्यू स्टील में करीब 2त्न की तेजी आई. दूसरी तरफ, पावर ग्रिड, इंडसइंड बैंक और एसबीआई में गिरावट के साथ कारोबार हुआ. बीएसई में सूचीबद्ध सभी कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 2.27 लाख करोड़ रुपए बढ़कर 445.54 लाख करोड़ रुपए हो गया.

क्यों कल आई थी गिरावट?

भारतीय शेयर बाजार में 28 नवंबर के दिन आई गिरावट के पीछे एक बड़ा कारण आईटी स्टॉक्स में आई कमजोरी है. क्योंकि अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों को लेकर चिंताएं अभी भी हैं और अमेरिका में ब्याज दरों में कटौती के बारे में अनिश्चितता फिर से बढ़ गई है. अमेरिकी महंगाई के आंकड़ों से पता चला है कि अक्टूबर में उपभोक्ता खर्च में वृद्धि हुई, जिससे यह चिंता पैदा हुई कि भविष्य में ब्याज दरों में कटौती की गति अपेक्षा से धीमी रहने वाली है. अमेरिकी ब्याज दरों में कटौती में मंदी का सीधा असर खर्च के माहौल पर पड़ेगा और भारत में आईटी और फार्मा जैसे सेक्टर्स पर भी असर पड़ेगा, जिनका अमेरिकी बाजार से काफी जुड़ाव है.

सर्दियों में खाना बनाने में आता है आलस, तो इन बैच कुकिंग आइडियाज से आसान बनाएं अपना काम

सर्दियों में खाना बनाना एक बड़ा टास्क लगता है क्योंकि इन दिनों ठंड की वजह से अक्सर आलस छाया रहता है। ऐसे में आप बैच कुकिंग की मदद से अपना काम आसान कर सकते हैं। यह कुकिंग करने का एक ऐसा तरीका है जिससे काम को कम समय में झटपट किया जा सके। ऐसे में आज विंटर में कुकिंग के लिए इन बैच कुकिंग आइडियाज को ट्राई कर सकते हैं।

सर्दियों का महीना शुरू हो चुका है। यह वह समय है जब सुबह बिस्तर से उठना काफी मुश्किल होता है। ऐसे में सुबह उठकर लंच बनाना इससे भी बड़ा टास्क लगता है। सर्दियों में अक्सर सुबह के समय उठने में देर हो जाती है, जिसकी वजह से अक्सर सुबह यह समझ नहीं आता कि लंच में आखिर क्या बनाया जाए। ऐसे में बैच कुकिंग आपके काम को आसान कर सकती है। कुकिंग करने के ऐसे कई तरीके हैं, जिससे कुकिंग आसान बनाया जाता है। इन्हीं में से एक है बैच कुकिंग। जब एकसाथ ज्यादा मात्रा में खाना बनाया जाए, जिससे उसका कुछ हिस्सा हटा कर अगले समय के खाने के लिए रख दिया जाए, तो इसे बैच कुकिंग कहते हैं।

ये हेल्दी तो होता ही है, साथ ही ये सस्ता भी पड़ता है और इससे समय की बचत भी होती है। अकेले रहने वालों के लिए, व्यस्त लोगों के लिए या फिर हेल्थ समस्याओं से जूझ रहे लोगों के लिए बैच कुकिंग एक बेहतरीन फूड हैक है। हालांकि, कुछ लोगों को इस बात की शंका जरूर हो सकती है क्या ये हेल्दी है। ये बाहर के खाने से सौ फीसदी हेल्दी है। कुछ वॉटर सॉल्युबल विटामिन इस दौरान नष्ट होते हैं लेकिन अधिकतर पोषक तत्व सीमित समय तक बरकरार रहते हैं। आइए जानते हैं बैच कुकिंग के कुछ आसान से आइडियाज-

स्प्राउट्स फ्रीज़ कर के रखें

इसे कभी भी सलाद, सब्जी, आलू के साथ ग्रेवी वाली करी या पुलाव में डाल कर बनाया जा सकता है। अगर घर में कोई हरी सब्जी नहीं है तो इसका उपयोग करें और ढेर सारी प्रोटीन और विटामिन के पोषण से भरपूर खाना खाएं।

इडली का बैटर

इडली का बैटर एक बैच में तैयार कर के स्टोर कर लें। ये फर्मेंटेड हेल्दी फूड का बेहतरीन विकल्प है जिसके बैटर से इडली के साथ डोसा और चीला भी बनाया जा सकता है।

करी बेस

तेल में जीरा का तड़का दे कर लहसुन, अदरक, प्याज और टमाटर को देर तक भून लें और इस करी बेस को फ्रिज में हफ्तों स्टोर करें। किसी भी सब्जी को बनाना है तो आवश्यकनुसार इस मसाले का बेस डालें और सब्जियां मिला कर मिनटों में सब्जी तैयार करें।

चटनी

हरी मिर्च, धनिया, लहसुन की चटनी, टमाटर और मूंगफली की चटनी, चना दाल और नारियल की चटनी या फिर सीज़नल फूड्स जैसे आंवला, कच्चा आम, पुदीना की चटनी बैच में बना कर स्टोर कर लें। ये भी हफ्तों चलती हैं। आप मात्र पराठे बनाएं और इन चटनी की वैरायटी का आनंद लें। झटपट स्वाद और पौष्टिकता के लिए चटनी से बेहतर विकल्प कुछ हो ही नहीं सकता।

इंडिया को नेक्स्ट लेवल पर जाकर खेलना होगा

देश के इतिहास से वाकिफ लोग जानते हैं कि आजादी के आंदोलन में भाजपा के पूर्वजों यानी संघ परिवार का राई रत्ती भर योगदान भी नहीं रहा। बल्कि हिंदुत्व का झंडा बुलंद करने के उन्माद में संघ के लोगों ने अंग्रेजों के साथ मिलकर आजादी के लिए लड़ने वालों के खिलाफ काम भी किया। जब आजादी मिली तो एक साल के भीतर ही गांधीजी की हत्या कर दी गई।किसी भी क्षेत्र में सफलता पाने के लिए अपनी योग्यता के स्तर को बढ़ाने की जरूरत होती है, यह बात हर कोई जानता है। इन दिनों जितने भी स्मार्ट कहे जाने वाले उपकरण हम इस्तेमाल करते हैं, सब समय-समय पर अपग्रेड करने पड़ते हैं, वर्ना उनकी प्रभावोत्पादकता कम होने लगती है और जल्द ही वे बेकार हो जाते हैं। जिन लोगों को वीडियो गेम्स खेलने का शौक हैं, उन्हें पता है कि गेम में जीतने के लिए नेक्स्ट लेवल पर जाना पड़ता है और हर लेवल यानी स्तर पर बाधाएं पहले से अधिक बढ़ती हैं, जो कदम-कदम पर उलझाती हैं। खिलाड़ी का मनोबल और रुचि बरकरार रखने के लिए लाइफ-लाइन हासिल करने जैसी सुविधाएं खेल बनाने वाला दे देता है, लेकिन केवल इससे जीता नहीं जा सकता। जीत तभी मिलती है, जब खिलाड़ी का ध्यान बिल्कुल न हटे, गलती करने की कोई गुंजाइश वह न छोड़े, अपनी सभी लाइफ-लाइन्स का सोच समझकर इस्तेमाल करे और सूझ-बूझ से सभी बाधाओं को पार करे। देश में इस समय सियासत को मैदान बनाकर सत्ता तक पहुंचने के लिए जो खेल खेले जा रहे हैं, उसमें जीत हासिल करने के लिए कांग्रेस पार्टी और राहुल गांधी जैसे नेताओं को अब नेक्स्ट लेवल पर जाकर खेलने की जरूरत है, वर्ना वे प्रारंभिक सफलताओं में ही मगन होते रहेंगे और उधर भाजपा जिस मकसद से सत्ता में आई है, उसे पूरा होने में वक्त नहीं लगेगा।

देश के इतिहास से वाकिफ लोग जानते हैं कि आजादी के आंदोलन में भाजपा के पूर्वजों यानी संघ परिवार का राई रत्ती भर योगदान भी नहीं रहा। बल्कि हिंदुत्व का झंडा बुलंद करने के उन्माद में संघ के लोगों ने अंग्रेजों के साथ मिलकर आजादी के लिए लड़ने वालों के खिलाफ काम भी किया। जब आजादी मिली तो एक साल के भीतर ही गांधीजी की हत्या कर दी गई, क्योंकि वे देश में सांप्रदायिक नफरत फैलाने वालों के सामने सबसे बड़ी बाधा बन चुके थे। हिंदू धर्म के अनुयायी बापू की बात पूरे देश की जनता सुनती थी और मानती थी। मुसलमानों, ईसाइयों, सिखों, आदिवासियों, दलितों तमाम तबकों के बीच गांधी को मानने वाले भी थे और अगर वे उनकी किसी बात पर सहमत नहीं होते थे तो खुलकर अपना विरोध भी प्रकट करते थे। गांधीजी की इस ताकत से जिन लोगों को अपने मकसद के लिए खतरा महसूस हुआ, उनमें से एक नाथूराम गोडसे ने उनकी हत्या ही कर दी। गांधीजी के जीवनकाल में ही संविधान बनाने का काम डा. अंबेडकर के नेतृत्व में शुरु हो चुका था और उनकी मौत के बाद संविधान लागू हो भी गया। लेकिन तब भी इसका विरोध करने वाले संघ के ही लोग थे।आज उसी संघ की शाखाओं से निकले लोग और संघ की प्रेरणा से गठित भारतीय जनता पार्टी सत्ता में है, और संविधान दिवस मनाने का प्रहसन पूरे सरकारी तामझाम के साथ रचा जा रहा है। भाजपा ने पहले आजादी के महानायकों पर कब्जा जमाने की कोशिश की, गुजरात में सरदार पटेल की बनी विशाल मूर्ति इसका प्रमाण है, और अब वह संविधान पर अपना मालिकाना हक साबित करने में लगी है। इसका उदाहरण संसद में 26 नवंबर को नजर आया, जब भाजपा के साथी जदयू सांसद ललन सिंह ने कहा कि कांग्रेस का संविधान से क्या लेना-देना है, उसने तो देश में आपातकाल लगाया था। इस तरह के बयानों से भाजपा के मकसद खुलकर जाहिर हो जाते हैं। क्योंकि 50 साल पहले के फैसले का जिक्र तो एनडीए के नेता कर रहे हैं, लेकिन मौजूदा हालात पर संसद में चर्चा नहीं होने देते। पिछले साल मणिपुर का मामला संसद में बार-बार उठा और हर बार सरकार चुप रही, सदन को स्थगित कराने या सांसदों को निलंबित करने में उसका जोर रहा। इस बार गौतम अडानी पर लगे आरोप, संभल की हिंसा जैसे मामलों पर विपक्ष चर्चा करना चाहता है, तो सदनों को स्थगित करने का सिलसिला फिर शुरु हो गया है।लोकतंत्र और संविधान बचाने के नाम पर भाजपा क्या खेल कर रही है और किन नियमों के साथ वह खेल रही है, यह दिन के उजाले में चीजों को देखने जैसा साफ हो चुका है। इसके बाद विपक्ष को तय करना है कि वह इस खेल को किस तरह से खत्म करे और जब वह मैदान में उतरे तो उसकी तैयारियां कैसी हों। उदाहरण के लिए बंटेंगे तो कटेंगे या एक हैं तो सेफ हैं, जैसे नारों के बारे में जनता को सावधान करने का काम विपक्ष कर सकता है। नरेन्द्र मोदी, आदित्यनाथ योगी जैसे नेता आगे भी इसी तरह के नारे देंगे, जो इनसे भी अधिक भड़काऊ हो सकते हैं। पहले कपड़ों से पहचानने, श्मशान-कब्रिस्तान, 80-20 जैसी तुलनाएं चुनावी मंचों से करके साफ-साफ हिंदुओं को मुसलमानों से अलग होने का आह्वान किया गया। अब रोटी, बेटी छीन लेंगे और बंटेगें तो कटेंगे तक बात पहुंचा दी गई है। यहां भाजपा से सवाल किया जाना चाहिए कि सबका साथ और सबका विकास की बातें आपने ही की, फिर 10 सालों में ऐसा क्यों हुआ कि आपको बांटने और काटने की बात करनी पड़ रही है। और कौन, किसको बांट रहा है, ये भी भाजपा समझा दे।राहुल गांधी जिस जाति जनगणना और 50 प्रतिशत आरक्षण की सीमा बढ़ाने की बात कर रहे हैं, उसमें सबसे अधिक भला दलितों, पिछड़ों, आदिवासियों का होना है। क्योंकि इन्हीं को हिंदू धर्म के भीतर बंटवारा करके नीचे स्थान पर रखा गया। उन्हें पढ़ने, मनचाहा काम करने, मनचाही जीवनशैली अपनाने से वंचित किया गया। अगर कोई इसका उल्लंघन करे तो उसे दंडित किया गया। ऐसा नहीं है कि यह गुजरी सदी की बातें हैं। आज भी तो किसी दलित को मूंछ रखने या घोड़ी चढ़ने पर प्रताड़ित किया जाता है। आदिवासी के सिर पर पेशाब करने की घटना भाजपा के राज्य में ही घटी। तो फिर भाजपा किन लोगों को एक हैं तो सेफ हैं- का पाठ पढ़ाने निकली है। संभल में जो घटना घटी, उसमें साफ नजर आ रहा है कि जानबूझ कर एक नया विवाद खड़ा हुआ, जिसमें हिंसा हुई और पांच निर्दोषों की जान गई। क्या योगी सरकार ये बता पाएगी कि उसके रहते बांटने और काटने वाली घटना कैसे घटित हुई?जाहिर है वह इस मामले में चुप रहेगी, लेकिन जैसा मैंने शुरु में कहा खेल जीतने के लिए नेक्स्ट लेवल पर जाने की जरूरत है, तो अब इंडिया गठबंधन के नेताओं को इसके लिए तैयार हो जाना चाहिए। इसमें सबसे पहले संविधान की प्रस्तावना के अनुरूप देश में माहौल बनाने पर काम करना होगा। धर्मनिरपेक्षता केवल भाषणों का हिस्सा न रहे, वह व्यवहार में भी नजर आए। इंडिया गठबंधन के कई नेता राहुल गांधी से लेकर अरविंद केजरीवाल तक समय-समय पर मंदिर जाते नजर आते हैं। बेशक अपनी धार्मिक आस्था के अनुरूप पूजा करना उनका हक है, लेकिन क्या यह जरूरी है कि इसका सार्वजनिक प्रदर्शन भी हो। इस मामले में नेहरूजी की मिसाल को दोहराने की जरूरत है। क्योंकि नर्म हिंदुत्व, उग्र हिंदुत्व की सियासत करने में संविधान की भावना उलझ गई है और इसका फायदा उठाकर भाजपा संभल जैसी घटनाओं को अंजाम दे रही है।

अल्पसंख्यकों के हक की बात करने पर इसे तुष्टिकरण का नाम दिया जाता है, भाजपा की इस चालाकी से निपटने के लिए इंडिया के नेताओं को अब पूरी स्पष्टता के साथ जिन अल्पसंख्यक समुदायों पर अत्याचार होता है, उनका नाम लेना चाहिए। जैसे मुस्लिम समुदाय या ईसाई समुदाय कहना चाहिए, जो अल्पसंख्यकों में खास तौर पर प्रताड़ित किए जाते हैं। संसद में भी विपक्ष की आवाज को दबाने की तैयारी भाजपा की रहती है, नेताओं के भाषण से कई जरूरी बातें कार्रवाई से बाहर हो जाती हैं, लेकिन सूचना क्रांति के दौर में अपनी बात को जनता तक पहुंचाना अब कठिन नहीं रह गया है। अगर संसद में आपको बोलने नहीं दिया जा रहा, मीडिया में आपको अपमानित करने के लिए बुलाया जाता है, तो फिर सीधे जनता के बीच जाना ही रास्ता रह जाता है। राहुल गांधी ने दो यात्राएं निकाल ली हैं, तीसरा आंदोलन ईवीएम की जगह बैलेट पेपर से मतदान की मांग को लेकर होगा, यह ऐलान श्री खड़गे कर ही चुके हैं, लेकिन अब बाकी क्षेत्रीय और राष्ट्रीय नेताओं को अपने-अपने राज्यों से बाहर निकल कर यही काम करना होगा। कल्पना सोरेन और प्रियंका गांधी इन दोनों नेताओं का जनता से जुड़ने का तरीका कारगर साबित हुआ है, इसे आगे और बढ़ाना होगा। भाजपा का मुकाबला करने और उसे मात देने के लिए अब खेल की रणनीतियों को नए सिरे से धार देनी होगी, तभी देश बचेगा।

संपादकीय

सम्भल : शांति बहाल हो

साम्प्रदायिक हिंसा में जल रहे उत्तर प्रदेश के सम्भल में जहां एक ओर नागरिक मिल-जुलकर शांति की राह ढूंढ रहे हैं, तो वहीं दूसरी ओर भारतीय जनता पार्टी की सरकार अब भी कठोर रूख अपनाये हुए है। उसने तय किया है कि कथित दंगाइयों के पोस्टर शहर के चौक-चौराहों पर लगेंगे। हिंसा, आगजनी, पत्थरबाजी आदि की घटनाओं के बीच यहां न केवल कर्फ्यू लगाया गया बल्कि पुलिस की फायरिंग में 5 लोगों की मौतें भी हुई हैं। ये सभी अल्पसंख्यक समुदाय के हैं। इंटरनेट बन्द है। हिंसा को रोकने के प्रति यदि सरकार वास्तव में संजीदा है तो उसे सर्वप्रथम नेटबन्दी हटानी चाहिये और शांति बहाली के प्रयासों को प्रोत्साहन देना चाहिये। हालांकि इसकी गुंजाइश कम ही है क्योंकि ऐसी घटनाएं भाजपा के ध्रुवीकरण के एजेंडे को आगे बढ़ाती हैं। आशंका है कि सम्भल की तज़ 'पर फायदा लेने के लिये भाजपा नये शहरों को निशाना न बनाने लगे।अभी खत्म हुए राज्य के विधानसभा उपचुनाव के नतीजों में 9 में 7 सीटें जीतकर भाजपा के हौसले बुलन्द हैं। लोकसभा में जिस प्रकार वहां कांग्रेस व समाजवादी पार्टी के गठबन्धन ने उसे पटकनी दी थी, उसके बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मुरझाये हुए थे। इस घटना से वे जोश में लौटे हुए दिखते हैं। वैसे यहां अगले विधानसभा चुनाव में तकरीबन सवा दो वर्षों की देर है लेकिन उत्तर प्रदेश इतना बड़ा राज्य है और उस पर धीरे-धीरे जिस तरह से सपा-कांग्रेस प्रभाव डाल रहे हैं, उससे योगी को ध्रुवीकरण का माहौल पूरे राज्य में बनाने के लिये इतना समय तो चाहिये ही होगा। बहुत से शहरों को सम्भल बनाये बिना भाजपा की वहां वापसी सम्भव नहीं होगी। फिर, लोकसभा चुनाव के नतीजों ने योगी को जिस प्रकार से नरेन्द्र मोदी के पीछे कर दिया है, तो उन्हें वापस रेस में आने के लिये कुछ बड़े प्रयोग करने ही पड़ेंगे जो सम्भल जैसे होने चाहिये। अब यह सपा और अन्य विरोधी दलों का फज़ 'है कि वे सम्भल में शांति प्रयासों के लिये तो सक्रिय हों ही, दंगों में पीड़ित लोगों के साथ जाकर बैठें और वहां राहत और मदद प्रदान कर अपना विरोधी दल होने का दायित्व निभायें।उप्र के शहरों को सम्भल बनाने की आशंका अब अधिक बलवती हो गयी है क्योंकि वहां की शाही मस्जिद का सर्वे कराने की मांग को लेकर जिस प्रकार से दंगा फैला है वही फार्मूला अब राज्य भर में आजमाया जा सकता है। उधर वक्फ़ बोर्ड पर जो संयुक्त संसदीय समिति बिठाई गयी है, उसकी सिफारिशें यदि भाजपा की विचारधारा और मंशा के अनुकूल आती हैं तो, जिसके पूरे-पूरे अनुमान हैं, हर बड़े शहर से लेकर कस्बों तक की मस्जिदों की ज़मीनों को लेकर मुकदमेबाजी शुरू हो सकती है। कहना न होगा कि ये सिविल के मामले होंगे जो ज्यादातर कानून की बजाय बाहुबल एवं सरकारी प्रश्रय के जरिये निपटाये जायेंगे।

न्यायालय की इस मोड़ पर महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। थोड़ा पीछे जायें तो, सुप्रीम कोर्ट को उम्मीद थी कि बाबरी मस्जिद-रामजन्मभूमि को लेकर सुनाया गया फैसला देश भर में ऐसे सभी विवादों को खत्म कर देगा। हालांकि उस वक्त भी कई समझदारों ने चेताया था कि ऐसा नहीं होगा बल्कि अन्य मंदिरों के विवाद भी सतह पर आ जायेंगे या निर्मित किये जायेंगे। रामजन्मभूमि का मामला हल होने के पहले ही काशी और मथुरा की मस्जिदों की बातें तो हो ही रही थीं, आशंका है कि कई शहरों की महत्वपूर्ण मस्जिदों को विवादग्रस्त बनाया जायेगा जो सियासी मकसद से ही होगा। सम्भल मस्जिद के पुरातात्विक सर्वे की मांग भी इसी राजनीतिक जाल का हिस्सा है। सम्भल को अगर न सम्हाला गया और इसमें सियासी जीत की गंध मिल गयी तो इस प्रयोग को अन्यत्र दोहराने में वक्त नहीं लगेगा; क्योंकि भाजपा को केवल उत्तर प्रदेश में सफलता नहीं चाहिये वरन सभी राज्यों में चाहिये होगी।लोकसभा चुनाव में भाजपा की सीटों में गिरावट आने और उसकी सरकार के दो दलों पर आश्रित हो जाने के बाद उम्मीद थी कि भाजपा हिन्दू-मुस्लिम एजेंडा को छोड़कर वास्तविक मुद्दों पर उतर आयेगी लेकिन अब अल्पसंख्यकों के खैरख्वाह माने जाने वाली दोनों पार्टियों ने, जिनके समर्थन पर मोदी सरकार टिकी हुई है, जिस प्रकार से चुप्पी साध रखी है, उससे स्पष्ट है कि मोदी और भाजपा की राह फिर से आसान बन गयी है।

बांग्लादेश मीडिया डॉ. मोहम्मद यूनुस के भ्रमित विचारों के खिलाफ हो गया

अमेरिका के भीतर भी, यूनुस ने डेमोक्रेट्स का महत्वपूर्ण समर्थन खो दिया है, जिन्हें ट्रम्प ने सत्ता से बाहर कर दिया है। इस स्थिति में, एक पर्यवेक्षक ने कहा, यूनुस को भारत-बांग्लादेश द्विपक्षीय संबंधों को नुकसान पहुंचाने के लिए कोई भी लापरवाही नहीं करनी चाहिए। इस तरह का कदम बांग्लादेश और लाखों लोगों की पीड़ा को और बढ़ा देगा, जो इस पीड़ा के समय में अपने अस्तित्व के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

ऐसा अक्सर नहीं होता कि किसी देश के नेता द्वारा विदेशी मीडिया को दिया गया साक्षात्कार देश में कोई बड़ा राजनीतिक विवाद पैदा कर दे। लेकिन हाल ही में कार्यवाहक बांग्लादेश प्रशासन के मुख्य सलाहकार डॉ. मोहम्मद यूनुस द्वारा दिये गये साक्षात्कार ने ऐसा ही किया है, जिससे उनके इरादों पर सवाल उठाते हुए एक नयी घरेलू बहस शुरू हो गई है।

डॉ. यूनुस को इसके लिए खुद को ही दोषी मानना चाहिए। मीडिया के साथ प्रत्येक बातचीत में भारत से संबंधित किसी भी प्रश्न या मुद्दे से निपटने में उनकी बेचैनी अधिक से अधिक स्पष्ट होती जाती है। इस बार भारत से प्रकाशित एक प्रमुख अंग्रेजी दैनिक के साक्षात्कारकर्ताओं के साथ प्रश्नोत्तर सत्र के दौरान यूनुस ने दिल्ली से पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना वाजेद की बांग्लादेश वापसी सुनिश्चित करने का आह्वान किया।

मुख्य सलाहकार ने कहा कि उनकी पार्टी (अवामी लीग) के लंबे शासन के दौरान भ्रष्टाचार, हत्याओं और अन्य हमलों के कई आरोपों के मद्देनजर उन्हें बांग्लादेश में मुकदमे का सामना करना चाहिए। प्रमुख एएल नेताओं सहित कई गिरफ्तारियां पहले ही हो चुकी हैं, क्योंकि वर्तमान प्रशासन ने पीड़ित विपक्षी नेताओं और आम लोगों से कार्यवाहक सरकार को प्राप्त कई आरोपों की आधिकारिक जांच शुरू कर दी है।

वह 5 अगस्त को एक उग्र सशस्त्र भीड़ के हमले से बचने के लिए भारत आ गई थीं और यहीं शरण ले रही थी। लेकिन उन्होंने अपने निर्वासन से अपने राजनीतिक बयान जारी रखा। बांग्लादेशी टिप्पणीकारों के अनुसार, डॉ. यूनुस ने चेतावनी दी कि भारत द्वारा ढाका की उनके प्रत्यावर्तन की मांग को नजरंदाज करने की स्थिति में भारत-बांग्लादेश संबंधों पर असर पड़ सकता है।हमेशा की तरह सतर्क बांग्लादेशी टिप्पणीकारों ने प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया दोनों में सार्वजनिक रूप से यूनुस से सवाल करने का यह मौका भुनाने में कोई समय नहीं गंवाया। एक विश्लेषक ने उनके इरादों पर सवाल उठाया। उन्होंने बताया कि पहले से ही ऐसी रिपोर्टें थीं (जिनका ढाका अधिकारियों ने खंडन नहीं किया था) कि नये शासक शेख हसीना के खिलाफ इंटरपोल अधिकारियों से शिकायत करेंगे, अगर वह ढाका नहीं लौटीं।इसलिए डॉ. यूनुस को तुरंत

निम्नलिखित सवालों का जवाब देना चाहिए- 1. क्या बांग्लादेश ने आधिकारिक तौर पर भारत सरकार से श्रीमती वाजेद को वापस भेजने का अनुरोध किया था? अगर जवाब हां में है, तो भारत की प्रतिक्रिया का विशिष्ट विवरण क्या था? सच तो यह है कि ढाका ने इस मामले में अभी तक भारत से कोई अनुरोध नहीं किया है। 2. ऐसे में बांग्लादेश के अधिकारी भारत से बात किए बिना ही इस मुद्दे को इंटरपोल अधिकारियों के पास ले जाने की बात क्यों कर रहे थे?इससे यह स्पष्ट था कि डॉ. यूनुस ने एक बार फिर हर मोड़ पर भारत के साथ विवाद पैदा करने की कोशिश की थी। इंटरपोल के बारे में बातचीत भारत पर दबाव बनाने की एक भद्दी कोशिश थी और बांग्लादेश ने एक बहुत ही संवेदनशील मुद्दे पर जल्दबाजी में कदम उठाया।एक वरिष्ठ टिप्पणीकार ने कहा- डॉ. यूनुस ने मुख्य सलाहकार बनने के बाद भारत का जिक्र करते हुए कहा था कि नया बांग्लादेश अपने पड़ोसी के साथ अच्छे संबंधों की उम्मीद करता है। अगर कोई समस्या होती है, तो दिल्ली को यह समझना चाहिए कि दक्षिण एशिया में भारतीय हितों को नुकसान हो सकता है।यूनुस ने कहा था कि- अगर भारत-बांग्लादेश संबंधों में गिरावट आती है, तो भारत को अपने पूर्वोत्तर क्षेत्र, बांग्लादेश या यहां तक कि म्यांमार में भी नई समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है... इसका मतलब यह है कि नये गैर-अवामी लीग सरकार के अधिकारी बांग्लादेशी क्षेत्र में अलगाववादी तथा उग्रवादी संगठनों को पनाह देना शुरू कर सकते हैं और अन्य चीजों के अलावा पहले की तरह उनके भारत विरोधी अभियानों में उनकी मदद कर सकते हैं।भारत के लिए, वर्तमान स्थिति में दिल्ली की मुख्य चिंता असुरक्षित हिंदू अल्पसंख्यक आबादी के खिलाफ बार-बार होने वाले हमले हैं। पिछले तीन महीनों में बांग्लादेश के विभिन्न जिलों में इस तरह के हमलों को दर्शाने वाली रिपोर्ट और चौंकाने वाले वीडियो सामने आये हैं। इनमें से कई में हिंदुओं के खिलाफ आगजनी और हमले और उनकी संपत्ति की लूटपाट आदि दिखाई गई है। एमनेस्टी इंटरनेशनल और अमेरिका के निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जैसे संगठनों ने इसकी निंदा की थी। हमलों की दुनिया भर में निंदा की गई थी, लेकिन ढाका स्थित शासक चुप रहे।फिर भी डॉ. यूनुस ने इन चिंताओं को संबोधित करने के बजाय, हिंदुओं के खिलाफ अत्याचारों की सभी रिपोर्टों को %निराधार और अतिरंजित' बताकर अधीरता से खारिज कर दिया, जिससे इस्लामी चरमपंथियों को अल्पसंख्यकों के प्रति अपने दृष्टिकोण में और अधिक आक्रामक होने का प्रोत्साहन मिला। वास्तव में, उन्होंने हमेशा की तरह भारतीय अखबार के साथ अपने नवीनतम साक्षात्कार में ऐसे आरोपों का खंडन किया!सबसे मजबूत विपक्षी दल, बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के नेताओं सहित वरिष्ठ राजनेताओं ने यूनुस को भारत जैसे देशों के साथ अच्छे संबंध बनाये रखने की आवश्यकता के बारे में स्पष्ट रूप से याद दिलाया है। उन्होंने 1970-71 में बांग्लादेशी स्वतंत्रता के संघर्ष में दिवंगत शेख मुजीबुर रहमान या एएल द्वारा निभाई गई भूमिका को पूरी तरह से नकारने के बारे में नये प्रशासन द्वारा अपनाये गये रुख का विरोध किया।

कुछ लोगों ने पूछा था कि 1970-71 में यूनुस कहां थे, जब पाकिस्तानियों ने हजारों निर्दोष बंगालियों का कत्लेआम किया था और सैकड़ों स्वतंत्रता सेनानियों ने अपनी जान कुर्बान कर दी थी?

वर्तमान में प्रतिबंधित एएल को खोई हुई राजनीतिक जमीन वापस पाने में किसी भी तरह की मदद करने से परे बीएनपी के नेतृत्व वाली सभी विपक्षी ताकतें अब चाहती हैं कि यूनुस घोषणा करें कि वे कार्यवाहक शासन के कार्यकाल को समाप्त करते हुए अगले चुनाव कब करा सकते हैं। वे यह भी चाहते हैं कि एएल चुनाव लड़े, ताकि निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित हो सके।हाल के दिनों में अधिकांश टीवी पैनल चर्चाओं या अखबारों की टिप्पणियों के लहजे को देखते हुए, बीएनपी और अवामी लीग विरोधी नेता भी यूनुस पर अविश्वास करने लगे हैं, जिन्हें वे एक राजनीतिक व्यक्ति के रूप में नहीं देखते हैं।जैसा कि एक टिप्पणीकार ने बताया कि 5 अगस्त के तुरंत बाद नोबेल पुरस्कार विजेता मुख्य सलाहकार का लोगों, सभी विपक्षी दलों, पश्चिमी लोकतांत्रिक दलों सहित पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन और उनकी पत्नी हिलेरी के नेतृत्व वाले शक्तिशाली डेमोक्रेट्स, यूरोपीय संघ के नेताओं, गैर सरकारी संगठनों, मानव संसाधन समूहों और थिंक टैंकों ने स्वागत किया था। उनसे वायदा किया गया था कि वह समय से पहले चुनाव और प्रमुख प्रशासनिक सुधार करेंगे का वादा किया गया था, जबकि साथ ही एएल को हाशिए पर डालने के लिए एक ऊर्जावान अभियान भी जोरदार तरीके से शुरू किया गया था।

अब तक, नई सरकार के पहले 100 दिनों के बाद, सभी राजनीतिक दलों ने खुद को यूनुस से दूर कर लिया है। वे एएल, उसके जनसमर्थन, और पिछले योगदान को नष्ट करने के उनके गलत तरीके और कदमों का विरोध कर रहे हैं। वे हाल के बांग्लादेशी इतिहास को फिर से लिखने और बांग्लादेश के सबसे दोस्ताना पड़ोसी भारत के साथ अनावश्यक टकराव को भड़काने के उनके प्रयासों की निंदा कर चुके हैं।हां तक कि अमेरिका के भीतर भी, यूनुस ने डेमोक्रेट्स का महत्वपूर्ण समर्थन खो दिया है, जिन्हें ट्रम्प ने सत्ता से बाहर कर दिया है। इस स्थिति में, एक पर्यवेक्षक ने कहा, यूनुस को भारत-बांग्लादेश द्विपक्षीय संबंधों को नुकसान पहुंचाने के लिए कोई भी लापरवाही नहीं करनी चाहिए। इस तरह का कदम बांग्लादेश और लाखों लोगों की पीड़ा को और बढ़ा देगा, जो इस पीड़ा के समय में अपने अस्तित्व के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

कैसे सिद्ध किया जाए पूजा-पाठ

जिस तरह मंत्रों में शक्ति बताई गई है उसी प्रकार विभिन्न प्रकार की मालाएं भी पूजा-अर्चना में सिद्धिदायक सिद्ध होती हैं। अभिमंत्रित मालाओं में तो अद्भुत आध्यात्मिक शक्ति आ जाती है, जिससे साधक को तुरंत सफलता मिलती है। माला के बिना मंत्र जप का पूर्ण फल नहीं मिल पाता है। देवी-देवताओं के जप के लिए काम में ली जाने वाली जप मालाओं का इस्तेमाल यदि तरीके से किया जाए तो नतीजे बेहतरीन मिलते हैं। माला का उचित प्रयोग करने से शीघ्र सिद्धि भी मिलती है।

कमलगट्टे की माला

यह माला लक्ष्मी जी को अत्यंत प्रिय है। लक्ष्मी जी के मंत्रों का जप करने से शीघ्र सिद्धि मिलती है। यह माला धन प्राप्ति, स्थिर लक्ष्मी के लिए श्रेष्ठ है।

लक्ष्मी मंत्र- ऊँ श्री ह्रीं श्री कमले कमलालये प्रसीद श्री ह्रीं श्री ऊँ महालक्ष्मै नमः॥

कुश ग्रंथि की माला

कुश नामक घास की जड़ को खोदकर उसकी गांठों से बनाई गई यह कुश ग्रंथि माला सभी प्रकार के कायिक, वाचिक और मानसिक विकारों का शमन करके साधक को निष्कलुष, निर्मल और सतेज बनाती है। इसके प्रयोग से व्याधियों का नाश होता है।

गणेश मंत्र- ऊँ गं गणपत्यै नमः।

मूंगे की माला

मूंगे की माला गणेश और लक्ष्मी की साधना में प्रयुक्त होती है। धन-संपत्ति, द्रव्य और स्वर्ण आदि की प्राप्ति की कामना के लिए की जाने वाली साधना मूंगे की माला को अत्यधिक प्रभावशाली माना गया है। मंगल ग्रह का जप भी इस माला से किया जाता है।

मंगल मंत्र- ऊँ अं अंगारकाय नमः।

तुलसी की माला

वैष्णव भक्तों तथा राम और कृष्ण की उपासना के लिए यह माला उत्तम मानी गई है। इस माला को धारण करने वाला पूर्ण शाकाहारी होना चाहिए। धारक का प्याज व लहसुन से भी पूरी तरह दूर रहने से सकारात्मक परिणाम मिलते हैं।

कृष्ण मंत्र- ऊँ नमोभगवते वासुदेवायः।
ऊँ कृष्णं शरणं गच्छामिः॥

स्फटिक माला

स्फटिक माला सौम्य प्रभाव से युक्त होती है। इसके धारक को चंद्रमा, शुक्र व शिवजी की विशेष कृपा प्राप्त होती है। इन देवताओं के जातक प्रिय होते हैं। मानसिक शांति, सात्विक और पुष्टि कार्यों की साधना के लिए यह माला उत्तम मानी जाती है। **चंद्र मंत्र-** ऊँ सों सोमाय नमः।

शुक्र मंत्र- ऊँ शुं शुक्राय नमः।

शंख माला

शंख माला विशेष तांत्रिक प्रयोगों में प्रभावशाली रहती है। शिवजी की साधना और सात्विक कामनाओं की पूर्ति के लिए इसे धारण करना उत्तम माना जाता है।

शिव मंत्र- ऊँ नमः शिवायः।

रुद्र गायत्री- ऊँ तत्पुरुषाय विधमहे महादेवाय धीमहि, तन्नो रुद्रः प्रचोदयातः।

वैजयंती माला

यह माला भगवान विष्णु की आराधना में प्रयुक्त होती है। श्रीविष्णु को वैजयंती बहुत प्रिय है। माना जाता है कि इसको धारण करने या जाप करने से भगवान प्रसन्न होते हैं और सदा आशीर्वाद रखते हैं। वैष्णव भक्त इसे सामान्य रूप में भी धारण कर सकते हैं। **विष्णु मंत्र-** ऊँ नमो नारायणः

हल्दी की माला

हल्दी की यह माला गणेशजी को प्रसन्न करने के लिए काम में ली जाती है। गणेश पूजा में प्रयोग लाई जाने वाली इस माला का बृहस्पति ग्रह और देवी बगलामुखी की साधना में भी प्रयोग किया जाता है।

गुरु मंत्र- ऊँ ग्रां ग्रीं ग्रौ गुः गुरवे नमः।

पारद माला

इसका दूसरा नाम त्रिलोक्य विजय माला है। इसके पहनने से दरिद्रता दूर होती है तथा शिव व शनि प्रसन्न होते हैं। आकस्मिक धनागमन होने की संभावना बढ़ती है। शरीर के समस्त रोग स्वतः ही धीरे-धीरे कम होने लगते हैं। शनि की साढ़ेसाती दोष निवारण में भी यह राहत प्रदान करती है।

मोती माला

यह माला चंद्रमा की तथा आकर्षण व मानसिक शांति के लिए उपयुक्त है। इसे पहनने से स्त्रियों के सौंदर्य में वृद्धि व शीतलता का अनुभव होता है।

चंद्र मंत्र- ऊँ सों सोमाय नमः।

चंदन की माला

यह दो प्रकार की होती है- सफेद और लाल चंदन की। सफेद चंदन की माला का प्रयोग शांति पुष्टि कर्मों में तथा राम, विष्णु आदि देवताओं की उपासना व राहू ग्रह की शांति के लिए जप किया जाता है। जबकि लाल चंदन की माला गणेशोपासना तथा साधना (दुर्गा, लक्ष्मी, त्रिपुरसुंदरी) आदि की साधना के लिए प्रयुक्त होती है। लाल चंदन की माला से सूर्य का भी जप किया जाता है। धन- धान्य की प्राप्ति की साधना में भी इस माला का प्रयोग किया जाता है।

राहू मंत्र- ऊँ भ्रां भ्री भ्रौ रां: राहवे नमः।

सूर्य मंत्र- ऊँ धृर्णि सूर्य आदित्य श्री ऊँ।

रोग विनाशक रुद्राक्ष माला

रुद्राक्ष शिव को परम् प्रिय है। वैज्ञानिक तौर पर रुद्राक्ष में चुंबकीय, विद्युतीय और आकर्षण शक्तियां पाई जाती हैं। इसके स्पर्श एवं उपयोग से अनेक पापों से छुटकारा मिलता है। इससे दीर्घायु एवं स्वास्थ्य की प्राप्ति होती है। रुद्राक्ष के उपयोग से स्नायु रोग, स्त्री रोग, गले के रोग, रक्तचाप, मिरगी, दमा, नेत्र रोग, सिर दर्द आदि कई बीमारियों से लाभ होता है। श्रद्धा-भक्ति से धारण किया गया रुद्राक्ष सम्पूर्ण कामनाओं को सिद्ध करता है। रुद्राक्ष सामान्यतः एक से इक्कीस मुख तक पाए जाते हैं परन्तु पंद्रह से इक्कीस मुख रुद्राक्ष प्रायः दुर्लभ होते हैं। एक मुखी रुद्राक्ष साक्षात भगवान शंकर का स्वरूप है। यह अत्यंत दुर्लभ है व कई कार्यों में सफलता देता है।

बुध देवता की कृपा से पाएं धन-वैभव का प्रसाद

बुध ग्रह को ग्रहों में राजकुमार की उपाधि दी गई है। बुध ग्रह को भगवान विष्णु का प्रतिनिधि कहा जा सकता है। इसीलिए धन, वैभव आदि का संबंध बुध से है। बुध की दिशा उत्तर है तथा उत्तर दिशा कुबेर का स्थान भी है। बुध से जुड़ा सर्वाधिक महत्वपूर्ण गुण धर्म है। अनुकूलनशीलता हर हाल में खुद को ढाल लेना सिर्फ बुध प्रधान व्यक्ति ही कर सकता है। बुध को कई महत्वपूर्ण तथ्यों का कारक ग्रह माना गया है जैसे - वाणी का कारक, बुद्धि का कारक, त्वचा का कारक, मस्तिष्क की तंत्रिका तंत्र का कारक आदि। जन्म या वर्ष कुंडली में बुध ग्रह अशुभफलदायी हो तो भगवान विष्णु का ध्यान करके शुक्ल पक्ष के बुधवार को आरंभ करके 9000 की संख्या में बीज मंत्र का जप करना चाहिए। बुध के तांत्रोक्त मंत्र हैं

ऊँ स्त्रीं श्रीं बुधाय नमः
ऊँ ब्रां ब्रीं ब्रौं सः बुधाय नमः
ऊँ स्त्रीं स्त्रीं बुधाय नमः

दान योग्य वस्तुएं मूंगी, 5 हरे फल, चीनी, हरे पुष्प, हरी इलायची, कांस्य पत्र, पन्ना सोना, हाथी का दांत, हरी सब्जी, हरा कपड़ा, दक्षिणा सहित दान करें।

उपाय कुंडली में बुध शुभ होते हुए भी फलकारक न हो तो निम्न उपाय शुभ होंगे-

- हरे रंग का पन्ना बुधवार को सोने की अंगुठी में धारण करें।
- हरे रंग के वस्त्र पहनें परंतु यदि बुध अशुभ हो तो हरे वस्त्र कदापि न पहनें।
- बुधवार को चांदी या कांस्य के गोल टुकड़े को हरे रंग के कपड़े में लपेट कर जेब में रखें या भुजाओं के साथ बांधें।

यदि बुध अशुभ हो तो

- मूंगी साबत के सात दानें, हरा पत्थर, कांसे का गोल चुकड़ा, हरे वस्त्र में लपेट कर बुधवार को चलते पानी में बहाना शुभ होगा। पानी में बहाते समय कम से कम सात बार बीज मंत्र पढ़ें।
- हरे रंग के वस्त्र किसी हिजड़े को बुधवार के दिन देना शुभ होता है।
- 6 इलायची हरे रूमाल में लपेटकर अपने पास रखें तथा इसके पश्चात एक इलायची व तुलसी पत्र का सेवन करना शुभ रहेगा।

ऐसा करने से शनि का कोप शांत होता है...

सूर्य पुत्र शनि देव का नाम सुनकर लोग सहम से जाते हैं। शनि की टेढ़ी चाल से किसे डर नहीं लगता, उनके क्रोध से देवता भी थर-थर कांपते हैं, कहते हैं शनि की कृपा राजा को रंक और रंक को राजा बना सकती है। लेकिन शनि देव इंसान के कर्मों के अनुसार ही फल देते हैं। शनिदेव का व्रत एवं पूजन करने से वह प्रसन्न हो जाते हैं। शनि देव की प्रसन्नता के बाद व्यक्ति को परेशानियों से मुक्ति मिल जाती है और शनि की दशा के समय उनके भक्तों को कष्ट की अनुभूति नहीं होती है।

- शनिवार के दिन शनि देव को नीले लाजवंती का फूल, तिल, तेल, गुड़ अर्पण करें।
- पीपल में जल दें और पीपल की जड़ पर तिल या सरसों के तेल का दीपक जलाएं।
- शनि मन्त्र ऊँ शनैश्चराय नम का जाप करें।
- काली चींटियों को गुड़ एवं आटा खिलाएं।
- किसी कुत्ते को तेल चुपड़ी हुई रोटी खिलाएं। कुत्ता शनिदेव का वाहन है और जो लोग कुत्ते को खाना खिलाते हैं उनसे शनि अति प्रसन्न होते हैं।
- तिल और उड़द से बने पकवान शनिदेव को भोग लगाएं। शनिवार को साबुत उड़द किसी भिखारी को दान करें या कौए को खिलाएं।
- काले रंग का वस्त्र धारण करें।
- शनिवार के दिन शनि भगवान का व्रत रखें। शनि चालीसा का पाठ, शनि मंत्रों का जाप एवं हनुमान चालीसा का पाठ करें।
- शनि की शांति के लिए नीलम भी पहन सकते हैं। काले घोड़े की नाल का छल्ला मध्यमा अंगुली में धारण करें।
- शनिवार को शनि ग्रह की वस्तुओं का दान करें, शनि ग्रह की वस्तुएं हैं काला उड़द, चमड़े का जूता, नमक, सरसों तेल, तेल, नीलम, काले तिल, लोहे से बनी वस्तुएं, काला कपड़ा आदि।

भगवान गणेश को प्रसन्न करने के लिए

सबसे सरल व उत्तम उपाय

भगवान गणेश की कोई भी मूर्त देखें तो उनके साथ सर्वदा उनका प्रिय भोजन मोदक अवश्य होता है। गणेश जी के हाथ में रखे मोदक का अर्थ है कि उनके हाथ में आनंद प्रदान करने की शक्ति है। मोदक मान का प्रतीक है इसलिए उसे ज्ञानमोदक कहकर भी संबोधित किया जाता है। जिस प्रकार मोदक मीठा होता है वैसे ही ज्ञान से प्राप्त आनंद भी मीठा होता है।

शास्त्रों के मतानुसार भगवान गणेश को प्रसन्न करने के लिए सबसे सरल व उत्तम उपाय है मोदक का भोग। गणपति पूजा में अगर अपने मोदक का भोग अर्पित नहीं किया तो आपकी पूजा अधूरी ही रहती है। इसका कारण यह है कि गणेश जी को सबसे प्रिय मोदक है। गणेश जी का मोदक प्रिय होना भी उनकी बुद्धिमानी का परिचय है। मोद यानी आनंद व क का अर्थ है छोटा-सा भाग। अत: मोदक यानी आनंद का छोटा-सा भाग। मोदक का आकार नारियल समान यानी ख नामक ब्रह्मरंध्र के खोल जैसा होता है। कुंडलिनी के ख तक पहुंचने पर आनंद की अनुभूति होती है। पद्म पुराण के सृष्टि खंड में गणेश जी को मोदक प्रिय होने का जो वृतांत मिलता है उसके अनुरूप मोदक का निर्माण अमृत से हुआ है। यजुर्वेद के अनुसार गणेश जी परब्रह्म स्वरूप हैं। लड्डू को ध्यानपूर्वक देखने से ज्ञात होता है कि उसका आकार ब्रह्माण्ड के समान है। गणेश जी के हाथों में लड्डू का होना यह भी दर्शाता है कि गणेश जी ने ब्रह्माण्ड को धारण कर रखा है। सृष्टि के समय गणेश जी ब्रह्मण्ड को प्रलय रूपी मुख में रख लेते हैं और सृष्टि के आरंभ में इसकी रचना करते हैं।

वो 21 नाम जो करेंगे समस्याओं का निदान

क्या आपके घर में कलह क्लेश रहता है, कोई भी काम करते हैं तो बनते-बनते बिगड़ जाते हैं, शत्रु अकारण परेशान करते रहते हैं, स्वास्थ्य खराब रहता है, कोई न कोई रोग तन को लगा ही रहता है, बच्चे की बुद्धि का विकास नहीं हो रहा है तो फिर आप जान लिजिए वो 21 नाम जो करेंगे आपकी समस्याओं का निदान।

धार्मिक उपायों में भगवान गणेश का सबसे पहले ध्यान किया जाता है क्योंकि श्री गणेश संकटों को दूर करने वाले देवता माने जाते हैं। गणेश जी अपने भक्तों की श्रद्धा और भक्ति देखते हैं। जो भक्त इनके प्रति जितनी श्रद्धा रखता है गणेश जी उस पर उतने ही कृपालु बने रहते हैं।

1- ऊँ सुमुखाय नमः
2- ऊँ गणाधीशाय नमः
3- ऊँ उमापुत्राय नमः
4- ऊँ गजमुखाय नमः
5- ऊँ लंबोदराय नमः
6- ऊँ हरसूनवे नमः
7- ऊँ शूर्पकर्णाय नमः
8- ऊँ वक्रतुण्डाय नमः
9- ऊँ गुहाग्रजाय नमः
10- ऊँ एकदंताय नमः
11- ऊँ हेरम्बाय नमः
12- ऊँ चतुर्होत्रे नमः
13- ऊँ सर्वेश्वराय नमः
14- ऊँ विकटाय नमः
15- ऊँ हेमतुण्डाय नमः
16- ऊँ विनायकाय नमः
17- ऊँ कपिलाय नमः
18- ऊँ कटवे नमः
19- ऊँ भालचंद्राय नमः
20- ऊँ सुराग्रजाय नमः
21- ऊँ सिद्धिविनायकाय नमः

ठंड में बढ़ जाता है अस्थमा अटैक का खतरा

सर्दियों के मौसम में अस्थमा और फेफड़े के रोगियों के लिए मुश्किलें बढ़ जाती हैं। इस दौरान सांस की नली में सूजन आने से उन्हें अस्थमा अटैक होने का खतरा रहता है। डॉक्टरों से जानें अस्थमा रोगियों के लिए सर्दी के मौसम में जरूरी सावधानियां और टिप्स। सर्दियों का मौसम आ गया है और इस मौसम में अस्थमा रोगियों की समस्याएं भी बढ़ जाएंगी। अस्थमा रोगी घर के अंदर रहें या बाहर, सर्दियों में अस्थमा के अटैक का खतरा बना रहता है। फेफड़ों के रोग से पीड़ित मरीजों को सर्दियों का मौसम परेशानियों से भरा महसूस हो सकता है। अमेरिकन लंग एसोसिएशन की फैक्टशीट में कहा गया है कि अस्थमा सबसे पुरानी बीमारियों में से एक है और फिलहाल इससे 18 वर्ष से कम आयुवर्ग के 7.1 मिलियन बच्चे प्रभावित हैं। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज स्टडी के अनुसार 13.8 मिलियन डिसैबिलिटी एडजस्टेड लाइफ ईयर (DALYs) अस्थमा के कारण हर साल दम तोड़ देते हैं, यह रोग वैश्विक स्तर पर बीमारी के बोझ के 1.7 फीसदी का प्रतिनिधित्व करता है। दुनिया भर में 30 करोड़ लोग अस्थमा से पीड़ित हैं और सर्दियों के मौसम में इन मरीजों में अस्थमा के लक्षण और बदतर तरीके से उभरते हैं।

ठंड में बढ़ जाती है अस्थमा रोगी की परेशानियां

विशेषज्ञों के अनुसार, अस्थमा के मरीजों की सांस की नली में सूजन आ जाती है, जिसके कारण मरीजों के सांस लेने में दिक्कत होती है। इससे मरीजों के अन्य अंगों का प्रतिक्रिया भी बढ़-चढ़कर होती है। अस्थमा के मरीजों के लिए ठंडा माहौल उपयुक्त नहीं है। इससे उनके हानिकारक वायरस की चपेट में आने का खतरा रहता है। अस्थमा के मरीजों के फेफड़े और सांस की नली काफी संवेदनशील होते हैं।

इनहेलेशन थेरेपी और उससे जुड़ी गलत धारणाएं

कई मरीजों और उनकी देखरेख करने वाले परिजनों को अस्थमा के कारणों और इलाज के मौजूदा विकल्पों की जानकारी नहीं होती। अस्थमा एक आनुवांशिक और एक मनुष्य से दूसरे मनुष्य में फैलने वाला रोग है। मरीजों को अस्थमा के अटैक से बचाने के लिए कई इलाज उपलब्ध हैं, जिसमें फिश थेरेपी, वैकल्पिक दवाएं और योग शामिल हैं। अस्थमा के रोग को उभरने का मौका न देकर इससे बचाव किया जा सकता है। अस्थमा से पीड़ित मरीजों को एक सामान्य सा भ्रम रहता है कि इनहेलर्स उनके पास अस्थमा के अटैक से बचने का आखिरी उपाय है। अस्थमा रोग के बारे में मरीजों और उनके परिजनों को डॉक्टरों की ओर से शिक्षित किए जाने की जरूरत है। इनहेल्ड कार्टिकोस्टेरॉइड्स या इनहेलेशन थेरेपी के कम से कम साइड इफेक्ट्स के साथ अस्थमा का इलाज किया जा सकता है।

इन बातों का रखें ध्यान

पल्मोनरी रोग विशेषज्ञ डॉ. हरीश भाटिया कहते हैं कि ठंड में अस्थमा के मरीजों के सांस लेते समय खरखराहट और घरघराहट की आवाज आने, सांस से संबंधित रोगों और ब्रॉन्काइल अस्थमा के मामलों में 30 से 40 फीसदी की बढ़ोतरी होती है। इसलिए फेस्टिव सीजन के बाद सभी आयु वर्ग के अस्थमा मरीजों के अस्पताल में इलाज कराने आने का संभावना होती थी। उन मरीजों को अस्थमा को काबू में करने में परेशानी आती है, जिन मरीजों में दवाइयां लेने पर रोग के लक्षण और तेजी से उभरते है। इससे उनकी रोजमर्रा की शारीरिक गतिविधियों पर असर पड़ता है। इस समस्या से निजात पाने के लिए इनहेलेशन थेरेपी सबसे प्रभावी थेरेपी है। इसके साइड इफेक्ट बहुत कम है और यह तेजी से अपना असर दिखाती है।

रेस्पिरेटरी मेडिसिन में प्रकाशित एक शोध लेख के अनुसार, अस्थमा के लिए इनहेलेशन थेरेपी और क्लिनिकल प्रभावशीलता का संबंध काफी सकारात्मक है। वयस्कों, नवजात शिशुओं और बच्चों पर किए गए बहुत से अध्ययन के अनुसार इनहेलेशन थेरपी से रोग के लक्षणों पर जल्द नियंत्रण पाया जा सकता है और फेफड़े सामान्य तरीके से काम करने लगते हैं।

5 से 11 साल के बच्चों में बढ़ी अस्थमा की बीमारी

डॉ. गौरव सेठी बताते हैं कि कुछ घंटों के लिए प्रदूषक तत्वों के संपर्क में आने से भी फेफड़ों का रोग बिगड़ सकता है। इससे मरीज पर अस्थमा अटैक हो सकते हैं। इसलिए किसी भी आपात स्थिति के लिए तैयार रहना बहुत जरूरी है। एक मोटे अनुमान के अनुसार भारत में 5 से 11 वर्ष के आयुवर्ग में अस्थमा से पीड़ित बच्चों की संख्या 10 से 15 फीसदी के बीच है। हालांकि, अभी भी हजारों पेरेंट्स ऐसे हैं, जिन्हें इलाज के सही तरीकों की जानकारी नहीं है। इनहेलेशन थेरेपी में सांस की नली में सूजन आने पर बहुत थोड़ी मात्रा में, करीब 25 से 100 माइक्रोग्राम कार्टिकोस्टेरॉइड्स की जरूरत होती है, लेकिन जब यह दवाई के माध्यम से मौखिक रूप से आंतों के रास्ते मरीजों में पहुंचती है तो दवाई की बहुत ज्यादा मात्रा, करीब 10 हजार माइक्रोग्राम मरीज के शरीर में पहुंचती है, पर इस दवाई का केवल थोड़ा सा हिस्सा ही फेफड़ों तक पहुंचता है। इसका मतलब यह है कि जब अस्थमा की मरीज कोई गोली या टैबलेट खाता है तो अपनी जरूरत से 200 गुना अधिक दवाई लेता है। इससे मरीजों की सेहत पर खराब असर पड़ता है।

टैबलेट और सिरप से ज्यादा कारगर है इन्हेलेशन थेरेपी

बाल और नवजात शिशु रोग विशेषज्ञ सीतांशु श्रीवास्तव ने कहा कि अस्थमा के इलाज में टैबलेट और सिरप काफी कम प्रभावी होते हैं। इससे शरीर के बाकी हिस्सों पर भी गैरजरूरी रूप से साइड इफेक्ट पड़ता है। जब अस्थमा की दवाई और सिरप लिया जाता है तो मरीज की शरीर की जरूरत से ज्यादा 40 गुना दवाई उसके शरीर में पहुंचती है। यह दवा उन दूसरे अंगों में भी प्रवेश कर जाती है, जहां इसकी जरूरत नहीं है।

रेसिपी

रबड़ी खीर

सामग्री

- रबड़ी : 250 ग्राम
- चावल : ¼ कप
- चीनी: ½ कप
- इलायची पाउडर : ½ छोटी चम्मच
- किशमिश : 1 टेबल स्पून
- बादाम : 9-10
- काजू : 9-10
- दूध : 1 लीटर

विधि

चावलों को अच्छे से धोकर पानी में ½ घंटे के लिए भिगो कर रख दीजिए। अब पानी हटाकर चावलों को दरदरा पीस लीजिए। दूध को एक बर्तन में डालकर उबालने रख दीजिए। दूध में उबाल आने पर भीगे पिसे चावल डाल दीजिए और 1-2 मिनिट चलाते रहें। अब आप काजू और बादाम को बारीक टुकड़ों में काट कर तैयार कर लीजिए। जब चावल पक जाएं तब कटे हुए काजू, बादाम और किशमिश खीर में डाल दीजिए। जब चावल और मेवे सभी मुलायम हो जाए और खीर गाढ़ी हो जाए तो गैस बंद कर दीजिए। अब इसमें चीनी और इलाइची डालकर मिला दीजिए। खीर को 2-3 मिनिट के लिए ढककर रख दीजिए और थोड़ा ठंडा होने के बाद इसमें रबड़ी डाल कर मिला दीजिए।

ड्राई फ्रूट पंजीरी

सामग्री

- घी: 200 ग्राम
- चीनी: 3/4 कप
- काजू: 30 ग्राम
- तरबूज के बीज: 1 चम्मच
- इलायची पाउडर: आधा चम्मच
- बेसन: 200 ग्राम
- बादाम: आधा कप
- कमल के बीज: 3/4 कप
- खरबूजे के बीज: 1 कप
- क्रश किए हुए पिस्ता: 11 चम्मच

विधि

इस पंजीरी रेसिपी को बनाने के लिए एक गहरे तले वाला पैन लें और उसमें घी गर्म करें। काजू और बादाम डालकर फ्राई करें और उन्हें निकालकर एक बोल में रख लें। उसी पैन में थोड़ा और घी डालें और उसमें कमल के बीज डालकर 5 से 6 मिनट हल्का और क्रिस्पी होने तक भूनें। इन्हें भी निकालकर ड्राई फ्रूट्स वाले बोल में रख दें। ग्राइंडर की मदद से बादाम, काजू और कमल के बीजों को एक साथ पीस लें। गैस पर एक कढ़ाई रखें और उसमें घी गर्म करें। इसमें बेसन डालकर 6-7 मिनट भूनें या तब तक भूनें जब तक आपका मनचाहा गोल्डन कलर न आ जाए। अब इसमें क्रश किए हुए पिस्ता, इलायची पाउडर और खरबूज के बीच डालकर 5 मिनट और भूनें। अब पिसे बादाम, काजू और कमल के बीच का मिश्रण मिक्स करें। इस दौरान पूरी सामग्री को चलाते रहें। इसे कम से कम 6-7 मिनट के लिए और पकाएं। गैस बंद कर दें और ठंडा होने पर सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, द्वुचता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। अभी आश्वासनों से संतोष करना पड़ेगा। शुभांक-2-6-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। शुभांक-4-6-8

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। परिवारजनों का सहयोग बना रहेगा। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-5-7-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। धीरे-धीरे लाभ का मार्ग प्रशस्त होगा उचित समय का इन्तजार करें। मेहमानों का आगमन होगा। छात्रों को लाभ। शुभांक-4-6-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): आय के अच्छे योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग हैं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। शत्रुपक्ष से सावधान रहें। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आत्मविश्वास बढ़ेगा। इच्छित कार्य सफल होंगे। इच्छित स्थान की यात्रा का योग हैं। शुभांक-2-5-6

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): "आगे-आगे गौरख जागे" वाली कहावत चरितार्थ होगी। मेहमानों का आगमन होगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल व समन्वय बनाय। मीठे बोलने वालों से संभल कर रहें। शुभांक-4-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। शुभांक-3-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय समान रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। विशिष्ट जनों से मेल-मुलाकात होगी। शुभांक-2-4-6

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभांक-4-6-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। आनन्ददायक वातावरण बनेगा। शुभांक-1-3-5

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। होश में रहकर कार्य करें। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। शुभांक-3-4-6

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। मनोरथ सिद्धि का योग है। शुभांक-2-4-6

काकुरो पहेली - 2662

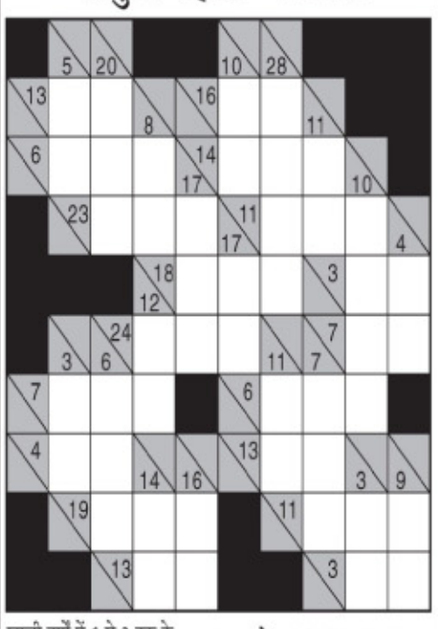

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

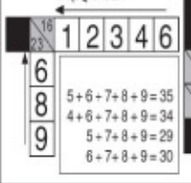

5+6+7+8+9=35
4+6+7+8+9=34
5+7+8+9=29
6+7+8+9=30

काकुरो - 2661 का हल

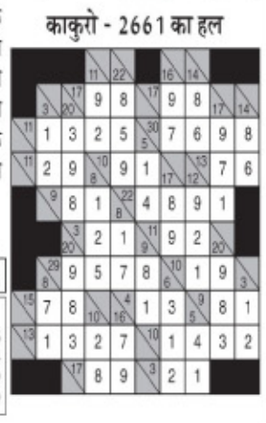

हंसी के फूव्वारें

शक्ल-सूरत से एकदम भोली दिखती एक जवान लड़की डॉक्टर के सामने बैठी हुयी थी. डॉक्टर ने उसका शारीरिक परीक्षण करने के बाद कहा, 'मेरा ख्याल है कि तुम्हारे बच्चा होने वाला है.' क्षण भर रुककर वह बोला, 'और यह संभव है कि तुम्हारे जुड़वां बच्चे हों.'

'लेकिन डॉक्टर साहब यह कैसे हो सकता है?' लड़की ने चकित स्वर में कहा, 'मैं अपने जीवन में एक बार में कभी दो से नहीं मिली हूँ.'

□ □ □

घरवाली ने जरा खीझते हुए आदमी से बोली, 'घर में जवान बेटी बैठी है और तुम्हें कोई चिंता नहीं, हाथ पर हाथ धरे बैठे रहते हो. कुछ भाग-दौड़ करो...'

आदमी ने एक गहरी सांस लेते हुए कहा, 'भागवान, कोई सही-सा लड़का मिले तो बात आगे...'

तड़-से घरवाली बीच में ही बात काटते हुए हाथ घुमाकर बोली, 'सोचो, अगर मेरे पिताजी भी सही लड़के की खोज करते, तो फिर तुम्हारा क्या होता?'

□ □ □

पति ने चिड़चिड़े लहजे में कहा, 'इस वक्त मुझे तंग मत करो, मेरे दिमाग में आग लगी है...'

'ओह !' पत्नी बोली, 'तभी तो मैं सोच रही थी कि चमड़ा जलने की बदबू कहां से आ रही है !'

फिल्म वर्ग पहेली- 2662

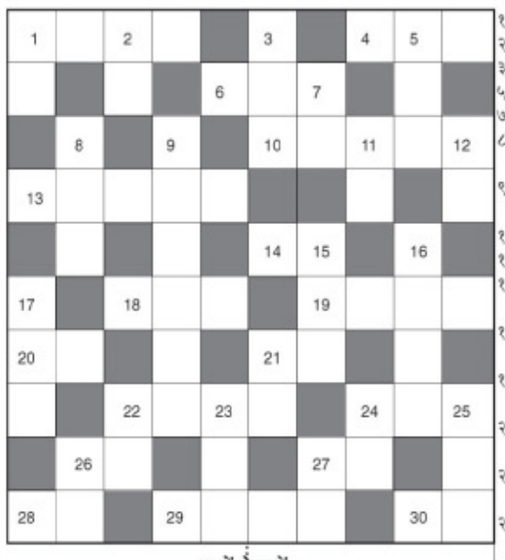

बायें से दायें:-

१. 'दिल ने ये कहा हैदिल से' गीत वाली अक्षयकुमार, शिल्पा की फिल्म-४
४. देवआनंद, जैकी, गोविंदा, रेखा की 'इस तरह देखो ना' गीत वाली फिल्म-३
६. 'ना कजरे की धार' गीत वाली अक्षयकुमार, रवीना की फिल्म-३
१०. अनिल, माधुरी दीक्षित की 'आँखों के आगे पीछे' गीत वाली फिल्म-५
१३. 'आदमी मुसाफिर है' गीत वाली संजीव कुमार, सुलक्षणा की फिल्म-५
१४. अतिन भल्ला, संदली की 'साँवली सी इक लड़की' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'हुन हुना रे हुन हुना' गीत वाली विकास भल्ला, काजोल की फिल्म-३
१९. गोविंदा, मनीषा की 'ठहरो तो सही सोचो तो जरा' गीत वाली फिल्म-४
२०. एम. एफ. हुसैन की फिल्म 'मीनाक्सी' की नायिका कौन है-२
२१. 'बाबुल का ये घर बहना' गीत वाली मिथुन, रंजीता, पद्मिनी की फिल्म-२
२२. ऋषिकपूर, पद्मिनी की 'मेरी किस्मत में तू नहीं' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'मेरी शादी का ख्याल' गीत वाली राजेश खन्ना, टीना की फिल्म-३
२६. विवेक, दीया मिर्जा की बाबूजी जरा धीरे' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'जब चाहा जजबात से खेले' गीत वाली चंदनदास का गजल एलबम-२
२८. मिथुन, रंभा की 'पीलो इश्क दी विस्की' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'सच कहते हैं हं' गीत वाली अक्षयकुमार, करिश्मा की फिल्म-४
३०. फिल्म 'राजा जानी' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका कौन थी-२

ऊपर से नीचे:-

१. नवीन निश्चल, प्राण, रेखा की फिल्म-२
२. 'मोहब्बत हुई हुई' गीत वाली फिल्म-२
३. विश्वजीत, वहीदा रहमान की फिल्म-३
५. 'ऐ जिंदगी गले लगा' गीत वाली फिल्म-३
७. दीनो मारिया, बिपाशा बसु की फिल्म-२
८. विवेक ओबेराय, अंतरा की 'खल्लास बचके तू रहना रे' गीत वाली फिल्म-३
९. 'करवटें बदलते' गीत वाली संजीव, राजेश खन्ना, मुमताज की फिल्म-२,१,३
११. 'लंबूजी लंबूजी' गीत वाली फिल्म-२
१२. अभिषेक, भूमिका चावला की फिल्म-२
१५. फिल्म 'सब से बड़ा खिलाड़ी' में अक्षयकुमार के साथ नायिका कौन थी-३
१६. शत्रुघ्न, हेमा, मिथन की 'बचके मेरी जान बचके' गीत वाली फिल्म-४
१७. 'मैं तो हर मोड़ पर' गीत वाली अनिल धवन, रेहाना सुलतान की फिल्म-३
२१.राजेश, शर्मिला, राखी की 'मेरे दिल में आज' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'ओ मेरी चूड़ियाँ बजी' गीत वाली संजयकपूर, तब्बू की फिल्म-२
२३. फिल्म 'बरसात की रात' के संगीतकार कौन थे-३
२४. विनोद खन्ना, योगिता बाली की फिल्म-२
२५. फिल्म 'बागी' में सलमान खान के साथ नायिका कौन थी-३
२६. उमादेवी का गाया गीत 'अफसाना लिख रही हूँ' किस फिल्म का है-२
२७. नसीरूद्दीनशाह, अतुल अग्निहोत्री पूजा भट्ट की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2663

सूडोकु -2662

7	8	6		1		5		2
	9			8				3
1			6	9		7		
	3	8	2		1			
2	7	5				6	3	1
			5		7	2	8	
		9		7	4			6
8				2			5	
4		2		5		9	1	7

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2661 का हल

2	9	5	3	1	4	6	8	7
3	6	1	2	8	7	4	9	5
8	4	7	5	9	6	3	2	1
5	7	4	1	6	2	8	3	9
1	3	6	9	4	8	5	7	2
9	8	2	7	3	5	1	4	6
6	2	8	4	7	1	9	5	3
4	5	3	6	2	9	7	1	8
7	1	9	8	5	3	2	6	4

शब्द पहेली - 2662

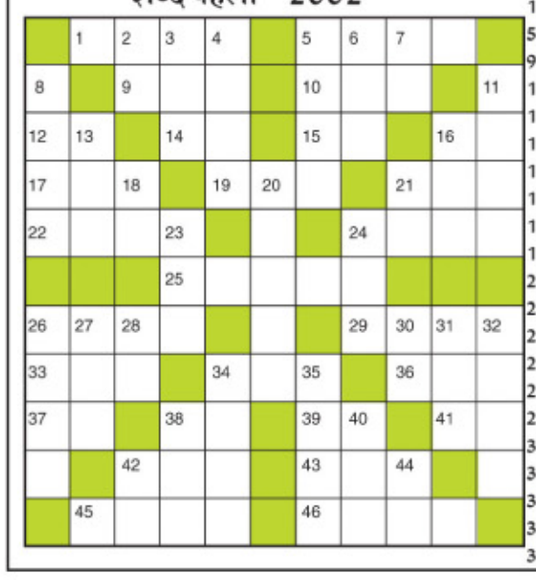

बाएँ से दाएँ

1.मूर्ख,बेवकूफ (उर्दू-4)
5.संपत्ति-4
9.कटि,पीठ -3
10.प्रणाम,नमस्कार-3
12.अधीन-2
14.पितामह-2
15.कार्य-2
16.पराजय-2
17.अच्छे कुल का-3
19.तरंग,हिलोर-3
21.एक प्रकार की दाल-3
22.ओस,रजनी जल(उर्दू-4)
24.गगन,आकाश-4
25.स्वच्छ करना-5
26.आश्चर्यजनक-4
29.जो लायक न हो-4
33.उल्टी,कै-3
34.रनिवास,जनवासा-3
36.पंक्ति,लाइन-3
37.सुर,लय,आलाप-2
38.दंड,शिक्षा-2
39.पराजय-2
41.झुका हुआ -2
42.कर्म,भाग्य-3
43.भार-3
45.भूल,गलती (उर्दू-4)
46.भाग्य,नसीब-4

ऊपर से नीचे

2.अधिकार-2
3.मां का दुलार-3
4.ताली की आवाज-4
5.अनुभवी-4
6.जुड़वा-3
7.दक्षिणा-2
8.राम के पुत्र-2,2
11.अभिलाषा,-4
13.क्रूस,सूली-3
16.पाचनशक्ति-3
18.ईसाई साध्वी-2
20.जीवनसाथी -5
21.गरबा,नृत्य-2
23.मालिश-3
24.दर्पण,शीशा-3
26.ईश्वर-4
27.बाग,गुलिस्तां-3
28.क्रिकेट में बनते हैं-2
30.दुलारा,पुत्र-2
31.भरोसा,विश्वास-3
32.करामात-4
34.शेविंग करना-4
35.हाथी साधने वाला-4
38.आसान,सीधा-3
40.कपड़े धोने वाला-3
42.बलगम-2
44.सरिता-2

शब्द पहेली -2661 का हल

... तो इस वजह से हुआ पांच बच्चों की मां का मर्डर, लखनऊ पुलिस के सामने कातिल बॉयफ्रेंड का कबूलनामा

उत्तर प्रदेश. उत्तर प्रदेश के लखनऊ में लिव-इन-पार्टनर की हत्या करने वाले आरोपी ऑटो ड्राइवर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है. उसने पूछताछ में कई चौंकाने वाले खुलासे किए हैं. बताया कि क्यों और किस बात से गुस्सा होकर उसने अपनी लिव-इन-पार्टनर की सिलबट्टे से हमला कर हत्या कर डाली. आरोपी देवा ने अपना जुर्म कबूल लिया है. उसने कहा- अंजलि मुझे इग्नोर कर रही थी. मुझसे पीछा छुड़ाना चाहती थी. इसलिए मैंने उसे मार डाला.

घटना बीबीडी इलाके के नेवाजपुरवा इलाके की है. सीतापुर सिधौली की रहने वाली 42 वर्षीय अंजलि वाल्मीकि बाराबंकी स्थित एक हॉस्पिटल में सफाई कर्मी थी. करीब आठ साल पहले पति संजय वाल्मीकि से अलग होने के बाद वह नेवाजपुरवा में किराए के मकान में रहने लगी. इस बीच अंजलि का एक ऑटो ड्राइवर देवा से अफेयर चला. फिर वो भी उसी के साथ इसी घर में रहने लगा.

मंगलवार शाम करीब 7 बजे दोनों घर में थे. तभी किसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हो गया. विवाद इतना बढ़ा कि दोनों एक दूसरे से मारपीट करने लगे. इस दौरान देवा ने सिलबट्टे से अंजलि पर वार कर दिया. जिससे उसके सिर पर गंभीर चोट आई और वो गिर पड़ी. उसे पास के निजी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसकी मौत हो गई. आरोपी उससे पहले ही वहां से फरार हो चुका था.

आरोपी का कबूलनामा

गुरुवार को इंदिरा नहर ओवरब्रिज के पास से फिर आरोपी को पकड़ लिया गया. पहले तो वो पुलिस को गुमराह करता रहा. लेकिन बाद में टूट गया और अपना जुर्म कबूल लिया. आरोपी देवा ने पूछताछ में बताया- अंजलि मुझसे दूरी बना रही थी. पीछा छुड़ाना चाहती थी. इस बात को लेकर हम दोनों में विवाद होता था. मंगलवार रात को जब मैं शराब के नशे में घर पहुंचा तो अंजलि ने घर से बाहर निकलने के कहा. इस बात से मैं आग बबूला हो गया और बहस शुरू हो गई. फिर मैंने गुस्से में सिलबट्टे से ताबड़तोड़ कई वार किए. जिससे उसकी मौत हो गई.

खून से लथपथ हालत में पड़ी थी अंजलि

इंस्पेक्टर बीबीडी ने बताया कि किराए के मकान में एक और परिवार रहता है. मकान मालिक ने पुलिस को सूचना दी. एसीपी ने बताया कि पूछताछ में पता चला कि अंजलि के पांच बच्चे हैं. कुछ वक्त पहले ही उसने बेटियों की शादी की थी. वारदात के वक्त घर में अंजलि और देवा ही थे. उनके लड़ने-झगड़ने की आवाजें भी रही थीं. बाद में जब अंजलि की चीख सुनाई दी तो पड़ोसी दौड़कर वहां पहुंचे. देखा कि अंजलि खून से लथपथ हालत में पड़ी है. देवा तुरंत वहां से फरार हो गया.

14 साल का प्यार, प्रेमी के मोबाइल में दिखी 'बेवफाई', फांसी लगा प्रेमिका ने दी जान... सुसाइड नोट में बयां किया दर्द

जबलपुर. मध्य प्रदेश के जबलपुर जिले में प्रेमी की बेवफाई से आहत होकर प्रेमिका ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. मृतका पिछले 14 वर्षों से मोनू उर्फ रोहित नामक युवक के साथ प्रेम संबंध में थी, लेकिन जब उसने प्रेमी का मोबाइल हैक किया तो उसे उसकी बेवफाई की सच्चाई पता चली, जिसे वह सहन नहीं कर पाई और प्रेमी की बेवफाई से आहत होकर उसने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. फिलहाल पुलिस ने सुसाइड नोट जब्त किया है, जिसमें प्रेमी की बेवफाई जिक्र किया गया है. फिलहाल यादव कॉलोनी चौकी पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है.

यह पूरी घटना लार्डगंज थाना अंतर्गत यादव कॉलोनी से सामने आई है. यहां एक युवती ने अपने सुसाइड नोट में लिखा है कि मोनू के कई लड़कियों के साथ शारीरिक संबंध थे. इस सच को जानने के बाद उसने मोनू से दूरी बनानी शुरू कर दी. इससे गुस्साए मोनू ने उसे धमकाना शुरू कर दिया और बात करने के बहाने एक होटल में बुलाकर उसके साथ दुष्कर्म किया.

14 साल से रिश्ते में थे दोनों

मृतका मोनू के साथ 14 वर्षों से प्यार में थी और इस रिश्ते को लेकर उसने अपने परिवार और समाज से भी लड़ाई लड़ी, लेकिन जब उसे मोनू की असलियत का पता चला तो वह टूट गई. मोनू के दूसरे लड़कियों से संबंध और लगातार मिलने वाली धमकियों ने उसे मानसिक रूप से परेशान कर दिया था. थाना प्रभारी हरिकिशन आठनेरे ने बताया कि मामले जांच शुरू कर दी गई है. मृतका के सुसाइड नोट के आधार पर आरोपी मोनू के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है. पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि युवती को आत्महत्या के लिए उकसाने में और कौन-कौन शामिल हो सकता है.

मानसिक रूप से प्रताड़ित किया

वहीं मृतका की बहन ने बताया कि मोनू ने अपनी हरकतों के बावजूद युवती को दूसरी जगह शादी करने से भी रोका. प्रेमिका को इस रिश्ते में केवल धोखा और दर्द मिला. युवती की मौत के बाद परिवार सदमे में है. बहन ने कहा कि मोनू ने उसकी बहन को मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया. अब वे न्याय की गुहार लगा रहे हैं.

संभल हिंसा की जांच CBI से कराने की मांग, हाईकोर्ट में दायर की गई याचिका

उत्तर प्रदेश. उत्तर प्रदेश के संभल जिले में रविवार (24 नवंबर) को शाही जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान हिंसा भड़क गई थी. हालांकि अब स्थिति नियंत्रण में है. इस हिंसा में 4 लोगों की मौत भी हुई. इसी मामले पर इलाहाबाद हाईकोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की गई है. इस याचिका में हाई कोर्ट के रिटायर्ड जस्टिस की अध्यक्षता में ष्ठ्रक्क्ष्ठ जांच कराने की मांग की गई है. इसके साथ ही याचिका में कलेक्टर और एसपी के साथ-साथ संबंधित अधिकारियों की भूमिका की भी जांच की मांग की गई है.

आनंद प्रकाश तिवारी नाम के व्यक्ति द्वारा अधिवक्ता इमरान उल्लाह और विनीत विक्रम के जरिए दायर इस याचिका में यह मांग भी की गई है, कि संभल की जामा मस्जिद के सर्वे से लेकर अब तक पूरी जांच कराई जाए. इसके साथ ही घटना में मुरादाबाद परिक्षेत्र के मंडलायुक्त, संभल के जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक और अन्य अधिकारियों की भूमिका की जांच उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में एक विशेष जांच दल से कराए जाने की मांग की गई है.

याचिका में प्रशासनिक लापरवाही और इस हिंसा में स्थानीय अधिकारियों की भूमिका का आरोप लगाया गया है. साथ ही भविष्य में

धार्मिक स्मारक या स्थल के सर्वेक्षण में सहयोग के लिए जिले के अधिकारियों की भूमिका और जिम्मेदारियों के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश बनाने की भी मांग की गई है. 24 नवंबर को एक अधिवक्ता आयुक्त की अगुवाई में टीम द्वारा मुगलकालीन जामा मस्जिद के सर्वेक्षण के बाद संभल में हिंसा भड़क गई थी. यह सर्वेक्षण एक स्थानीय अदालत के आदेश पर किया गया था.

सर्वे के दौरान भड़की थी हिंसा

पिछले रविवार को मस्जिद का दोबारा सर्वेक्षण किये जाने के दौरान हिंसा भड़क उठी थी. इस दौरान प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़प में चार लोगों की मौत हो गयी थी तथा 25 अन्य जख्मी हो गये थे. हालांकि शहर में हालात लगभग सामान्य हो चुके हैं लेकिन मस्जिद के पास के बाजारों में कारोबारियों का दावा है कि घटना के बाद से उन्हें नुकसान उठाना पड़ रहा है. सबसे ज्यादा नुकसान मस्जिद से आधा किलोमीटर दूर स्थित सर्राफा बाजार में स्थित सर्राफा दुकान मालिकों को हुआ है.

संभल में सभी संवेदनशील स्थानों पर पुलिस बल तैनात है. सिर्फ संभल ही नहीं बल्कि मुरादाबाद मंडल के सभी पांच जिलों में सतर्कता बरती जा रही है. रविवार को हुई हिंसा में कितना नुकसान हुआ है इसका भी पता लगाया जा रहा है.

अब तक 31 आरोपी गिरफ्तार

रविवार को हुई हिंसा के बाद से ही पुलिस लगातार आरोपियों की धरपकड़ कर रही है, पूरे मामले में पुलिस ने इस मामले में सात मुकदमे दर्ज कर अब तक 31 लोगों की गिरफ्तारी की जा चुकी है. जिनमें कई महिलाएं भी शामिल हैं.

उत्तर प्रदेश के संभल हिंसा मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर की गई है, याचिका में अधिकारियों की भूमिका की जांच और सीबीआई से विस्तृत जांच कराने की मांग की गई है. इसके साथ ही भविष्य में धार्मिक स्मारक या स्थल के सर्वेक्षण में सहयोग के लिए जिले के अधिकारियों की भूमिका और जिम्मेदारियों के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश बनाने की भी मांग की गई है.

लखनऊः पुलिस अफसर के घर में चोरी, घर से कैश-आभूषण उड़ाए, इंस्पेक्टर की पिस्टल भी ले गए

लखनऊ में इंस्पेक्टर के घर से चोरी का हैरान करने वाला मामला सामने आया है. इंस्पेक्टर का परिवार शादी समारोह में गया था और खुद इंस्पेक्टर ड्यूटी पर थे. घर पर कोई भी नहीं था. इसी बात का फायदा उठाते हुए चोरों ने दिनदहाड़े इंस्पेक्टर के घर को ही लूट लिया.

उत्तर प्रदेश. उत्तर प्रदेश में चोरों का आतंक तेजी से बढ़ता जा रहा है. आए दिन चोरी की नई-नई घटनाएं सामने आ रही है. चोरों के हौसलें इतने बुलंद हो गए है कि अब वह पुलिस को भी को नहीं छोड़ रहे है. ऐसा ही एक मामला लखनऊ से सामने आया है, जहां चोर एक इंस्पेक्टर की सरकारी पिस्टल ही उड़ा ले गए. घटना के बाद मौके पर पहुंची स्थानीय पुलिस ने स्न्नढ्ढक्र दर्ज करके चोरों की तलाश शुरू कर दी है.

लखनऊ में होमगार्ड मुख्यालय में तैनात एक इंस्पेक्टर के घर चोरी हो गई. जौनपुर के रहने वाले बृजेश कुमार यादव होमगार्ड में इंस्पेक्टर के पद पर तैनात हैं. वहीं, वह लखनऊ के शांति नगर घुसवल कला की सुशांत गोल्फ सिटी में परिवार के साथ रहते हैं. घटना की जानकारी देते हुए इंस्पेक्टर बृजेश ने बताया कि वह 27 नवंबर की सुबह 9 बजे घर में ताला लगाकर ड्यूटी पर गया था. शाम को जब घर आकर देखा तो ताला टूटा हुआ था. घर की अलमारी भी खुली हुई थी.

इंस्पेक्टर के घर से हुई चोरी

यह सब देखते हुए बृजेश को अंदाजा हो गया कि उनके घर में चोरी हुई है. उन्होंने तुरंत अलमारी में रखी पिस्टल और गहने देखे, जो कि अलमारी में नहीं थे. बृजेश ने बताया कि घर से एक सरकारी पिस्टल, लाखों की ज्वैलरी और एक मोबाइल चोरी हुआ है. जिस समय यह चोरी हुई उस समय घर पर कोई भी नहीं था. इंस्पेक्टर बृजेश का परिवार शादी समारोह में गया था. पुलिस के घर से चोरी होने की खबर फैलने के बाद से ही सोसाइटी के लोग डरे सहमे हुए हैं. उनका कहना है कि जब पुलिस के घर ही सुरक्षित नहीं है, तो हमारा क्या होगा.

मामले की जांच में जुटी पुलिस

चोरी की घटना के बाद बृजेश ने पुलिस को इसकी सूचना दी.

मामले की जानकारी होते ही आनन-फानन में पुलिस और स्न्नरू की टीम मौके पर पहुंची. स्न्नरू की टीम ने सबूतों को इकट्ठा कर लिया है. वहीं, पुलिस ने मामले में स्न्नढ्ढक्र दर्ज करके जांच शुरू कर दी है.

MP: जलती मशालें हो गईं उलटींज्भड़क उठी आग, 50 घायल; खंडवा में आतंकवाद के खिलाफ निकल रहा था जुलूस

खंडवा. मध्य प्रदेश के खंडवा में मशाल जुलूस के समापन समारोह में हादसा हो गया. मशालें रखते समय कुछ मशालें उलटी हो गईं और आग भड़क गई. हादसे में 50 से ज्यादा लोग झुलस गए. उन्हें इलाज क लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है. जुलूस में एक हजार से ज्यादा मशालें थीं. इनमें से 200 मशालें जलाई गई थी. मशाल में लकड़ी का बुरादा और कपूर का चूरा था, जिससे आग और ज्यादा भड़क गई. मशाल जुलूस का आयोजन राष्ट्र भक्त वीर युवा मंच ने किया था.

आतंकवाद के खिलाफ आयोजित हुए कार्यक्रम में तेलंगाना के बीजेपी नेता टी राजा और पश्चिम बंगाल भाजपा प्रवक्ता नाजिया खान में शामिल हुई थीं. उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित किया था. कार्यक्रम का नेतृत्व हिंदूवादी नेता अशोक पालीवाल कर रहे थे. समापन के दौरान हादसा हो गया. हादसे के बाद वहां मौजूद लोगों में भगदड़ मच गई. जिसमें भागने के कारण कई लोग घायल हुए हैं.

मशालें उलटी होने से लगी आग

कार्यक्रम खंडवा के बड़ाबम चौक में गुरुवार की शाम आयोजित किया गया था. समापन से पहले रात करीब 11 बजे मशाल जुलूस निकला गया. करीब 1000 मशालें जलाने का

कार्यक्रम था. लेकिन इनमें 200 मशालें ही जल पाई थी. आधा घंटा तक मशाल जुलूस निकाला गया. घंटाघर चौक पर समापन के दौरान लोग मशालें रखने लगें. अचानक कुछ मशाल उलटी हो गईं और उन्होंने तेजी से आग पकड़ ली. एकदम आग की लपटें बढ़ने से लोग इससे झुलस गए. हादसे के बाद वहां अफरा-तफरी और भगदड़ मच गई.

30 घायल पहुंचे जिला अस्पताल

जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में पुलिस बल मौके पर पहुंच गया. जैसे-तैसे आग को बुझाया गया. हादसे में 50 लोग घायल हो गए. इनमें कुछ लोग आग से झुलसे थे कई को भगदड़ के कारण चोट आई. पुलिस ने सभी को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया.

पुलिस के मुताबिक, 30 लोगों को जिला अस्पताल लाया गया. जिनमें 12 लोगों को भर्ती किया गया.

ये कैसी सनक? स्टील के कड़े से तोड़ दिए मॉल में रखे 11 TV और 71 फिज, लाखों का नुकसान

बैतूल. मध्य प्रदेश के बैतूल से हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है. यहां एक शॉपिंग मॉल के मालिक ने अपने कर्मचारी के खिलाफ मामला दर्ज करवाया है. आरोप लगाया कि कर्मचारी ने उसके मॉल में तोड़फोड़ की. 11 एलईडी टीवी और 71 रेफ्रिजरेटर तोड़ डाले, जिनकी कीमत 18 लाख रुपये है. कर्मचारी की ये हरकत सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हुई है. ऐसा करने की वजह जब सामने आई तो हर कोई दंग रह गया.मामला बैतूल शहर के गंज क्षेत्र में स्थित गुप्ता मॉल का है. सीसीटीवी फुटेज में एक शख्स मॉल के अंदर दाखिल होता दिखा. पहले वो व्यक्ति मॉल के इलेक्ट्रॉनिक सेक्शन में गया. इसके बाद उसने हाथ में पहने स्टील के मोटे कड़े से डिस्प्ले के लिए लगाए गए एलईडी टीवी को तोड़ना शुरू किया. एक के बाद एक 11 एलईडी टीवी को उसने पलभर में तोड़ दिया. इसके बाद युवक रेफ्रिजरेटर सेक्शन में दाखिल

हुआ और यहां भी वही किया जो एलईडी सेक्शन में किया था. उसने एक के बाद एक 71 रेफ्रिजरेटर पर डेंट मारे और हुए वहां से निकल गया.

सैलरी न बढ़ने से नाराज था कर्मचारी

जब मॉल के दूसरे सेल्समैन किसी कस्टमर को सामान दिखाने इलेक्ट्रॉनिक सेक्शन में गए तो रेफ्रिजरेटर और एलईडी टीवी डैमेज देख उनके होश उड़ गए. इसके बाद मॉल के संचालक ने सीसीटीवी में देखा तो उनके पैरों तले जमीन खिसक गई. आरोपी कर्मचारी ने लगभग 18 लाख से ज्यादा कीमत का सामान डैमेज कर दिया था.

गुप्ता मॉल के मैनेजर ने बताया, 'यह कर्मचारी काफी दिनों से हमारे यहां काम कर रहा था. छुट्टी से लौटने के बाद उसने ये सब किया है. हमने पुलिस से इस मामले में शिकायत की है.' बताया जा रहा है कि इस कर्मचारी का नाम कमल पवार है. कमल ने दीपावली से पहले मॉल संचालक से पगार बढ़ाने की मांग की थी, लेकिन संचालक ने मना कर दिया था.

मॉल संचालक ने दर्ज कराई FIR

सैलरी नहीं बढ़ने से बौखलाए कमल पवार ने 3 दिन की छुट्टी ले ली. छुट्टी से वापस लौटने के बाद उसके नौकरी करने के इरादे से नहीं बल्कि मालिक को चपत लगाने के लिए वापसी की. अपनी बौखलाहट निकालने के लिए कमल पवार ने मॉल संचालक को इतनी बड़ी चपत लगा दी.

UP: जालौन में नर्स के साथ गैंगरेप... जंगल में ले जाकर दरिंदगी, प्राइवेट पार्ट में डाली मिर्ची

जालौन . जालौन में ड्यूटी पर जा रही एक महिला नर्स के साथ पति के अवैध संबंधों के शक में दूसरी महिला ने अपने परिजनों के साथ मिलकर पिटाई कर दी. इस मारपीट में महिला नर्स घायल हो गई. नर्स को घायल हालत में इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया. पीड़ित महिला का कहना है कि उसके साथ पहले मारपीट और फिर बाद में गैंगरेप किया गया है. पुलिस ने मामले में स्न्नढ्ढक्र दर्ज कर ली है, वहीं मामले की जांच शुरू कर दी है. घटना चुर्खी थाना क्षेत्र के मुसमरिया मोड़ की है. बताया गया कि उरई कोतवाली क्षेत्र के एक मोहल्ला में कानपुर देहात के मूसानगर की महिला रह रही है, जो प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बबाई में स्टाफ नर्स के पद पर कार्यरत है. गुरुवार को सुबह पीड़ित नर्स अपनी स्कूटी में बैठकर ड्यूटी पर जा रही थी. इसी दौरान मुसमरिया मोड़ से पहले सुहाखर खेड़ा के पास एक महिला ने अपने पिता के साथ मिलकर नर्स को स्कूटी से गिरा दिया.

फरार हुए आरोपी

स्कूटी से गिराने के बाद आरोपी महिला और उसका पिता नर्स को पकड़कर जंगल में ले गए, जहां उन्होंने

नर्स को बंधक बनाकर जमकर पीटा और फिर मौके से फरार हो गए. घटना की जानकारी होते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई. महिला नर्स को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है. नर्स ने मारपीट करने वालों पर गैंगरेप करने और प्राइवेट पार्ट में मिर्ची डालने आरोप लगाया है.

फेंगल तूफान से तबाही का डर! तेज हवाएं और भारी बारिश का अलर्ट, पहाड़ों पर होगी बर्फबारी

मौसम विभाग के मुताबिक, पाकिस्तान-ईरान बॉर्डर पर वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के एक्टिव हो गया है. जिसके बाद पहाड़ी इलाकों में 30 नवंबर से बर्फबारी और बारिश की चेतावनी जारी की गई है. इसका असर पंजाब पर भी देखा जाएगा. मौसम विभाग ने राज्य के 15 जिलों में शुक्रवार से कोहरा का अलर्ट जारी किया है.

बिहार. दिसंबर की शुरुआत होन में दो दिन बाकी है. मौसम विभाग के मुताबिक, जल्द ही देश के मैदानी इलाकों में कड़ाके की सर्दी दस्तक देने वाली है. इधर साइक्लोन फेंगल के असर से मौसम में बदलाव आने की संभावना जताई जा रही है. साईक्लोन फेंगल के असर से देश के कई हिस्सों में बारिश के आसार बने हुए हैं. मौसम विभाग ने इसके लिए अलर्ट जारी किया है. वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के एक्टिव होने के बाद 30 नवंबर से हिमाचल प्रदेश के पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी और बारिश की चेतावनी जारी की गई है.

साईक्लोन फेंगल का असर पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडू, केरल, बिहार, झारखंड और उत्तर प्रदेश में देखा जा सकता है. इसके असर से कहीं तेज तो कही न मध्यम और हल्की बारिश होने की संभावना है. साइक्लोन के असर से तापमान में भारी गिरावट आ सकती है. मौसम विभाग के मुताबिक, 3 दिसंबर से कोहरा बढ़ने और तापमान में गिरावट आने की आशंका जताई है. इधर साईक्लोन के चलते आने वाले 48 घंटों में तेज हवाएं और बारिश हो सकती है.

चेन्नई से 400 किमी दूर साईक्लोन फंगल

मौसम विभाग के मुताबिक, बंगाल की खाड़ी के दक्षिण-पश्चिम में

बना गहरा दबाव पिछले 6 घंटों के दौरान 7 किमी प्रति घंटे की गति से उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ गया. शुक्रवार को यह पुडुचेरी और चेन्नई से 400 किमी दक्षिण-पूर्व में स्थित है. यह उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने और 30 नवंबर की सुबह पुडुचेरी के करीब कराईकल और महाबलीपुरम के बीच उत्तरी तमिलनाडु-पुडुचेरी तटों को पार करने की बहुत संभावना है, जो 55-65 किमी प्रति घंटे की हवा की गति के साथ 75 किमी प्रति घंटे की गति तक पहुंच सकता है.

बारिश और बिजली गिरने की संभावना

मौसम विभाग के मुताबिक, 29 नवंबर से 2 दिसंबर के दौरान तमिलनाडु, पुडुचेरी, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश के साथ-साथ अलग-अलग स्थानों पर गरज और बिजली गिरने की संभावना है. 30 नवंबर से 2 दिसंबर के दौरान तेलंगाना और केरल, 1 से 2 दिसंबर को तटीय और उत्तरी आंतरिक कर्नाटक और लक्षद्वीप में बारिश होगी.

यहां होगी भारी बारिश

मौसम विभाग का कहना है कि 29 और 30 नवंबर को उत्तरी तमिलनाडु में कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश और कुछ स्थानों पर अत्यधिक भारी बारिश होने की संभावना है. 29 नवंबर को दक्षिणी आंध्र प्रदेश में बहुत भारी बारिश और कुछ स्थानों पर अत्यधिक भारी बारिश होने की संभावना है. 30 नवंबर और 1 दिसंबर को केरल और कर्नाटक, 30 नवंबर को तटीय आंध्र प्रदेश और 1 दिसंबर को तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है.

दिल्ली में कैसा रहेगा मौसम

दिल्ली में शुक्रवार को आसमान मुख्य रूप से साफ रहेगा. 1 नवबंर तक पूर्वानुमान के मुताबिक, दिल्ली में सुबह के समय प्रमुख सतही हवा 4 किमी प्रति घंटे से कम गति के साथ परिवर्तनशील दिशा से चलने की संभावना है. सुबह के समय मध्यम कोहरा रहने की संभावना है. इसके बाद हवा की गति बढ़ जाएगी और दोपहर के समय परिवर्तनशील दिशा से 6 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी. इसके बाद हवा की गति कम होकर शाम और रात के दौरान परिवर्तनशील दिशा से 4 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी.

MP: बेटी को छेड़ा तो मां ने चप्पल से पीटा, पैर छूकर मांफी मांगने लगा मनचला

ग्वालियर. मध्य प्रदेश के ग्वालियर की सड़क का एक वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है. वायरल वीडियों में एक महिला एक अधेड़ उम्र के आदमी की चप्पल से पीटती हुई नजर आ रही है. वहीं, वीडियो में दिख रही एक लड़की आदमी से पैर पकड़ने की बात कहते हुए सुनी जा सकती है. बताया जा रहा है कि आदमी युवती से छेड़छाड़ कर रहा था. इसी बात से परेशान होकर युवती और उसकी मां ने मनचले आदमी को पकड़ लिया और फिर उसकी चप्पलों से पिटाई से कर दी.

ग्वालियर में एक अधेड़ उम्र के व्यक्ति को युवती से छेड़छाड़ करना महंगा पड़ गया. फूलबाग चौराहे पर युवती और उसकी मां ने मनचले की चप्पलों से जमकर पिटाई कर दी. युवती ई-रिक्शा में बैठकर पड़ाव

थाना क्षेत्र के फूलबाग चौराहे से जा रही थी. इसी दौरान अधेड़ उम्र के एक आदमी ने युवती को छेड़ दिया. छेड़छाड़ से परेशान होकर युवती और उसकी मां ने मनचले आदमी को पकड़ लिया और फिर मां ने उसकी चप्पलों से पिटाई कर दी.

चप्पलों से की पिटाई

इस पूरी घटना का एक वीडियो भी काफी वायरल हो रहा है, जिसमें मनचला आदमी चप्पलों से पीटता हुआ और पैर छूकर माफी मांगता हुआ नजर आ रहा है. वहीं, वीडियो में युवती को पैर पकड़ने की बात कहते हुए सुना जा सकता है. घटना के बाद से ही लोग पुलिस के कामों पर सवालियां निशान उठने लगे हैं. लोगों का कहना है कि यह घटना बेहद सामान्य हो गई है. पुलिस को ऐसे लोगों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई करनी चाहिए.

UP: 'खेतवे न रही त का करब जी के...' महिला ने बोला ऐसा तो अफसर ने दे दिए सुसाइड टिप्स

कुशीनगर. उत्तर प्रदेश के कुशीनगर जिले में सीओ ने गांववालों को सुसाइड करने का टिप्स दिया. खड्डा के सीओ उमेश चन्द भट्ट राजस्व टीम के साथ सरकारी जमीन पर हुए अवैध अतिक्रमण हटवाने के लिए रामपुर गोन्हा गांव पहुंचे थे. इसी दौरान उन्होंने यह बेतुकी सलाह गांव के लोगों को दे डाली. उन्होने बिजली का तार पकड़कर मरने की बात कही थी. इस सलाह पर गांववालों ने अपनी नाराजगी सीओ के खिलाफ जाहिर की है. वहीं, सीओ की सलाह देने का एक वीडियो भी काफी वायरल हो रहा है. कुशीनगर जिले के खड्डा तहसील के ग्राम सभा रामपुर गोन्हा गांव में रहने वाले 15 परिवारों को तहसील की ओर से बेदखली का नोटिस भेजा गया था. प्रशासन का कहना है कि इन लोगों ने सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा कर रखा है. इसलिए इन्हें यह से हटना होगा. अतिक्रमण हटाने के इरादे से खड्डा SDM ऋषभ पुंडीर पुलिस और राजस्व टीम के अधिकारियों के साथ रामपुर गोन्हा गांव पहुंचे. SDM के साथ CO उमेश चन्द भट्ट भी पहुंचे थे.

CO ने दिया आत्महत्या का सुझाव

गांव पहुंचते ही लोगों ने SDM ऋषभ पुंडीर को अपनी-अपनी परेशानी बतानी शुरू कर दी. लोगों की बातों से परेशान होकर CO ने कहा कि यह सरकारी जमीन है. इसे तो खाली करना ही होगा.

सीओ की बात सुनते ही एक परेशान महिला ने कहा कि 'हम कहां जाए'ज. सरकार हमें गोली मरवा देती तो अच्छा होता. आगे महिला कहती है कि जब खेत ही नहीं रहेगा, तो हम जिंदा रह कर क्या करेंगे.

देश-विदेश की यात्राएं करना आज के दौर में मुश्किल भरा काम नहीं है। चाहे बिजनेस के लिए यात्राएं करनी हों या एडवेंचर के लिए या फिर छुट्टियां बिताने के लिए। उन्नत ट्रांसपोर्ट और संचार साधनों से सब कुछ आसान हो गया है। टूरिज्म सेक्टर देश की जीडीपी में भी बड़ा योगदान दे रहा है क्योंकि पर्यटकों के जरिए विदेशी मुद्रा अर्जित करने का यह बड़ा स्रोत है। इतना ही नहीं, लाखों लोगों को टूरिज्म विभाग, ट्रैवल एजेंसी, होटल, एयरलाइंस, ट्रांसपोर्ट एजेंसी या फिर कार्गो कंपनियों में रोजगार भी मिला हुआ है।

टूरिज्म में इन 8 क्षेत्रों में मिलेंगे बेहतरीन मौके

वर्ल्ड ट्रैवल एंड टूरिज्म काउंसिल की रिपोर्ट के अनुसार, नए वीसा सुधार, अतुल्य भारत अभियान और सरकार द्वारा इंफ्रास्ट्रक्चर पर ज्यादा जोर दिए जाने से भारतीय ट्रैवल एंड टूरिज्म उद्योग में आने वाले वर्षों में और तेजी आने की उम्मीद है। एक अनुमान के मुताबिक, बीते कुछ वर्षों में करीब 9 प्रतिशत (3.74 करोड़) लोगों को टूरिज्म सेक्टर में रोजगार मिला। देश की भौगोलिक और सांस्कृतिक-ऐतिहासिक विरासत ऐसी है कि दक्षिण एशिया घूमने आने वाले करीब 50 प्रतिशत पर्यटक हर साल भारत आना पसंद करते हैं। यही वजह है कि टूरिज्म सेक्टर में युवाओं के लिए रोजगार की संभावनाएं लगातार बढ़ रही हैं।

करियर के अवसर

चूंकि टूरिज्म उद्योग में कार्य का दायरा काफी विस्तृत है, इसलिए यहां युवाओं के लिए सरकारी और निजी दोनों ही क्षेत्रों में अनेक प्रकार की संभावनाएं मौजूद हैं। टूरिज्म से संबंधित कोर्स करने के बाद आप विभिन्न विमानन कंपनियों, होटल आदि में मैनेजर, टूर मैनेजर, कस्टमर सेल्स एग्जीक्यूटिव, ट्रैवल प्रोडक्ट डिजाइनर, सेल्स एंड मार्केटिंग स्टाफ, ट्रैवल एजुकेटर, गाइड, दुभाषिया आदि के तौर पर जॉब पा सकते हैं। इसी तरह ट्रैवल एजेंसीज में भी ढेर सारे अवसर हैं, जहां आप मैनेजर, रिजर्वेशन एंड काउंटर स्टाफ, सेल्स एंड मार्केटिंग स्टाफ, टूर एस्कॉर्ट, टूर ऑपरेटर आदि के रूप में सेवा दे सकते हैं। कहने का मतलब यह है कि टूरिज्म सेक्टर में आपके लिए करियर ग्रोथ और पैसा दोनों हैं। अगर चाहें, तो कुछ वर्षों के अनुभव के बाद खुद का ट्रैवल बिजनेस भी शुरू कर सकते हैं। धीरे-धीरे पासपोर्ट एंड वीसा हैंडलिंग, डेस्टिनेशन मैनेजर, ट्रैवल कंसल्टेंट, फ्रंट ऑफिस मैनेजमेंट, एचआर, बिजनेस डेवलपमेंट, पीआर, इवेंट मैनेजमेंट जैसे दूसरे गैर-परंपरागत क्षेत्रों में भी युवाओं के लिए जॉब की संभावनाएं तेजी से बढ़ रही हैं। मेडिकल टूरिज्म भी ऐसा ही एक उभरता हुआ नया क्षेत्र है, जहां हेल्थ प्रोफेशनल्स के लिए काफी स्कोप है।

कहां हैं मौके?

पर्यटन विभाग - इससे संबंधित कोर्स करने के बाद आप पर्यटन विभाग में रिजर्वेशन एंड काउंटर स्टाफ, सेल्स एंड मार्केटिंग स्टाफ, टूर प्लानर्स, टूर गाइड जैसे पदों पर सरकारी नौकरी में जा सकते हैं। यूपीएससी या पीएससी परीक्षा पास कर केंद्र व राज्यों के पर्यटन विभागों में अफसर भी बना जा सकता है।

एयरलाइंस - पर्यटन उद्योग का यह सबसे आकर्षक क्षेत्र माना जाता है। आप एयर होस्टेस, ग्राउंड सपोर्ट एंड एयरपोर्ट मैनेजमेंट, एयरलाइन ग्राउंड ऑपरेशन, एयरलाइन टिकिटिंग, होटल मैनेजमेंट या टूरिज्म जैसे कोर्स करके यहां ग्राउंड स्टाफ या इन-फ्लाइट एसोसिएट, ट्रैफिक असिस्टेंट, रिजर्वेशन एंड काउंटर स्टाफ, क्लाइंट सर्विसिंग स्टाफ के रूप में करियर बना सकते हैं।

होटल - किसी भी देश की ट्रैवल एंड टूरिज्म इंडस्ट्री का अहम हिस्सा हैं होटल्स। यही कारण है कि यह क्षेत्र देश में तेजी से आगे बढ़ रहा है। तमाम तरह के जॉब के अवसर भी लोगों को विभिन्न स्तरों के होटलों में मिल रहे हैं।

ट्रांसपोर्ट - हवाई, सड़क, रेल और समुद्री मार्गों से परिवहन के क्षेत्र में को-ऑर्डिनेटर, सुपरवाइजर, ड्राइवर आदि के रूप में बड़ी संख्या में जॉब के अवसर हैं।

टूर ऑपरेटर्स - ऐसे प्रोफेशनल्स अपने क्लाइंट के लिए टूर की व्यवस्था करते हैं, उन्हें विभिन्न पर्यटन स्थलों पर घुमाने के लिए ले जाते हैं, रिवर राफ्टिंग, रॉक क्लाइंबिंग आदि जैसे साहसिक खेलों में टूरिस्ट की मदद करते हैं। क्लाइंट की यात्रा और ठहरने का प्रबंध भी यही प्रोफेशनल्स करते हैं। अगर आपका व्यक्तित्व अच्छा है, आप पर्यटन स्थलों की अच्छी जानकारी रखते हैं और आपकी लैंग्वेज स्किल अच्छी है, तो आप इस फील्ड में अपना करियर बना सकते हैं।

टाइम शेयर कंपनीज - ऐसी कंपनियां हॉलीडे रिसॉर्ट को मैनेज करने का काम करती हैं। विदेशी कंपनियों के रिसॉर्ट के साथ भी इनका बिजनेस टाई-अप होता है। आप ऐसी कंपनियों में काम करने का मौका पा सकते हैं।

हॉलीडे कंसल्टेंसी - ट्रैवल एंड टूरिज्म उद्योग में अभी यह नया क्षेत्र है। हॉलीडे कंसल्टेंट टूर से जुड़ी हर तरह की जानकारी अपने क्लाइंट को उपलब्ध कराते हैं, जैसे क्लाइंट के लिए ट्रैवल प्लान करना, टिकट बुकिंग करना आदि।

बैंक - बैंकों में भी विदेशी मुद्रा के लिए आने वाले टूरिस्ट की मदद हेतु प्रोफेशनल्स की सेवाएं ली जाती हैं। तमाम बैंक आजकल पर्यटकों के लिए होटल और टिकट बुकिंग की सुविधाएं भी उपलब्ध करा रहे हैं। बैंकों में ऐसे जॉब के लिए आम तौर पर एमबीए स्टूडेंट्स को हायरिंग में खास तवज्जो दी जाती है।

पर्सनल स्किल्स

ट्रैवल एंड टूरिज्म उद्योग में कम्युनिकेशन स्किल सबसे जरूरी है क्योंकि यहां लोगों को अक्सर पर्यटकों से बातचीत करके उनकी जिज्ञासाओं को शांत करना होता है। आपका व्यवहार कुशल होना भी जरूरी है। अच्छी पर्सनैलिटी से फायदा होगा। क्षेत्र विशेष की भौगोलिक जानकारी भी होनी चाहिए। अगर आप मैनेजेरियल या एडमिनिस्ट्रेटिव पद पर हैं, तो लीडरशिप क्वॉलिटी के साथ-साथ त्वरित समस्या समाधान की क्षमता और टीमवर्क की भावना भी आपमें होना जरूरी है।

कोर्स व क्वॉलिफिकेशन

टूरिज्म इंडस्ट्री में करियर बनाने के लिए डिग्री, पीजी डिग्री, डिप्लोमा और सर्टिफिकेट कोर्स के रूप में कई प्रकार के कोर्स उपलब्ध हैं। डिग्री कोर्स की अवधि 3 वर्ष होती है। इसमें किसी भी स्ट्रीम के युवा 12वीं के बाद प्रवेश ले सकते हैं। अगर आप ग्रेजुएट हैं, तो टूरिज्म में पीजी या डिप्लोमा कोर्स कर सकते हैं। कुछ संस्थान सर्टिफिकेट कोर्स भी कराते हैं, जिसे 12वीं के बाद करके आप टूर एजेंसीज या टूर प्रमोशन एंड सेल्स कंपनियों में जॉब पा सकते हैं।

सैलरी कितनी?

टूरिज्म उद्योग में सैलरी काफी आकर्षक है। एयरलाइंस, ट्रैवल एजेंसीज आदि में ऐसे प्रोफेशनल्स और उनके परिवारों को कई मुफ्त सुविधाएं भी मिलती हैं। प्रोफेशनल्स को शुरूआत में 15 से 20 हजार रुपए प्रति माह की सैलरी आसानी से मिल जाती है। अनुभव बढ़ने पर ऐसे प्रोफेशनल्स 40 हजार से लेकर 1 लाख रुपए महीना तक कमा सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टूरिज्म एंड ट्रैवल मैनेजमेंट, नई दिल्ली
- दिल्ली यूनिवर्सिटी, दिल्ली
- इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
- कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी, हरियाणा
- डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा
- बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी

कौन-से कोर्स?

- बैचलर ऑफ टूरिज्म एडमिनिस्ट्रेशन
- बैचलर ऑफ टूरिज्म स्टडीज
- मास्टर ऑफ ट्रैवल एंड टूरिज्म मैनेजमेंट
- डिप्लोमा इन ट्रैवल एंड टूरिज्म मैनेजमेंट
- फाउंडेशन कोर्स इन ट्रैवल एंड टूरिज्म
- ट्रैवल एंड टूरिज्म मैनेजमेंट कोर्स
- इंटीग्रेटेड डिप्लोमा इन ट्रैवल एंड टूरिज्म मैनेजमेंट।

ग्रुप डिस्कशन में पीछे न रह जाएं, अपनाएं ये टिप्स

कुछ एग्जाम में ग्रुप डिस्कशन का बहुत बड़ा रोल होता है। कई बार आप लिखित परीक्षा में तो अच्छे अंक से पास हो जाते हैं लेकिन जब ग्रुप डिस्कशन का समय आता है तो वहां विफल हो जाते हैं। आखिर ऐसी कौन-कौन सी बातें है जिनका ध्यान रखा जाए तो आप ग्रुप डिस्कशन में भी बाजी मार सकते हैं। सबसे पहली बात इसके लिए आपको अपडेट होने के साथ-साथ आपकी बॉडी लैंग्वेज भी अच्छी होनी चाहिए।

- जीडी के दौरान किसी एक मेंबर की और फोकस न करें। सभी पर नजर आई-कॉन्टेक्ट बनाए रखें।
- जीडी में आप अपनी बात तभी रख पाएंगे जब आपको जीडी वाले टॉपिक का नॉलेज हो। अगर नॉलेज नहीं है तो आप अच्छे से डिस्कशन नहीं कर पाएंगे।
- इस बात का जरूर ध्यान रखें कि जब दूसरा बोल रहा हो तो उसे बीच में टोके नहीं, चाहे आप उसकी बात से सहमत न भी हों। जब आपको मौका मिले तो अपनी बात को विनम्रता के साथ कहें।
- जो भी बोलें बिलकुल साफ बोलें, वरना सामने बाकी लोगों को या तो समझ नहीं आएगा या वो आपकी बात का कोई और मतलब निकाल सकते हैं।
- ध्यान रखें कि जिस टॉपिक पर डिस्कशन हो रहा है, उससे भटके नहीं। टॉपिक की थीम को ध्यान में रखकर उसी पर अपना व्यूज रखें।
- पॉजिटिव एटीट्यूड रखें और कॉन्फिडेंस बनाए रखें। लेकिन ध्यान रखें कि न तो किसी को नीचा दिखाना है और ही खुद को बहुत नॉलेजेबल शो करना है।
- आपको बस अपनी बात शेयर करनी है न कि किसी को मानने के लिए फोर्स करना है।
- जो भी बोलें उसमें दम होना चाहिए। आपकी बात में अगर प्वॉइंट नहीं होगा तो आप इंम्पैक्ट डालने से चूक जाएंगे।
- दूसरे जो बोल रहे हैं, उसे ध्यान से सुनें। सिर्फ खुद ही न बोलते चले जाएं। इससे आपका नॉलेज बढ़ेगा और आप एक अच्छा डिस्कशन कर पाएंगे।

इन 5 तरीकों से एल्यूमिनी नेटवर्किंग के जरिए ढूंढे जॉब

जॉब सर्च में एल्यूमिनी सबसे मूल्यवान नेटवर्किंग कॉन्टेक्ट्स हो सकते हैं, बशर्ते आप इसका प्रभावी तरीके से उपयोग करें। आज के समय में प्रभावकारी एल्यूमिनी नेटवर्किंग टेक्निक्स ज्यादा फोकस्ड होती है जिसके विशेष टारगेट, गोल और एक्शंस होते हैं। अगर आप यह सीख लें कि इनका सही तरीके से फायदा किस तरह उठा सकते हैं तो एल्यूमिनी नेटवर्किंग कॉन्टेक्ट्स बेहतरी नौकरी दिलवाने में मददगार साबित हो सकता है। आप एल्यूमिनी की नेटवर्किंग का उपयोग कर इन तरीकों से जॉब सर्च कर सकते हैं -

- एल्यूमिनी नेटवर्क का जानकारी लेने में आप अच्छा यूज कर सकते हैं। आपको टारगेट कंपनियों के एचआर मैनेजर्स को लेकर जानकारी मिलेगी और आपकी पहुंच भी बनेगी। हो सकता है कि नेटवर्किंग के जरिए आप आपने टारगेट तक पहुंच जाए। इसके लिए आपको सही एल्यूमिनी के पहचाने की जरूरत है।
- आप उस एल्यूमिनी से संपर्क कर सकते हैं जो कि कंपनी, उसके डिपार्टमेंट या मैनेजर की जानकारी दे। आप यह पता कर सकते हैं वाकई कंपनी में वैकेंसी है या नहीं। कई बार कंपनी अपनी वेबसाइट पर करंट ओपनिंग में वैकेंसी मेंशन नहीं करती लेकिन उन्हें हायरिंग की जरूरत होती है। आप बेहतर तरीके से एल्यूमिनी से यह पूछ सकते हैं।
- सही बात तो यह है कि सही एल्यूमिनी से आप आसानी से संपर्क नहीं साध सकते क्योंकि वे व्यस्त इंसान होते हैं। हालांकि अगर आपका वह साथ दें तो वे कंपनी और आपके बीच में ब्रिज का काम करेगा।
- कई बार हायरिंग मैनेजर अपने स्टाफ से किसी पोस्ट के लिए कैंडीडेट की सिफारिश चाहता है। ऐसे में यह आपके लिए अच्छी बात होती है। अगर आप एल्यूमिनी से टच में रहेंगे तो ऐसे मौके पर सबसे पहले आपका नाम ही उसके दिमाग में आएगा। साथ ही आपको यह अपना इरादा उसे बताकर रखना होगा कि अगर उसकी कंपनी में कोई वैकेंसी निकलेगी तो आप इच्छुक होंगे।
- इसके अलावा एल्यूमिनी से टच में रहने पर उसे संपर्क सूत्रों के हवाले से भी आपको जॉब सर्च में आसानी होगी। इसका सीधा मतलब यह है कि उसके कॉन्टेक्ट्स भी कहीं न कहीं सोशल मीडिया पर आपसे जुड़े होंगे।

शुभमन गिल ने इंजरी पर खुद ही दिया बड़ा अपडेट, भारत के लिए गुड न्यूज

एजेंसी

नई दिल्ली। शुभमन गिल की इंजरी पर बड़ा अपडेट सामने आया है. गिल चोट की वजह से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज का पहला मैच नहीं खेल पाए थे. लेकिन अब उनकी वापसी हो सकती है. शुभमन ने शुक्रवार को नेट्स में काफी पसीना बहाया. उनकी इंजरी को लेकर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने एक वीडियो शेयर किया है. इसमें शुभमन अपनी चोट पर अपडेट देते हुए नजर आ रहे हैं.दरअसल बीसीसीआई ने एक्स पर एक वीडियो शेयर किया है. इसमें गिल ने कहा, जब बल्ले पर गेंद आती है तो वह सबसे अच्छी फीलिंग होती है. मैं इसी के लिए खेलता हूं. मैं चोट लगने के बाद शुरुआत कुछ दिनों तक निराश था. पर्थ ही इकलौता ऐसा वेन्यू था जहां पहले मैं खेल चुका था. मैं भी वहां खेलना चाहता था. लेकिन हम मैच जीते, इससे खुश हूं. हमें लग रहा था कि बैटिंग के दौरान हल्का दर्द हो सकता है. लेकिन सब कुछ उम्मीद से ज्यादा बेहतर रहा.भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच 6 दिसंबर से एडिलेड में टेस्ट सीरीज का दूसरा मैच खेला जाएगा. शुभमन इस मुकाबले से वापसी कर सकते हैं. इस मैच में अभी भी काफी वक्त है. गिल तब तक पूरी तरह फिट हो सकते हैं. टीम इंडिया के खिलाड़ी इससे पहले प्राइम मिनिस्टर्स इलेवन के खिलाफ एक वॉर्म-अप मैच खेलेंगे. इस मुकाबले में भारतीय कप्तान रोहित शर्मा खेल सकते हैं.

जो रूट को डेब्यूटेंट ने किया चारों खाने चित्त, साल 2024 में पहली बार हुआ ऐसा

एजेंसी

नई दिल्ली। इंग्लैंड क्रिकेट टीम इस समय न्यूजीलैंड दौरे पर है और तीन मैचों की सीरीज का पहला टेस्ट 28 नवंबर से क्राइस्टचर्च में खेला जा रहा है. इस भिड़ंत में इंग्लिश बल्लेबाजी की रीढ़ कहे जाने वाले जो रूट शून्य के स्कोर पर आउट हो गए हैं. रूट का यह विकेट यादगार इसलिए भी है क्योंकि उन्हें कीवी टीम के लिए डेब्यू करने वाले नाथन स्मिथ ने आउट किया है. डेब्यूटेंट नाथन के लिए एक और मजेदार बात यह रही कि जिस ओवर में उन्होंने जो रूट को आउट किया, उसी ओवर में उन्होंने पहली गेंद पर जैकब बैथेल को 10 रन के स्कोर पर चलता किया था.

बता दें कि मेजबान न्यूजीलैंड ने इस मैच में खराब शुरुआत से उबरते हुए पहली पारी में 348 रनों का स्कोर खड़ा करने में सफलता पाई. जवाब में इंग्लैंड ने जाक क्रॉली का विकेट जल्दी गंवा दिया जो अपना खाता भी नहीं खोल सके.

पारी के 15वें ओवर की पहली गेंद पर दायें हाथ के तेज गेंदबाज नाथन स्मिथ ने जैकब स्मिथ को 10 रन के स्कोर पर टॉम ब्लंडेल के हाथों कैच करवाया. उसके 2 गेंद बाद ही रूट बाउंस को पढ़ नहीं पाए और गेंद उनके बैट से लग कर स्टंप्स से जा टकराई.

तो क्या हाइब्रिड मॉडल से होगी चैंपियंस ट्रॉफी? राजीव शुक्ला ने टीम इंडिया को लेकर दिया अपडेट

एजेंसी

नई दिल्ली। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के आयोजन को लेकर अभी तक स्थिति स्पष्ट नहीं हो पायी है. टीम इंडिया टूर्नामेंट के लिए पाकिस्तान जाने को तैयार नहीं है. वहीं पाकिस्तान हाइब्रिड मॉडल को लेकर फिलहाल तैयार नहीं है. इस बीच भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने अपडेट दिया है. उन्होंने बताया कि फिलहाल चैंपियंस ट्रॉफी का मामला कहां तक पहुंचा है.राजीव शुक्ला ने भारत-पाकिस्तान और चैंपियंस ट्रॉफी के मामले पर प्रतिक्रिया दी. उन्होंने एएनआई से बात करते हुए कहा, फिलहाल बातचीत चल रही है. जब सब कुछ फाइनल हो जाएगा तब आपको बताएंगे.

हम हालत को देखते हुए फैसला करेंगे. हमारे लिए खिलाड़ियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है. हाइब्रिड मॉडल भी एक ऑप्शन है और भी ऑप्शन हैं. अभी बातचीत चल रही है.

चैंपियंस ट्रॉफी के मामले पर पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेटर शाहिद अफरीदी ने भी प्रतिक्रिया दी है. उन्होंने कहा है कि क्रिकेट को राजनीति से जोड़ना ठीक नहीं है. अफरीदी ने बीसीसीआई को लेकर एक्स पर पोस्ट शेयर की है. पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड की बात करें तो उसने अभी तक फाइनल फैसला नहीं लिया है. लेकिन वह फिलहाल हाइब्रिड मॉडल के लिए तैयार होता नहीं दिख रहा है. हालांकि इस पर अभी तक आधिकारिक जानकारी नहीं मिली है. आईसीसी की मीटिंग के बात भी सब कुछ स्पष्ट हो पाएगा.बता दें कि पाकिस्तान ने टीम इंडिया को बुलाने की पूरी कोशिश की. लेकिन बीसीसीआई ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए पाकिस्तान जाने से इंकार कर दिया.

तिलक वर्मा ने फिर खेली तूफानी पारी, बस इतनी गेंदों में दिलाई जीत, 6 मैच में 5 शतक-अर्धशतक ठोके

एजेंसी

नई दिल्ली। तिलक वर्मा की तूफानी फॉर्म लगातार जारी है. इस बार बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में बिहार के खिलाफ दमदार पारी खेल अपनी टीम को जीत दिलाई. पहले बल्लेबाजी करते हुए बिहार ने 20 ओवर में महज 118 रन बनाए, जवाब में हैदराबाद ने ये लक्ष्य 75 गेंदों में हासिल कर लिया. तिलक ने महज 31 गेंदों में नाबाद 51 रन बनाए, वहीं रोहित रायडू ने 33 गेंदों में 56 रनों की पारी खेली. तिलक वर्मा ने इस मुकाबले में 4 छक्के लगाए और उनके बल्ले से एक चौका निकला.

गजब फॉर्म में हैं तिलक

तिलक वर्मा पिछले कुछ दिनों से बेहतरीन फॉर्म में हैं. नवंबर की ही बात करें तो इस खिलाड़ी ने पिछले 6 में से 5 मैचों में शतक या अर्धशतक लगाया है. साउथ अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज में तिलक वर्मा ने लगातार दो शतक लगा दिए थे.

इसके बाद वो सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में आए और इस खिलाड़ी ने मेघालय के खिलाफ 151 रनों की पारी खेली. बंगाल के खिलाफ भी तिलक वर्मा ने 57 रन बनाए. राजस्थान के खिलाफ जरूर तिलक का बल्ला नहीं चला और वो 13 रन बनाकर आउट हो गए लेकिन अब एक बार फिर बिहार के खिलाफ तिलक ने कमाल पारी खेली है.

तिलक वर्मा ने बदला खेल

तिलक वर्मा ने अपने गेम पर काफी काम किया है. इस खिलाड़ी ने अचानक बेहतरीन हिटिंग करनी शुरू कर दी है और अब ये खिलाड़ी मिडिल ऑर्डर की जगह टॉप ऑर्डर में खेलना पसंद करता है. साउथ अफ्रीका सीरीज में भी तिलक वर्मा ने कप्तान सूर्यकुमार यादव से नंबर 3 पर बैटिंग करने की इच्छा जताई थी.

सूर्या ने अपना नंबर उन्हें दिया और उसके बाद से तिलक वर्मा ने पीछे मुड़कर नहीं देखा है. अब ऐसा माना जा रहा है कि आईपीएल में भी तिलक वर्मा टॉप ऑर्डर में खेलते दिख सकते हैं.बातें तो ऐसी भी हो रही है कि ये खिलाड़ी रोहित शर्मा के साथ ओपनिंग भी कर सकता है.

हालांकि मुमकिन ये भी है कि नंबर 3 पर तिलक वर्मा खेलें और नंबर 4 पर सूर्यकुमार यादव आएं. खैर बैटिंग पोजिशन जो भी हो, तिलक वर्मा जिस तरह की फॉर्म में हैं उससे मुंबई इंडियंस के फैंस तो बहुत खुश होंगे.

PCB ने आईसीसी को दी धमकी, इन दो बड़े टूर्नामेंट में भारत से लेगा चैंपियंस ट्रॉफी का बदला

एजेंसी

नई दिल्ली। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड अगले साल चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी करने वाला है. लेकिन बीसीसीआई और पीसीबी के बीच इस टूर्नामेंट के आयोजन को लेकर विवाद खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है. अब आईसीसी ने दोनों बोर्ड के मतभेद को खत्म करने के लिए एक वर्चुअल मीटिंग रखी है. उम्मीद जताई जा रही है कि इस दौरान आईसीसी टूर्नामेंट को हाइब्रिड मॉडल कराने के लिए पाकिस्तान पर दबाव बनाएगी. इस बीच पीसीबी ने अब एक नई धमकी दे दी है, जिसमें उसने कहा है कि अगर ऐसा हुआ तो वह भी आने वाले समय में चैंपियंस ट्रॉफी का बदला लेगा और भारत के सामने ऐसी ही मांग रखेगा.

पाकिस्तान इन टूर्नामेंट्स में लेगा बदला

चैंपियंस ट्रॉफी के बाद भारत में दो बड़े टूर्नामेंट होने हैं. अगले ही साल भारत की मेजबानी में महिला वनडे वर्ल्ड कप खेला जाना है. इसके बाद 2026 में भारत और श्रीलंका में मेंस टी20 वर्ल्ड कप की मेजबानी की जाएगी. इसे देखते हुए पीसीबी भी बीसीसीआई जैसा रुख अपना सकता है. द टेलिग्राफ ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के सूत्रों के हवाले से रिपोर्ट किया है कि चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन हाइब्रिड मॉडल में कराने के लिए मजबूर करने पर वह भी अगले दो बड़े टूर्नामेंट के लिए इसकी मांग करेगा.सूत्रों की मानें तो पीसीबी ने धमकी दी है कि आगे से वह महिला वनडे वर्ल्ड कप के लिए अपनी टीम भारत नहीं भेजेगा. इसके लिए भी हाइब्रिड मॉडल आईसीसी को अपनाना होगा. इसके अलावा वह टी20 वर्ल्ड कप 2026 में सभी मुकाबले खेलेगा लेकिन भारत में नहीं बल्कि श्रीलंका में.

पृथ्वी शॉ जिसके एक इशारे पर बने 'करोड़पति', उसने खोला बड़ा राज, बताया IPL में अनदेखी का असली कारण

एजेंसी

नई दिल्ली। पृथ्वी शॉ की तुलना कभी सचिन तेंदुलकर और ब्रायन लारा जैसे दिग्गजों से की जाती थी. लेकिन अपने टेस्ट डेब्यू पर सेंचुरी ठोक चुके शॉ करियर के सबसे बुरे दौरे से गुजर रहे हैं. उनका ऐसा हाल कि आईपीएल में उन्हें खरीददार नहीं मिला और ना ही उनके बल्ले से रन बरस रहे हैं. उन्होंने अपनी बेस प्राइस सिर्फ 75 लाख रुपए रखी थी इसके बावजूद मेगा ऑक्शन में किसी ने उनमें दिलचस्पी नहीं दिखाई. उनके बुरे हालात और आईपीएल में अनदेखी से दिल्ली कैपिटल्स के पूर्व असिस्टेंट कोच प्रवीण आमरे बहुत ही दुखी हैं. अब उन्होंने शॉ के गिरते प्रदर्शन को लेकर बड़ा खुलासा किया है.

नहीं संभाल पाए आईपीएल का ग्लैमर

2018 में पृथ्वी शॉ ने अंडर-19 वर्ल्ड कप में भारतीय टीम की कप्तानी की थी. इस दौरान उन्होंने खूब रन बरसाए थे. चारों ओर उनके टैलेंट की धूम थी. उनकी प्रतिभा को देखते हुए आमरे ने दिल्ली की टीम में लाने में अहम भूमिका निभाई थी. 2018 में उनके ही कहने पर दिल्ली ने 1.2 करोड़ की बड़ी कीमत देकर शॉ को टीम में शामिल किया था. इससे 19 साल के उम्र में ही वह करोड़पति बन गए थे. इसके बाद लगातार 6 सीजन तक शॉ को रिटेन करने के लिए आमरे ने दिल्ली कैपिटल्स को धन्यवाद कहा.टाइम्स ऑफ इंडिया को दिए एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि 'पृथ्वी शॉ 23 साल की उम्र तक 30 से 40 करोड़ रुपये कमा चुके थे. इतनी कम उम्र अचानक इतना पैसा कमाने के बाद फोकस खो जाता है. शायद वह आईपीएल के ग्लैमर, पैसे और साइड-इफेक्ट्स को संभाल नहीं पाए.'आमरे ने कहा कि शॉ के साथ जो हो रहा है, वह दूसरे क्रिकेटरों के साथ नहीं होना चाहिए. इसके लिए लिए शॉ का करियर भारतीय क्रिकेट में एक केस स्टडी हो सकता है कि कैसे किसी खिलाड़ी का करियर भटक जाता है. शॉ के करियर को उल्टी दिशा में जाते देख आमरे ने दुख जताया और कहा कि सिर्फ टैलेंट आपको टॉप पर नहीं ले जा सकता. इसके दृढ़ निश्चय और अनुशासन की जरूरत होती, जिसकी शॉ में कमी है.

पिंक बॉल टेस्ट से पहले आई बड़ी खुशखबरी, टीम इंडिया की ये बड़ी चिंता हुई दूर, ऑस्ट्रेलिया की बढ़ेंगी मुश्किलें

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय टीम पर्थ टेस्ट जीतकर सीरीज में 1-0 की बढ़त बना चुकी है. अब बारी है ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरी और सबसे बड़ी चुनौती यानि डे-नाइट टेस्ट की. दूसरा मुकाबला एडिलेड में खेला जाना है, जिसमें पिंक बॉल का इस्तेमाल किया जाएगा. टीम इंडिया का इसका ज्यादा अनुभव नहीं है इसलिए इस मैच को काफी कठिन माना जा रहा है. हालांकि, इस मुकाबले में अभी करीब 1 सप्ताह का समय है. इससे पहले एक बड़ी खुशखबरी सामने आई है, जिससे भारतीय फैंस तो खुश होंगे लेकिन ऑस्ट्रेलिया की टेंशन बढ़ जाएगी.

शुभमन गिल ने इंजरी से की रिकवरी

पिंक बॉल टेस्ट से पहले रोहित शर्मा की टीम ऑस्ट्रेलिया की प्राइम मिनिस्टर्स ङ्गढ्ढ के खिलाफ दो दिनों की डे-नाइट प्रैक्टिस मैच खेलेगी. 30 नवंबर और 1 दिसंबर को होने वाले इस मुकाबले के लिए खिलाड़ी कैनबरा पहुंच चुके हैं. इस दौरान टीम इंडिया के लिए नंबर 3 पर खेलने वाले शुभमन गिल प्रैक्टिस करते दिखे. अंगूठे में चोट के कारण वह पर्थ टेस्ट में हिस्सा नहीं ले पाए थे. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अब उन्होंने इंजरी से पूरी तरह रिकवरी कर ली है. उनके अंगूठे पर बंधा बैंडेज पूरी तरह हटा लिया गया है.गिल ने नेट्स में थ्रो डाउन के अलावा टीम के तेज गेंदबाज आकाश दीप, हर्षित राणा और यश दयाल के खिलाफ बैटिंग की. उनकी वापसी टीम इंडिया के लिए काफी अहम होगी. क्योंकि वह नंबर 3 पर लंबे समय से बैटिंग कर रहे हैं. इसके अलावा ऑस्ट्रेलिया में उन्हें बल्लेबाजी करने का अनुभव है. गिल ने ऑस्ट्रेलिया में 3 मुकाबलों में 51 की औसत से 259 रन बनाए हैं, जिसमें 2 अर्धशतक शामिल है. गिल के नहीं होने पर देवदत्त पडिक्कल ने उनकी जगह ली थी.

गिल खेलेंगे प्रैक्टिस मैच?

शुभमन गिल भारतीय टीम के नेट सेशन के दौरान बैटिंग करते हुए दिखे, लेकिन डे-नाइट प्रैक्टिस मैच में हिस्सा लेंगे या नहीं इस पर कोई भी अपडेट सामने नहीं आया है. हालांकि, एडिलेड में होने वाले मैच में उनके खेलने की पूरी संभावना है. भारतीय टीम 29 नवंबर को कैनबरा में प्रैक्टिस करेगी. इसके बाद 30 नवंबर और 1 दिसंबर को प्राइम मिनिस्टर ङ्गढ्ढ के खिलाफ दो दिनों का मैच खेलने के बाद 2 दिसंबर को एडिलेड के लिए रवाना हो जाएगी.

न्यूजीलैंड पर लगा 114 रनों का 'जुर्माना', एक गलती की मिली इतनी कठोर सजा

एजेंसी

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड की टीम इस वक्त इंग्लैंड के खिलाफ क्राइस्टचर्च में टेस्ट मैच खेल रही है. इस मुकाबले के दूसरे दिन इंग्लैंड के बल्लेबाज हैरी ब्रूक ने कमाल का शतक लगाया. हैरी ब्रूक 132 रन पर नाबाद थे और दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक इंग्लैंड ने 5 विकेट पर 319 रन बना लिए थे. जाहिर तौर पर इंग्लैंड की टीम बेहद मजबूत स्थिति में है लेकिन आपको बता दें इसकी वजह न्यूजीलैंड की खराब फील्डिंग है. इसी फील्डिंग की वजह से न्यूजीलैंड को 114 रनों का नुकसान भी हो गया जो कि किसी जुर्माने की तरह है. दरअसल न्यूजीलैंड के बेस्ट फील्डर ग्लेन फिलिप्स ने हैरी ब्रूक का एक कैच टपकाया और इसी का नुकसान न्यूजीलैंड को उठाना पड़ रहा है.

न्यूजीलैंड को 114 रनों का नुकसान!

इस मुकाबले में शतक लगाने वाले हैरी ब्रूक को न्यूजीलैंड की टीम ने एक-दो नहीं बल्कि 3-3 मौके दिए. हैरी ब्रूक का पहला कैच 18 रनों पर छूटा था. 23वें ओवर में नाथन स्मिथ की गेंद पर गली में ग्लेन फिलिप्स से कैच छूटा. इसके बाद हैरी ब्रूक ने अपनी पारी में 114 रन और जोड़ लिए हैं जो कि न्यूजीलैंड को खासे खल रहे होंगे.

हैरी ब्रूक के 3 कैच छूटे

वैसे हैरानी की बात ये है कि न्यूजीलैंड की टीम ने हैरी ब्रूक के कुल 3 कैच छोड़े. 23वें ओवर में मौका मिलने के बाद हैरी ब्रूक ने 33वें ओवर में भी न्यूजीलैंड को कैच का मौका दिया लेकिन इस बार लैथम से गलती हो गई. 51वें ओवर में ब्रूक को तीसरा जीवनदान मिला. इस बार फिलिप्स की गेंद पर डेवॉन कॉन्वे ने उनका कैच टपकाया.

डिविलियर्स ने बताई आरसीबी की बहुत बड़ी कमी, बीच IPL में बदलनी पड़ेगी टीम

एजेंसी

साउथ अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर और आरसीबी के महान खिलाड़ियों में से एक रहे एबी डिविलियर्स ने आईपीएल 2025 ऑक्शन में बेंगलुरु की टीम को बेहतरीन बताया है लेकिन उन्होंने इस दौरान इस टीम की एक बड़ी कमी भी बता दी. डिविलियर्स ने ये भी बताया कि आरसीबी का अगला कप्तान कौन बन सकता है. साथ ही उन्होंने आर अश्विन और कागिसो रबाडा के आरसीबी में शामिल नहीं होने पर थोड़ी निराशा जताई. लेकिन डिविलियर्स ने सबसे बड़ी बात आरसीबी की टीम के स्पिनर्स को लेकर कही. डिविलियर्स ने बताया कि टीम में कोई ऐसा स्पिनर नहीं है जो गेंद को दोनों ओर टर्न करा सकता हो.

आरसीबी की सबसे बड़ी कमी

एबी डिविलियर्स ने कहा, 'हम आर अश्विन को लेने से चूक गए. सीएसके ने उन्हें खरीदलिया, मैं उन्हें पीली जर्सी में देखकर खुश हूं. लेकिन मैं खुश हूं. आरसीबी की टीम में बैलेंस है लेकिन हम एक मैच विनर स्पिनर को मिस कर रहे हैं. उम्मीद है कि हम चिन्नास्वामी के मुताबिक अपनी टीम का बैलेंस रखने में कामयाब रहेंगे.' डिविलियर्स ने आगे कहा, 'मुझे लगता है कि हम एक ऐसे स्पिनर को मिस करेंगे जो गेंद को दोनों ओर टर्न करता हो. हम यहां थोड़े से पीछे लग रहे हैं. उम्मीद है कि आईपीएल और बीसीसीआई ट्रांसफर विंडो खोले ताकि हम ट्रांसफर कर सकें.

पृथ्वी शॉ नहीं करते थे ये काम, इसलिए दिल्ली कैपिटल्स से निकाले गए, पार्थ जिंदल का बड़ा खुलासा

एजेंसी

नई दिल्ली। पृथ्वी शॉ के टैलेंट की दुनिया दीवानी थी. ये खिलाड़ी अगर 10 ओवर क्रीज पर खड़ा रह जाए तो पूरी तरह विरोधी के हाथों से मैच निकल जाता था यही वजह है कि दिल्ली कैपिटल्स पिछले सीजन तक इस खिलाड़ी को 7.5 करोड़ रुपये देती थी लेकिन इस बार पृथ्वी शॉ को पहले टीम से बाहर किया गया और उसके बाद आईपीएल ऑक्शन में इस बल्लेबाज पर किसी ने दांव नहीं लगाया. पृथ्वी शॉ के टीम से बाहर होने की वजह दिल्ली कैपिटल्स के को-ओनर पार्थ जिंदल ने बताई है. पार्थ जिंदल ने बताया कि पृथ्वी शॉ को इस तरह के झटके की जरूरत थी.

पार्थ जिंदल का शॉ पर बड़ा खुलासा

पार्थ जिंदल ने स्पोर्ट्स टुडे से बातचीत में कहा कि पृथ्वी शॉ शुरू से ही एक बेहतरीन खिलाड़ी रहे हैं. हर कोई जानता है कि उनके अंदर क्या काबिलियत है. शॉ की तुलना सचिन, लारा जैसे खिलाड़ियों से हुई. वो विराट कोहली और सचिन की तरह एमआरएफ के बैट से खेलते थे. मुंबई में उन्हें तीनों फॉर्मेट की टीम में जगह मिलती थी और दिल्ली कैपिटल्स के लिए भी पृथ्वी ने शुरुआत की.जिंदल ने आगे कहा कि उन्हें लगता है कि शॉ को इस तरह के झटके की जरूरत थी. पृथ्वी शॉ को मेहनत करनी होगी और उन्हें दोबारा खेल से प्यार करना होगा. शॉ को अपने अनुशासन और फिटनेस पर काम करना होगा.पार्थ जिंदल ने इस इंटरव्यू में साफ बता दिया कि पृथ्वी शॉ के अंदर क्या कमियां थी जिनकी वजह से किसी टीम ने उनपर दांव नहीं खेला. जिंदल ने इशारा किया कि शॉ की फिटनेस खराब है, वो पहले जैसे अनुशासित नहीं हैं और उनकी अंदर मेहनत करने की भूख भी खत्म हो गई है. साफ है इन तीन गलतियों की वजह से ही इस खिलाड़ी को इतना बड़ा झटका लगा है.

प्रवीण आमरे ने भी कही बड़ी बात

पृथ्वी शॉ को दिल्ली कैपिटल्स में जगह दिलाने वाले पूर्व क्रिकेटर प्रवीण आमरे को भी यही लगता है कि छोटी सी उम्र में बहुत ज्यादा पैसा कमाने की वजह से शायद शॉ रास्ते से भटक गए हैं. प्रवीण आमरे के मुताबिक 23 साल की उम्र तक शॉ ने 30-40 करोड़ रुपये कमा लिए थे जिसे वो संभाल ना सके. प्रवीण आमरे के मुताबिक अनुशासनहीनता ही पृथ्वी की सबसे बड़ी कमजोरी है.

RCB के दांव लगाते ही फ्लॉप हुआ ये खिलाड़ी, डेब्यू पर बना सका सिर्फ 10 रन

एजेंसी

नई दिल्ली। इंग्लैंड के 21 साल के ऑलराउंडर जैकब बेथेल के लिए रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने आईपीएल के मेगा ऑक्शन में जबरदस्त बोली लगाई थी. बेथेल 1.25 करोड़ की बेस प्राइस के साथ ऑक्शन में उतरे थे. इस दौरान पंजाब किंग्स और सनराइजर्स हैदराबाद ने भी दिलचस्पी के दिखाई. लेकिन बेंगलुरु की फ्रेंचाइजी ने उन्हें खरीदने का मन बना लिया था. इसलिए पंजाब और हैदराबाद के पीछे हटने के तक वह दांव लगाती रही और 2.60 करोड़ में खरीदकर टीम में शामिल किया. लेकिन उसके करोड़ों के दांव के तुरंत बाद ही बेथेल फ्लॉप हो गए हैं.

डेब्यू पर बनाए सिर्फ 10 रन

जैकब बेथेल को इंग्लैंड के दिग्गज क्रिकेटरों का समर्थन प्राप्त है. एलिस्टर कुक और नासिर हुसैन समेत कई दिग्गज उनके टैलेंट की सराहना कर चुके हैं. वहीं इंग्लैंड की टेस्ट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स भी उन पर आंख मूंदकर भरोसा दिखाते हैं. इसलिए उन्होंने बिना किसी फर्स्ट क्लास शतक के बेथेल को न्यूजीलैंड के खिलाफ क्राइस्टचर्च में खेले जा रहे पहले टेस्ट में डेब्यू का मौका दिया.46 साल के बाद इंग्लैंड ने किसी ऐसे बल्लेबाज को टेस्ट टीम में शामिल किया है, जिसके नाम फर्स्ट क्लास में कोई शतक नहीं है. हालांकि, वह इस मौके का फायदा नहीं उठा पाए. अपनी तूफानी बल्लेबाजी के लिए मशहूर बेथेल ने अपनी पहली टेस्ट पारी में 29 के स्ट्राइक रेट से सिर्फ 10 रन बना सके. इसके लिए उन्होंने 34 गेंदों का सामना किया.

शाहिद अफरीदी चैंपियंस ट्रॉफी को लेकर हुए आग-बबूला, BCCI पर लगाए ये आरोप, कहा- ICC दिखाए 'पॉवर'

एजेंसी

नई दिल्ली। चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी पाकिस्तान के पास है, लेकिन बीसीसीआई ने टीम इंडिया को वहां भेजने से मना कर दिया है. इस फैसले के बाद से ही टूर्नामेंट के वेन्यू और टाइमिंग को लेकर विवाद चल रहा है. इसे सुलझाने के लिए आईसीसी ने एक बड़ा कदम उठाते हुए शुक्रवार 29 नवंबर यानि आज एक मीटिंग रखी हैं. इस मीटिंग में दोनों बोर्ड के बीच चल रहे विवाद पर चर्चा होगी और समस्या का समाधान निकाला जाएगा. लेकिन इससे पहले पाकिस्तान के दिग्गज क्रिकेटर शाहिद अफरीदी ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड पर बड़ा हमला बोला है.

शाहिद अफरीदी ने लगाए ये आरोप

शाहिद अफरीदी ने बीसीसीआई पर अपना गुस्सा निकालते हुए आरोप लगाया है कि भारतीय बोर्ड खेल और राजनीति को एक साथ मिलाने की कोशिश कर रहा है. इस वजह से इंटरनेशनल क्रिकेट चिंताजनक स्थिति में पहुंच गया है. अफरीदी ने हाइब्रिड मॉडल के खिलाफ पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के फैसले का भी साथ दिया. उन्होंने कहा कि 'हाइब्रिड मॉडल को लेकर पीसीबी के रुख को मेरा पूरा समर्थन है.' उनके मुताबिक सुरक्षा की समस्या होने के बावजूद पाकिस्तान क्रिकेट टीम ने मुंबई में हुए 26/11 आतंकी हमले के बाद 5 बार भारत का दौरा किया. अफरीदी ने आईसीसी और इसके बोर्ड से डाइरेक्टर्स से समानता का व्यवहार करते हुए अपने पॉवर का इस्तेमाल करने की गुजारिश की.यह मैच टाई पर समाप्त हुआ।

मीटिंग से पहले PCB ने क्या कहा?

पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पीसीबी भारत के बिना ही चैंपियंस ट्रॉफी करवाने के लिए तैयार है. पीटीआई की एक रिपोर्ट के मुताबिक, उसने मीटिंग से पहले ही आईसीसी को बता दिया है कि वह हाइब्रिड मॉडल स्वीकार नहीं करेगा. साथ ही ये भी सलाह दी है कि चैंपियंस ट्रॉफी आयोजित करने के लिए कोई दूसरा विकल्प ढूंढा जाए. इसके अलावा उसने भारतीय टीम को पाकिस्तान में खेलने की मंजूरी नहीं मिलने की बात को लिखित में मांगा है. सूत्र ने कहा, आईसीसी के नियमों के तहत अगर कोई टीम कहती है कि उसकी सरकार किसी भी आधार पर उसे दूसरे देश में खेलने की अनुमति नहीं दे रही है तो बोर्ड को अपनी सरकार के निर्देश लिखित में जमा करने होंगे जो हमने अभी तक नहीं देखे हैं.

मीटिंग में इन 3 विचारों पर होगी चर्चा

आईसीसी की मीटिंग में चैंपियंस ट्रॉफी कराने को लेकर तीन विकल्पों पर विचार किया जा सकता है. इसका सबसे पहला विकल्प हाइब्रिड मॉडल है, जिसके तहत टीम इंडिया को छोड़कर बाकि सभी टीमों के मैच पाकिस्तान में खेले जाएंगे.

वहीं दूसरा विकल्प में टूर्नामेंट को पूरी तरह से पाकिस्तान के बाहर खेला जाएगा शिफ्ट करने की बात चल रही है. हालांकि, इस दौरान भी मेजबानी के अधिकार PCB के पास ही रहेंगे. तीसरा और आखिरी विकल्प यह है कि पूरा टूर्नामेंट पाकिस्तान में खेला जाए, लेकिन भारत इसका हिस्सा नहीं होगा.

ईशा सिंह

को 'टाइम गॉड' बनाकर पछता रहे हैं विवियन-अविनाश, कहा- गलती हो गई

बिग बॉस 18 में कुछ कंटेस्टेंट्स हर किसी नजरों में छाए हुए हैं. सलमान खान के शो के इस सीजन में विवियन डीसेना, करण वीर मेहरा, शिल्पा शिरोडकर, रजत दलाल और अविनाश मिश्रा काफी लाइमलाइट में नजर आ रहे हैं. विवियन और करण के बीच जहां कांटे की टक्कर मानी जा रही है, वहीं अविनाश अपना गेम शानदार तरीके से खेलते हुए नजर आ रहे हैं. शिल्पा भले ही करण को अपना दोस्त कहती हों, लेकिन उनकी दोस्ती दिखाई कहीं और देती है. इसी बीच बिग बॉस 18 को अपना नया टाइम गॉड मिल गया है. ईशा सिंह इस हफ्ते शो की टाइम गॉड बनी हैं.टाइम गॉड बनते ही ईशा सिंह ने अपनी जिम्मेदारी संभाल ली है. हालांकि उन्होंने वो कर दिखाया है, जो रजत दलाल और दिग्विजय राठी नहीं कर पाए थे. अब आप सोच रहेंगे ईशा ने ऐसा क्या ही कर दिया. ईशा ने टाइम गॉड बनते ही विवियन डीसेना और अविनाश मिश्रा को काम पर लगा दिया है. सही सुना आपने, पूरे घर मे जिसे सबसे ज्यादा कामचोर कहा जाता है, वो विवियन अब बर्तन धोते हुए नजर आ रहे हैं.

ईशा को टाइम गॉड बनाकर पछाए विवियव-अविनाश

ईशा सिंह की हरकतों को देखते हुए विवियन और अविनाश अब उन्हें टाइम गॉड बनाकर पछाताते हुए नजर आ रहे हैं. शो के मेकर्स ने नया प्रोमो शेयर किया है. प्रोमो में ईशा दोनों से कहती हैं कि बचे हुए बर्तन देखोगे. इसी बीच अविनाश कहते हैं, ईशा के टाइम गॉड बनते ही सारे काम हम लोग कर रहे हैं. विवियन कहते हैं कि हम लोग सोच रहे थे कि हम बैठकर कॉफी पीएंगे. तभी प्रोमो में ईशा आगे बर्तन धोने वाली जगह पर जाती हैं और कहती हैं कि इतनी गंदगी क्यों है ?

अविनाश कहते हैं कि सफाई हम लोगों का काम थोड़े ही है. विवियन बोलते हैं कि छोड़ न यार, कर देते हैं. वहीं ईशा बाहर गार्डन में रजत से अपनी पीठ दबवा रही होती हैं, जिसे देखकर अविनाश कमेंट करते हुए कहते हैं कि इन्हें देखो मसाज ले रही हैं. अविनाश कहते हैं कि गलती हो गई, बहुत बड़ी गलती हो गई. तभी विवियन पीछे से कहते हैं कि गलत लड़की को बना दिया टाइम गॉड.

तेरे बाप ने बोला था...मुंह पर पानी मारा और गाली भी दे डाली, गुस्से में तिलमिलाई सारा ने पार की सारी हदें

बिग बॉस 18 में इस बार नॉमिनेशन टास्क में बिग बॉस ने रिश्तों की परिक्षा ली थी. शो में जिस कंटेस्टेंट का दूसरे सदस्य के साथ रिश्ता है, उन्हें बुलाया गया और आपसी सहमति से किसी एक को नॉमिनेट होने के लिए कहा गया. ऐसे में बिग बॉस ने कशिश और सारा को एक साथ बुलाया था. दोनों के बीच फिलहाल कोई रिश्ता तो नजर नहीं आता है, लेकिन शुरुआत में थोड़ा बहुत था. दोनों की आपसी सहमति नहीं बनती हैं, इसलिए वो दोनों ही नॉमिनेट हो जाते हैं. इसके बाद सारा का गुस्सा करण वीर मेहरा पर फूटता हुआ नजर आता है.मेकर्स ने शो का नया प्रोमो आउट कर दिया है. इस क्लिप में करण वीर मेहरा महज एक सवाल सीधा-सीधा सारा से करते हैं. लेकिन सारा गुस्से में तिलमिलाकर जवाब देती हैं और देखते ही देखते बात इतनी आगे बढ़ जाती है कि वो करण को गाली भी देती हैं और करण के चेहरे पर पानी उठाकर फेंक देती हैं. इस पर सभी घरवाले सारा को रोकने की कोशिश करते हैं. लेकिन सारा गुस्से से लाल हो जाती हैं.

सारा और करण के बीच हुई तू-तू मैं-मैं

शेयर किए गए प्रोमो की शुरुआत में करण वीर मेहरा गार्डन में सारा से पूछते हैं, मैंने आपसे एक पॉइंट पूछा है कि आपको खाना बनाने के लिए किसने बोला था ? सारा करण की तरफ घूरते हुए कहती हैं, तेरे बार ने बोला था. इस पर तुरंत जवाब देते हुए करण कहते हैं कि मेरे बाप को गए हुए काफी वक्त हो गया. इसके बाद सारा अविनाश से कहती हैं कि देखो, देखो इसका चेहरा. इसके बाद करण कहते हैं, अब बाल खींच नहीं सकतीं. गालियां दे नहीं सकतीं. लास्ट टाइम जब नॉमिनेट हुई थीं, तब ये ड्रामा हुआ था और कुछ करना है तो कर लो.

करण वीर मेहरा की बात सुनकर सारा भड़क उठती हैं और वो गुस्से में आकर कहती हैं कि तुम्हें क्लैयरिटी की जरूर हैज्इसके तुंरत बाद वो अपनी बोटल का पानी करण वीर मेहरा के मुंह पर फेंक देती हैं. हालांकि करण की तरफ से कोई रिएक्शन सामने नहीं आता है. अब देखना दिलचस्प होगा कि बिग बॉस इस पर क्या एक्शन लेते हैं.

फिर एक बार शिल्पा शिरोडकर ने करणवीर को दिया धोखा? भड़क गए एक्टर

ईशा सिंह 'बिग बॉस 18 ' के घर की टाइम गॉड बन गई हैं. 'टाइम गॉड' बनने की इस रेस में ईशा सिंह के साथ ईडन रोज और विवियन डीसेना भी शामिल हुए थे. लेकिन इन तीनों को टाइम गॉड बनाने के लिए उनसे भी ज्यादा मेहनत रजत दलाल, अविनाश मिश्रा और करणवीर मेहरा ने की थी. दरअसल 'टाइम गॉड' के टास्क का ऐलान करने के बाद बिग बॉस ने बताया था कि ईशा, विवियन और ईडन को तीन कंटेस्टेंट की पीठ पर बैठना होगा. करणवीर मेहरा ने इस टास्क में ईडन का साथ दिया था. लेकिन टास्क के आखिर में शिल्पा शिरोडकर ने फिर एक बार करणवीर मेहरा को धोखा देते हुए ईशा सिंह और अविनाश मिश्रा का साथ दिया और ईशा सिंह 'टाइम गॉड' बन गईं.दरअसल 'टाइम गॉड' की टास्क में आखिर तक करणवीर ने ईडन को अपनी पीठ पर से नहीं उतारा. लेकिन बीच टास्क में अचानक शिल्पा शिरोडकर ने ये ऐलान कर दिया कि करणवीर ईडन के साथ दो बार रुके हैं और इसलिए ईशा सिंह 'बिग बॉस 18 ' के घर की नई टाइम गॉड बनती हैं. उनका ये फैसला सुनकर सिर्फ करणवीर मेहरा ही नहीं बल्कि दिग्विजय सिंह राठी भी उनपर गुस्सा हो गए. दिग्विजय सिंह राठी ने कहा,आप एकदम बेकार इंसान हो. आप बिलकुल ही घटिया हो.

जानें क्या था करणवीर का रिएक्शन

'टाइम गॉड' का टास्क पूरा होने के बाद जब शिल्पा शिरोडकर करणवीर मेहरा के पास गईं, तब उन्होंने शिल्पा से मिलने से इनकार कर दिया. करणवीर ने शिल्पा से ये सवाल भी पूछा कि क्या करणवीर मेहरा सिर्फ 'टाइम गॉड' टास्क में रिजेक्ट होने के लिए है क्या ? हालांकि शिल्पा शिरोडकर ने करणवीर के इस सवाल का क्या जवाब दिया है ? ये अब तक स्पष्ट नहीं हो पाया है.

कई बार दे चुकी हैं धोखा

ये पहली बार नहीं है, जब शिल्पा शिरोडकर ने करणवीर को धोखा दिया है. इससे पहले भी विवियन डीसेना और करणवीर मेहरा के बीच में उन्होंने विवियन डीसेना को 'टाइम गॉड' बनाया था. फिर एक नॉमिनेशन टास्क में भी उन्होंने विवियन डीसेना, अविनाश मिश्रा और ईशा सिंह को बचाते हुए अपने दोस्त करणवीर मेहरा को घर से बाहर जाने के लिए नॉमिनेट किया था. इस बीच बिग बॉस के 'पोस्टमैन' वाले टास्क में भी शिल्पा ने करणवीर मेहरा की टीम छोड़कर विवियन की टीम में जाना पसंद किया था. सलमान खान से लेकर हिना खान तक बिग बॉस में शामिल कई मेहमानों ने शिल्पा की इस हरकत पर सवाल उठाए थे.

बदल जाएंगे 'समीकरण'

बिग बॉस 18 के घर में अक्सर घरवाले समीकरण की बातें करते हैं. शिल्पा शिरोडकर ने अपने फैसलों से बार-बार साबित किया है कि उनके लिए करणवीर से समीकरण बनाने से ज्यादा विवियन डीसेना, अविनाश मिश्रा और ईशा सिंह का साथ देना ज्यादा जरूरी है.

तुम किचन में नहीं दिखना- करणवीर मेहरा को

सारा आरफीन खान

की धमकी

बिग बॉस 18 के घर से 'लाइफ कोच' आरफीन खान तो एविक्ट हो गए हैं. लेकिन उनकी पत्नी सारा आरफीन अब भी सलमान खान के शो में टिकी हुई हैं. सारा जब भी घर से बाहर जाने के लिए नॉमिनेट होती हैं, तब वो घर में हंगामा शुरू कर देती हैं. घर में हंगामा करने के पीछे उनका सिर्फ एक ही उद्देश्य होता है कि वो ऑडियंस की नजरों में आए और उन्हें शो से बाहर न जाना पड़े.

इस हफ्ते भी सारा आरफीन खान को नॉमिनेट किया गया है और यही वजह है कि उन्होंने करणवीर मेहरा पर निशाना साधा है.दरअसल सारा का कहना है कि श्रुतिका राज और चुम दरांग में झगड़ा इसलिए हुआ, क्योंकि उनके हिस्से का खाना करणवीर मेहरा ने खा लिया और इसलिए देर रात सोते हुए करणवीर मेहरा के पास जाकर वो उन्हें धमकी देने लगीं कि तुम मुझे कल से किचन के आस-पास मत दिखना. सारा की आवाज से करण उठ गए और उन्होंने सारा को कहा कि आप प्लीज रात के समय मुझे सोने दीजिए.

मैं अच्छी तरह से जानता हूं कि आप ये क्यों कर रही हैं. लेकिन अच्छा होगा कि हम कल इसपर बात करें. सारा ने करणवीर की बात मानने से इनकार कर दिया और वो बेडरूम एरिया में ही जोर-जोर से चिल्लाने लगीं. उनकी आवाज सुनकर रजत दलाल और चाहत पांडे उन्हें वहां से लेकर गए.

करणवीर पर फेंका पानी

अगले दिन सुबह करणवीर ने सारा आरफीन खान से कहा कि मैं रात को सिर्फ 3 से 4 घंटे सोता हूं. इसलिए अच्छा होगा कि हम अब बात करें.

अगर आपकी खाना बनाने की ड्यूटी नहीं है, तब आपको खाना नहीं बनाना चाहिए. पूरे घर में राशन को लेकर सिर्फ आप प्रॉब्लम कर रही हैं और मैं समझ सकता हूं कि जिस तरह से पहले आपने हंगामा किया था, वैसे आप मेरे साथ नहीं कर सकतीं. आप मुझे नोच नहीं सकतीं. इसलिए आप ये झगड़ा कर रही हो.

भड़क गईं सारा

करणवीर की बातें सुनकर सारा आरफीन खान उनपर गुस्सा हुईं. उन्होंने करणवीर पर पानी तक फेंका. जब करणवीर ने उनसे फिर से पूछा कि मैंने सिर्फ आपसे एक पॉइंट पूछा था कि आपको खाना बनाने किसने बोला था ? तब सारा ने उन्हें बड़ी बदतमीजी से कहा कि तुम्हारे बाप ने. करणवीर ने फिर भी बड़ी ही शांति से सारा को जवाब दिया कि मेरे पिता को 5 साल पहले ही निधन हो गया है. लेकिन ये उनकी बात सुनकर अविनाश से लेकर रजत दलाल, ईशा सिंह तक सबसे करणवीर का साथ देते हुए सारा को चेतावनी दे डाली कि वो इस तरह से करणवीर से बदतमीजी से बात नहीं कर सकतीं.